ज्ञान ज्योति

वार्षिक पत्रिका 2024-25

राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली

(NAAC 'B' ACCREDITED)

Scanned with OKEN Scanner

Prof. Satyendra Pal
(Principal)

College at a Glance

राष्ट्रीय किसान कॉलिज, शामली
विद्ययाऽमृतमश्नुते
स्थापित – 1958

NAAC 'B' ACCREDITED

Establishment year	:	July 1958 (Approved by UGC)
Affiliation	:	1958 Agra University, Agra 1965 Meerut University, Meerut (Ch. Charan Singh University, Meerut) At Present Maa Shakumbhari University, Saharanpur
Founded By	:	Kisan Vidya Sabha, Shamli
Courses Run	:	A - Faculty of Agricultural Sciences : B. Sc. M. Sc. (Agronomy, Horticulture) B - Faculty of Sciences : B. Sc. : PCM, BZC, PSM M. Sc. : Physics, Chemistry, Botany C - Faculty of Commerce : B. Com.
College Management	:	Management Committee
Students	:	Co-education around 2200 students per session
Building & Sports	:	Well Furnished Building and Big Sport ground
Library Facility	:	Adequate and well-equipped with Wi-Fi Facility
Computer, Science & Agr. Lab	:	Adequate and well-equipped with Wi-Fi Facility
National Service Scheme	:	Three units (Boys, Girls& Combined)
N.C.C.	:	One unit each (Boys & Girls)
Rover & Ranger	:	One unit each
Wi-Fi	:	24x7 Facilities
Surveillance	:	24x7 CCTV Surveillance in whole premises
Hostel Facility	:	Girl's Hostel
Electricity & Drinking Water	:	24x7 Available
Security Guards	:	24x7Available
Mobile App	:	RKPG COLLEGE SHAMLI (download from play store)
Website	:	www.rkcollege.in

Scanned with OKEN Scanner

सरस्वती वन्दना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावर दण्ड मण्डितकरा या श्वेतपद्मासना
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।
शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगदव्यापिनीम्
वीणा–पुस्तक–धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्।
हस्ते स्फटिकमालिकां विद्धतीं पद्मासने संस्थिताम्
वन्दे तां परमेश्वरी भगवती बुद्धिप्रदां शारदाम्।।

मुख्य सम्पादक

डॉ. चन्द्रबली पटेल

अस्सिटेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान

सहायक सम्पादक

डॉ. गीता देवी

अस्सिटेंट प्रोफेसर, प्लांट पैथोलॉजी

डॉ. अजय कुमार सिंह

अस्सिटेंट प्रोफेसर, कृषि वनस्पति विज्ञान

छात्र प्रतिनिधि

रितिका कुमारी

(एम.एस–सी. (वनस्पति विज्ञान), प्रथम वर्ष)

अजय कुमार

(बी.एस–सी. (बायो), तृतीय वर्ष)

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलाम् मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्नापुलकित यामिनीम्।
फुल्ल-कुसुमित द्रुम-दल-शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर-भाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a **[1][SOVEREIGN, SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC]** and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the [2][unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty –sixth day of November, 1949 do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for 'Sovereign Democratic Republic' (w.e.f.3.1.1977)
2. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for 'Unity of the Nation' (w.e.f.3.1.1977)

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

(पुँवारका, सहारनपुर, उ०प्र०, पिन–247120)

Prof. Vimala Y.
प्रो० विमला वाई,
Vice-Chancellor
Mob. - +91 9411905180
Web mail-vc@msuniversity.ac.in
Email - vc.maashakumbhariuniversity@gmail.com

पत्रांक : V.C.O/117/05/024-25, **दिनांक** : 25–01–2025

शुभकामना सन्देश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि आर०के० (पी०जी०) कालिज, शामली (उत्तर प्रदेश) द्वारा विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका, **'ज्ञान ज्योति'** सत्र 2024–25 का अंक प्रकाशित करने जा रहा है।

विद्यार्थियों की बौद्धिक व रचनात्मक प्रतिभा तथा साहित्यिक अभिरूचियों को व्यक्त करने हेतु महाविद्यालय की पत्रिका एक सशक्त माध्यम होती है। वास्तव में, युवाओं को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का पहला अवसर लेखन के माध्यम से ही मिलता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** महाविद्यालय के दर्पण के रूप में अतीत से वर्तमान तक के कीर्तिमान एवं उपलब्धियों को चिन्हित करते हुए आने वाली पीढ़ी के भविष्य निर्माण एवं मार्गदर्शन की दिशा में प्रकाश स्तम्भ का कार्य करेगी।

सृजनशीलता के इस पवित्र अनुष्ठान की सफलता के लिए मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल के सदस्यों, संकाय सदस्यों व छात्र–छात्राओं को ढेरों बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

(कुलपति)

Scanned with OKEN Scanner

प्रोफेसर (डॉ०) मोनिका सिंह
क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी
मेरठ

Ph. : 0121-2400444, 7983131279
Office : Regional Higher Education Officer
E-mail : rheomeerut@yahoo.com
Website : www.rheomrt.org

पत्र संख्या : 15
दिनांक : 31–01–2025

शुभकामना सन्देश

महोदय,

यह हर्ष का विषय है कि **आर०के० (पी०जी०) कॉलेज, शामली** अपनी वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** (2024–25) प्रकाशित करने जा रहा है। महाविद्यालय पत्रिका विचारों की अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करती है, जिसका प्रयोग करना सभी छात्र/छात्राओं का कर्तव्य है। यह पत्रिका महाविद्यालय के रचनात्मक भूमिका एवं कुशल नेतृत्व क्षमता का एक सराहनीय प्रयास है।

मैं पत्रिका प्रकाशन हेतु प्राचार्य, सम्पादकमण्डल, महाविद्यालय परिवार और छात्र–छात्राओं को हार्दिक बधाई देती हूँ।

शुभकामनाओं सहित ...

(डॉ० मोनिका सिंह)

Scanned with OKEN Scanner

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

(पुँवारका, सहारनपुर, उ०प्र०, पिन–247120)

Virendra Kumar Maurya
वीरेन्द्र कुमार मौर्य
Registrar
Mob. - +91 9026108310
Email - reg.maashakumbhariuniversity@gmail.com

Date : 30-01-2025

शुभकामना सन्देश

मुझे यह लिखते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय किसान डिग्री कॉलेज, शामली की वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** का सत्र 2024–25 का अंक प्रकाशित होने जा रहा है।

राष्ट्रीय किसान डिग्री कॉलेज शामली जिले का एक अग्रणी कॉलेज है, जिसमें शामली एवं आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। छात्र–छात्राओं के अंतर्मन में आकार लेती रचनाओं एवं छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक उचित मंच की आवश्यकता होती है, ऐसे में विद्यार्थियों के बहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय से प्रकाशित होने वाली पत्रिका एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुझे आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि राष्ट्रीय किसान कॉलेज की पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** सत्र 2024–25 का अंक विद्यार्थियों को विकास एवं प्रगति के मार्ग पर अग्रसर करने में सफलता प्राप्त करेगी तथा महाविद्यालय द्वारा वर्ष भर में किए गए कार्यक्रमों, क्रियाकलापों एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत करेगी, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में प्रेरणादायी होगी।

मैं सृजनशीलता का प्रतीक **'ज्ञान ज्योति'** पत्रिका की सफलता के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, अन्य सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

(वीरेन्द्र कुमार मौर्य)

Scanned with OKEN Scanner

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

(पुँवारका, सहारनपुर, उ०प्र०, पिन–247120)

डॉ० राजीव कुमार

परीक्षा नियंत्रक

Website - msuniversity.ac.in

Email - examcontroller@msuniversity.ac.in

शुभकामना सन्देश

मेरे लिए यह अपार हर्ष की बात है कि राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली, अपनी वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** सत्र 2024–25 का अंक प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्र–पत्रिकाओं की समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें समाहित ज्ञान–विज्ञान, लेखों–अभिलेखों से एक ओर जहां विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन होता है वहीं दूसरी ओर लेखकों को अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति व्यक्त करने के लिए एक मंच भी उपलब्ध होता है। यह ज्ञान वर्धन के साथ–साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

मैं आशा करता हूँ कि निरंतर नव ऊर्जा के साथ **'ज्ञान ज्योति'** जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन होता रहे। साथ ही साथ मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, संपादक मंडल, शिक्षकगण, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को **'ज्ञान ज्योति'** पत्रिका के सफल एवं समयबद्ध प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं एवं धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

(डॉ० राजीव कुमार)

Scanned with OKEN Scanner

IQRA CHOUDHARY
Member of Parliament
(Lok Sabha)
Kairana (Uttar Pradesh)
Member :
Standing Committee on Estimates

सत्यमेव जयते
Government of India

Munawwar Hasan Seller,
Bhura Chungi - Kairana (Shamli) - 247774
Mobile : 9690633025
E-mail : choudhary.iqra1@sansad.nic.in

शुभकामना सन्देश

प्रिय छात्र–छात्राओं, सम्मानित शिक्षकों एवं महाविद्यालय परिवार आर०के० (पी०जी०) कॉलेज, शामली के वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** 2024–25 के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पत्रिका न केवल छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा को मंच प्रदान करती है, बल्कि ज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा में कदम बढ़ाने का माध्यम भी है। शिक्षा एक ऐसा प्रकाश है, जो समाज को प्रगति की ओर ले जाता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों का प्रतीक बनेगी और यह ज्ञान की ज्योति को और अधिक प्रज्वलित करेगी।

महाविद्यालय परिवार को मेरी शुभकामनाएं हैं कि वे इसी प्रकार शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहें।

Iqra Choudhary

(इक़रा चौधरी)

Scanned with OKEN Scanner

प्रसन्न कुमार
विधायक
10-विधानसभा शामली (उ०प्र०)

कार्यालय : निकट तहसील शामली
मुजफ्फरनगर रोड, बनत
शामली-247776 (उ०प्र०)
मो० : 9536411111

दिनांक : 31-01-2025

शुभकामना सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष की बात है कि राष्ट्रीय किसान डिग्री कॉलेज शामली की पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** सत्र 2024–25 का अंक प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिकाएं छात्र–छात्राओं के लिए एक बहुत ही उपयोगी मंच उपलब्ध कराता है, जिसमें वे अपनी बहुआयामी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकते हैं। कॉलेज में होने वाले कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों का समावेश पत्रिका में किया जाता है। नवाचार एवं लेखन कला विकसित एवं प्रकाशित करने का अवसर भी प्रदान करता है, जो छात्र–छात्राओं के बहुमुखी विकास में सहायक होता है।

मैं आशा करता हूँ कि **'ज्ञान ज्योति'** पत्रिका सत्र 2024–25 का अंक छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक होगा।

मैं **'ज्ञान ज्योति'** पत्रिका के सफल सम्पादन के लिए प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, कॉलेज के शिक्षकों एवं सहायक कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

(प्रसन्न चौधरी)

Scanned with OKEN Scanner

GOVERNMENT WOMEN PG COLLEGE

KANDHLA (SHAMLI) PIN CODE - 247775

(NAAC accredited Grade 'B' with CGPA 2.45)

(सम्बद्ध : माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, कोड-503)

Email Id : gwpgckandhla@gmail.com, Website : gwpgckandhla.in

Prof. (Smt.) Pramood Kumari

प्रो० (श्रीमती) प्रमोद कुमारी

Principal

Mob. - 8279801859, 9997335456

Date :21-02-2025

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय किसान पी०जी० कॉलेज शामली अपनी वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** का प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के विचारों, सृजनशीलता, रचनात्मक प्रतिभा, अनुशासन, सहयोग, कर्तव्यपरायणता, सामाजिक समरसता व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना विकसित करने के साथ–साथ महाविद्यालय के वर्षभर के कार्यों का दर्पण भी होता है।

महाविद्यालय की पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** उपरोक्त नैतिक मूल्यों को छात्र/छात्राओं में प्रतिस्थापित करने के साथ–साथ उनमें कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन् भारतीय संस्कृति की विशेषता अनेकता में एकता व 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को विकसित करने में अवश्य सफल होगी जिससे आत्म निर्भर श्रेष्ठ भारत का निर्माण हो सके।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य व सम्पादक मण्डल को मेरी हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ।

P. Kumari

(प्रो० (श्रीमती) प्रमोद कुमारी)

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली

(NAAC 'B' Accredited)

(सम्बद्ध : माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर)

Email Id : rkpgcollege1@yahoo.com, rkpgcollegeshamli090@gmail.com Website : www.rkcollege.in

चौधरी महाराज सिंह

उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली

शुभकामना सन्देश

यह लिखते हुए मुझे अत्यन्त ही हर्ष की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली की वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** के सत्र 2024–25 का अंक प्रकाशित किया जा रहा है। महाविद्यालय से छपने वाली पत्रिकाएं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को उनके लेखन–कौशल को बढ़ाने का बहुत ही सशक्त और उपयुक्त माध्यम होता है। पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं रचनाएं विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास में सहायक होता है, जिससे वे समाज एवं देश के एक जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।

यह पत्रिका ससमय प्रकाशित हो, इसके लिए हम अपनी तरफ से छात्र–छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा सम्पादक मण्डल एवं कॉलेज प्रशासन को हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(चौधरी महाराज सिंह)

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली

(NAAC 'B' Accredited)

(सम्बद्ध : माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर)

Email Id : rkpgcollege1@yahoo.com, rkpgcollegeshamli090@gmail.com Website : www.rkcollege.in

प्रो. सत्येन्द्र पाल

प्राचार्य

शुभकामना सन्देश

यह अत्यंत ही हर्ष का अवसर है कि राष्ट्रीय किसान डिग्री कॉलेज शामली की वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान ज्योति'** 2024–25 का अंक प्रकाशित किया जा रहा है। पत्रिका के इस अंक में महाविद्यालय में आयोजित किये गये बहुत सारे आयोजनों को समावेशित किया गया है। पत्र–पत्रिकाएं महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए उनके प्रतिभा प्रदर्शन का एक सशक्त एवं उन्नतशील माध्यम होता है जिसमें वे अपनी रचनाओं एवं कलाकृतियों को प्रस्तुत करते हैं। इस अंक में प्रकाशित लेख विद्यार्थियों एवं शिक्षकों तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की तरफ से प्रस्तुत किए गए हैं।

यह बहुत गर्व का विषय है कि हमारा महाविद्यालय पहली बार इस वर्ष एक नहीं बल्कि दो–दो राष्ट्रीय स्तर के कॉन्फ्रेंस करने में सफल रहा है और उसका संपूर्ण संकलन इस पत्रिका में मिलेगा। पत्रिका का यह अंक विद्यार्थियों की ऊर्जा को समुचित दिशा में लगाने को प्रेरित करेगा साथ ही साथ विद्यार्थियों को समाज एवं देश का एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

महाविद्यालय का यह प्रयास है कि पत्रिका को सही समय पर प्रकाशित कर एवं इसका विमोचन करके विद्यार्थियों को उपलब्ध करा दिए जाएं, जिससे विद्यार्थी उसका लाभ ले सके। इसके लिए मैं अपनी तरफ से प्रकाशक मंडल एवं महाविद्यालय परिवार तथा विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

(प्रो० सत्येन्द्र पाल)

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली

(NAAC 'B' Accredited)

(सम्बद्ध : माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर)

Email Id : rkpgcollege1@yahoo.com, rkpgcollegeshamli090@gmail.com Website : www.rkcollege.in

Dr. Chandra Bali Patel

Chief Editor

'Gyan Jyoti' Magazine

Editorial Message

This is a great moment for me to write an editorial message of the annual magazine **Gyan Jyoti** 2024-25. The magazine always become a source of inspiration and opportunities to express the inner thoughts in creative domain. This magazine will constitute the various types of creativity made available by the students and teachers. Time always been a dynamic frame in which things remain variable. In the present scenario, when most of the person are possessing electronic devices and remain busier in watching online contents which result into decrease in their writing tendency as well as capacity. To develop and encourage reading, tendencies and writing skills, it is essential to go through written text materials.

The college students belong to different socio-economic and educational background. These glimpses appear in their behavior, their thought and expression. Some students motivated and try to bring positive changes their society to a better level after getting better environment from the college. Keeping these things in their mind, they try to write their thoughts in the form of poem, prose, essay, satire etc. For this purpose, the magazine become best platform to express their thoughts.

I offer my sincere thanks to all students and teachers who have provided their valuable contents & suggestion to publish in this magazine. I also offer my sincere thanks to Principal, Prof. Satyendra Pal for encouraging us and for providing all kinds of possible supports and facilities. I also express my sincere thanks to Ch. Maharaj Singh, Vice President who on behalf of management committee have given valuable moral support for timely publication of this magazine.

In my view, this magazine will touch a new horizon to prove itself as a new domain of precious literature. In the last I would say that 'Evolution and Revolution are Timeless and Limitless Phenomena' and hence further improvement will always be entertained, encouraged, appreciated and incorporated.

(Dr. Chandra Bali Patel)

Scanned with OKEN Scanner

FACULTY MEMBERS AT A GLANCE

A -Faculties of Agricultural Sciences

Left to Right (Sitting) : Dr. Geeta Devi, Prof. M.K. Jally, Prof. Rajni Rani, Prof. Satyendra Pal (Principal), Prof. P.K. Singh, Dr. Mange Ram, Dr. Sneha Singh
Left to Right (Standing) : Dr. S.K. Shroti, Dr. Rohit Rana, Dr. Binita Singh, Dr. Ajay Kumar Singh

B - Faculties of Sciences

Left to Right (Sitting) : Sh. Rishi Kumar, Sh. Shrikant Varshney, Prof. Manoj Kumar, Prof. Satyendra Pal (Principal), Dr. Sanjeev Kumar
Dr. Saurabh Kumar Pandey, Dr. Chandra Bali Patel
Left to Right (Standing) : Dr. Preetam Singh, Dr. Shashi Shekhar Mishra, Ms. Gayatri Tripathi, Dr. Deepak Tomar, Sh. Raj Guru

Scanned with OKEN Scanner

C - Faculties under Self-Finance Scheme

Left to Right : Dr. Sanjeev Kajla, Dr. Manoj Kumar, Prof. Satyendra Pal (Principal), Dr. Sachin Kumar, Sh. Vikas Kumar, Dr. Charu Goel

D - Office Staff

Left to Right : Sh. Sanjeev Kumar, Sh. Shiv Kumar Sharma, Sh. Satendra Kumar Sharma, Prof. Satyendra Pal (Principal)
Sh. Arvind Kumar, Sh. Yogesh Kumar, Sh. Yashovardhan Verma

Scanned with OKEN Scanner

E - Group IV Staff

Left to Right (Sitting) : Sh. Rampal, Sh. Sanjeev Kumar, Prof. Satyendra Pal (Principal), Sh. Sanjeev Kumar, Sh. Rambeer, Sh. Rampal (Temp.)
Left to Right (Standing) : Sh. Vijay Kumar (Temp.), Sh. Vinod Kumar (Temp.), Sh. Arvind Rathi (Temp.)

Visit for RAWE Programme at Village Tajpur Simbhalka on 05-10-2024

Km. Garima (University Topper M.Sc. Chemistry)

Km. Prerna Jain (University Topper M.Sc. Physics)

विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मा. राज्यपाल से सम्मान प्राप्त करते महाविद्यालय के मेधावी विद्यार्थी (05-09-2024)

Scanned with OKEN Scanner

ACHIEVEMENT & AWARDS

डॉ. संजीव कुमार द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन (13-11-2024)

UPCST के अन्तर्गत डॉ. दीपक तोमर द्वारा प्राप्त रिसर्च प्रोजेक्ट में छात्रा गरिमा को नियुक्ति-पत्र प्रदान करते हुए

डॉ. रोहित राणा द्वारा किया गया पेटेंट

डॉ. मांगेराम सैनी द्वारा रचित पुस्तक विमोचन

Plantation Drive (23.07.2024)

World Women Day Celebration (08.03.2025)

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ संख्या
1.	देशभक्ति	प्रज्ञा मलिक	19
2.	माँ की ममता	पंकज	19
3.	संघर्ष ही जीवन है	प्रियांश	20
4.	मेरे पापा – प्यारे पापा	विशु	20
5.	राष्ट्र गौरव राजा महेन्द्र प्रताप	डॉ० एस०के० श्रोती	21
6.	हुनर	अमनदीप सिंह	23
7.	जब जंगल में रहता था	अमनदीप सिंह	23
8.	शेर	अमनदीप सिंह	23
9.	विज्ञान के दोहे	खुशी	24
10.	राम मन्दिर	दिव्यांशी सैनी	24
11.	कर्मों का महत्व	डॉ० एम०आर० सैनी	25
12.	बाबा हरभजन सिंह	प्रिया	26
13.	दोस्ती को समर्पित	तनु चौधरी	26
14.	हम भी तो कुछ देना सीखें	खुशबू चौहान	27
15.	Positive Approach	अविका	28
16.	माँ के लिए शायरी	पंकज	28
17.	Prions : The Mysterious Infectious Agent	डॉ० सी०बी० पटेल	29
18.	माँ	रिया	31
19.	अन्तिम यात्रा	राखी शर्मा	31
20.	एक सवाल मेरा भी	सोना	32
21.	स्वाधिनता आन्दोलन और हिन्दी कहानी	आर्य राणा	32
22.	स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024		33
23.	राष्ट्रीय सेवा योजना		34
24.	National Conference - I		35
25.	गणतंत्र दिवस 2025		38
26.	कॉलिज पत्रिका	तनुजा	41
27.	मेरे कॉलेज को बधाई	तनुजा	41
28.	भारत में प्रथम महिला	तनुजा	42
29.	ध्यान दे	तनुजा	42
30.	आधुनिक छात्र	मनिता	43
31.	दु:ख झेलने वालों के लिए एक नसीहत	समीता	43
32.	Women empowerment and value education	प्रो० रजनी रानी	44
33.	हाय रे परीक्षा आई	मनिता	46
34.	शिक्षक है भगवान	कु० साक्षी	46
35.	पापा	साक्षी प्रजापति	47
36.	समय बहुत ही मूल्यवान है	कु० साक्षी	47
37.	कविता – माँ	पलक मलिक	48
38.	Road Safety & Traffic Rules	पलक मलिक	49
39.	पिता	तनु पुण्डीर	50

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ संख्या
40.	सुनो द्रौपदी शस्त्र उठा लो अब गोविन्द न आएंगे	तनु पुण्डीर	50
41.	बचपन	तनु पुण्डीर	51
42.	हमारी मातृभाषा : हिन्दी	तनु पुण्डीर	51
43.	कार्बन उत्पाद एवं उनकी उपयोगिता	डॉ० संजीव कुमार	52
44.	माँ को सब पता होता है	मेहविश	54
45.	संस्कार	दीपा	54
46.	मेरा हिन्दुस्तान	गुलिस्ता	55
47.	शिक्षक के लिए शायरी	दीपा	55
48.	शिक्षक	मयाशा	56
49.	पर्यावरण बचाओ	अंजु कुमारी	56
50.	National Conference - CICABS 2025		57
58.	वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं		59
59.	रोजगार मेला 2025		60
60.	Annual Cultural Fest 'Spandan-2025'		61
61.	महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम		63
62.	कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती	अंजु कुमारी	65
63.	साहसी मेंढ़क	अरूण चौहान	66
64.	फौजी	प्रज्ञा मलिक	66
65.	महाकुम्भ	डॉ० ए०के० पाण्डेय	67
66.	लड़के कभी रोते नहीं	कोमल	69
67.	बेटी क्या संतान नहीं	प्रिन्सी वर्मा	69
68.	जिन्दगी	बोबी कुमार	70
69.	पापा	आयुषी	71
70.	रख भरोसा खुद पर	राखी शर्मा	72
71.	पिता	राखी शर्मा	72
72.	Artificial Intelligence in plants	वर्षा मलिक	73
73.	एक बेटी की आवाज	मुस्कान चन्द्रा	75
74.	आखिर क्यों ?	मुस्कान चन्द्रा	76
75.	क्यों माँ ?	प्रिन्सी वर्मा	76
76.	मैं मोबाईल हूँ	महरीन	77
77.	Swayam	डॉ० एस०के० पाण्डेय	78
78.	किताब का पन्ना ही फाड़ दिया	महरीन	79
79.	शायरी	महरीन	79
80.	साँपों की सभा (व्यंग्य)	अमनदीप सिंह	80
81.	Cryptography	प्रो० मनोज कुमार	81
82.	कहानी : जैसे को तैसा	सुधाकर	83
83.	Principal's Medal Award		84
84.	महाविद्यालय अखबारों की सुर्खियों में		85
85.	Medals Awarded to Topper Students		86
86.	Alumni Association		88
87.	College Administration 2024-25		91
88.	College Staff		94

Scanned with OKEN Scanner

देशभक्ति

मैं नही मानती की राष्ट्र गान के 52 सेकेण्ड में सिर्फ खड़े हो जाना या वन्दे मातरम, भारत-माता की जय के जोरो -सोरों से नारे लगाना देशभक्ति है। अगर आप कहेंगे कि साल में दो बार हाथ मे तिरंगा ले लेना देशभक्ति है तो मैं पूछना चाहूंगी कि फुटपाथ पर रहने वाला वो बच्चा धूप में नंगे पाँव जब तिरंगा बेच रहा होता है तो क्या आप उसे उसकी देशभक्ति कहेगे। ये उसकी देशभक्ति नहीं बल्कि पेट की भूख की शक्ति है जो उसे ऐसा करने पर मजबूर करती है।

हमारा ये देश विभिन्न वर्गों से मिलकर बना है। एक विशेष वर्ग जो मेरे जहन में आता है वो है किसान वर्ग। वही किसान जिसके कच्चे घर की छत टपकती है लेकिन फिर भी वो बारिश की दुआ मांगता है। जब जब किसी किसान के खेत मे भूख उगी है तब किसान से शहर मे नौकरी की है। ये बात चिन्ता की नहीं वरन् चिन्तन का विषय है कि जो रास्ता गाँव से शहर की ओर रोजगार हेतु जाता है वो रास्ता शहर से गाँव विकास हेतु क्यूँ नहीं आ सकता।

हमारा दूसरा विशेष वर्ग, है युवा वर्ग वो युवा जिसे अपनी पीठ पर लादकर लानी थी अतीत की उपब्धियाँ। जिसे वर्तमान की तोड़ देनी थी हर कुंठा। जिसके कंधे पर जिम्मेदारी थी राष्ट्रीय मान और समाज की आशाओं को जोड़कर रखने की। वही युवा 4 बाई 6 इंच की स्क्रीन पर अपनी कोमल अंगुलियों के घर्षण मारने से ऑनलाईन विडियो को भावनाओ की ईमौजी भेज रहा है। हम एक ऐसे समाज मे जी रहे है।

" जहाँ पत्थर की मूरत को लगते हैं 56 भोग -2, जहाँ भूखे नंगे तड़पते सो जाते है लोग।
मजदूर को मजदूर समझिये मजबूर नहीं, गरीबों को काम दीजिए दान नहीं।
और दान देने के इच्छुक है तो, जिते-जी रक्तदान और मरने के बाद
अंगदान देकर किसी मरते हुए को, जीवनदान दीजिए। ये ही असली राष्ट्रधर्म है और असली देशभक्ति।"

- प्रज्ञा मलिक
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

मां की ममता

गिनती नहीं आती मेरी माँ को यारों....2
मैं एक रोटी माँगू वो दो ही लाती है।
जन्नत के हर लम्हों का दीदार किया था,
जब माँ ने गोद मे उठाकर प्यार किया था।
सब कह रहे हैं आज माँ की दिन है,
ऐसा कौन सा दिन है जो माँ के बिन है।
माँ को देखकर मुस्करा लिया करो,
क्या पता किस्मत मे हज लिखा ना हो।
मौत के लिए तो कई सारे रास्ते हैं,
मगर जन्म लेने के लिए केवल माँ।
अब माँ के लिए क्या लिखूँ,
माँ ने खुद मुझे लिखा है।
दवा असर ना करे तो नजर उतारती है,
माँ तो माँ है जनाब हार कहाँ मानती है।
माँ भले ही पढी-लिखी ना हो लेकिन,
दुनिया का सबसे अच्छा ज्ञान माँ ही देती है।

- पंकज
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

संघर्ष ही जीवन है

जीवन में सफलता उसी को मिलती है जिसने मुसीबतों का सामना किया है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है –

जीवन एक संघर्ष है एवं इसका सामना प्रत्येक व्यक्ति को करना पड़ता है।

मुसीबतों से भागना, नयी मुसीबतों को निमन्त्रण देने के समान है। जीवन में समय–समय पर चुनौतियों एवं मुसीबतों का सामना करना पडता है। एवं यही जीवन का सत्य है।

अंग्रेजी में कहावत है –

"A smooth sea never make a skillful mariner"

एक शांत समुन्द्र में नाविक कभी भी कुशल नहीं बन पाता। कोई भी एक ऐसा सफल व्यक्ति नहीं मिलेगा जिसने सफलता से पहले मुसीबतों का सामना न किया हो।

कभी हार मत मानो

बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़ेगी, जितनी दूरी तय करने पर लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं। अधिकतर लोग ठीक उसी समय हार मान लेते हैं, जब सफलता उन्हें मिलने वाली होती है। विजय रेखा बस एक कदम दूर होती है, तभी वे कोशिश करना बंद कर देते है, वे खेल के मैदान से अंतिम मिनट में हट जाते हैं। जबकि उस समय जीत का निशान उनसे केवल एक फूट के फासले पर होता है।

सपने बड़े होने चाहिए, नींद से जगाने के लिए।
हमेशा संघर्ष करते रहना चाहिए, अपने लक्ष्य को पाने के लिए।।

– प्रियांशी
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

मेरे पापा – प्यारे पापा

खुशी के हर लम्हे मेरे पास होते थे,
जब मेरे प्यारे पापा मेरे साथ होते थे।
जिनका हसँता हुआ चेहरा मुझे
दुनिया की सब से खूबसूरत चीज लगती हैं
उस की एक झलक भी जैसे अब एक ख्वाब लगती है।
इतना याद किया है उनको
कि याद भी अब थक गई होगी,
हर त्यौहारो में हर एक मनपंसद पकवानो में
हर एक दिन और रात में
उनके लिखने के अंदाज में
अब पापा तुम्हारे बारे में मैं और क्या लिखूं
आखिर तुम्हारी ही तो लिखावट हूँ मैं
मेरे पापा प्यारे पापा....

– विशु
B.Com. 1st year

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्र गौरव राजा महेंद्र प्रताप

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह जिन्हें हम आर्यन पेशवा के रूप में भी जानते हैं एक महान स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, लेखक, क्रान्तिकारी, समाज सुधारक, देशभक्त और दानवीर थे। आपका जन्म 1 दिसम्बर 1886 को हाथरस जिले की मुरसान रियायत में मुरसान नरेश राजा घनश्याम सिंह के यहाँ उनके तीसरे पुत्र खड़ग सिंह के रूप में हुआ था, जो उस समय संयुक्त प्रान्त में आता था। जब आप केवल तीन वर्ष के थे आपको राजा हाथरस हरि नारायण सिंह जी ने गोद ले लिया लेकिन आपके अपने बचपन के 7-8 वर्ष मुरसान अपने जन्मदाता परिवार में ही गुजारें। महेन्द्र प्रताप की प्रारम्भिक शिक्षा अलीगढ़ के गवर्मेंट स्कूल में हुई थी, बाद में उन्होंने बी.ए. तक की पढ़ाई ऍमएओ कालेज से की थी जो कि वर्तमान में ए एम यू के नाम से विख्यात है। मुस्लिम कॉलेज में पढ़ने के कारण आप मुस्लिमों से बहुत अधिक निकट सम्पर्क में आए इससे आप धार्मिक संकीर्णता की भावना से बहुत ऊपर हो गए इसके बाद जब आपने स्वतन्त्रता की अलख जगाई तो मुस्लिम देशों और मुस्लिम नवाबों में बहुत सम्मान मिला जैसे जैसे आपकी उम्र बढ़ी वैसे वैसे आपमें ब्रिटिश हुकूमत के प्रति वैमनस्यता बढ़ती गई। इस विरोध को व्यक्त करने के लिए उन्होंने पत्रकारिता में रूचि ली और 'निर्बल सेवक' नामक एक समाचार-पत्र निकालना शुरू किया।

जब आप केवल 14 वर्ष के थे आपकी शादी जींद की राजकुमारी बलवीर कौर से तय हो गई। आपकी बारात मथुरा से जींद दो ट्रेन को बुक करके गई ऐसा बताया जाता है कि आपको इतना अधिक दहेज मिला था कि आपका वृन्दावन का पूरा महल भर गया था। जिस समय 1901 में 1 रूपये का 1 मन अनाज आता था उस समय आपकी शादी में 3 लाख 75 हजार रू० खर्च हुए। राजा महेन्द्र प्रताप को जनता ने हृदय तल से बचपन से ही राजा मान लिया था लेकिन उस समय की व्यवस्थाओं में राजा की उपाधि अंग्रेज देते थे। आपको नहीं दी गई न ही आपने कभी अंग्रेजों से यह पद माँगा, अंग्रेजी हुकूमत आपको हमेशा कुंवर महेन्द्र प्रताप ही मानती रही। आप अपने आप में अनूठे व्यक्ति थे इसको आप ऐसे भी समझ सकते हैं कि 1909 में हरियाली तीज के दिन एक बहुत बड़ा आयोजन पुत्र जन्मोत्सव का किया उसमें अपने सभी ईष्ट मित्र सगे संबंधी मित्र आम जन मानस को बुलाया और बुलाने के बाद प्रेम महाविद्यालय की स्थापना की तथा इस महाविद्यालय को अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति दान कर रहे थे। मालवीय जी ने बहुत समझाया तब आधी संपत्ति अपने पास रखने को तैयार हुए। आपने अलीगढ़ के ए०एम०यू०, डी०ए०बी० कॉलेज, बी०एच०यू० बनारस को यथासम्भव सहयोग व दान दिया। आपने जिलाधिकारी मथुरा को उस समय 25000 रूपये छोटे बच्चों के विद्यालय विकास हुए दिए। राजा साहब छुआछूत के घोर विरोधी थे। वृन्दावन जैसी धार्मिक कर्मकांड़ी नगरी में रहते हुए भी आप किसी भी घर में खाना खा लिया करते थे। महेन्द्र प्रताप की राजनीतिक गतिविधियां जल्द ही शुरू हो गई। उन्होंने 1906 में कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में भाग लिया और स्वदेशी आन्दोलन में शामिल हुए। इसके बाद, उन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ने का फैसला किया। युद्ध के दौरान आप तुर्की भी गए।

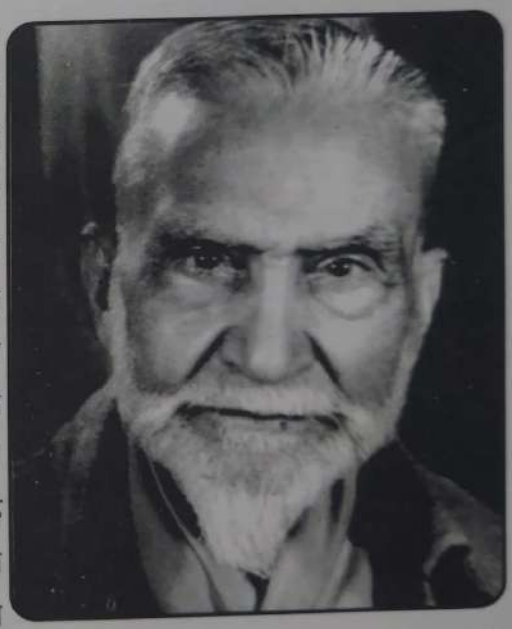

महेन्द्र प्रताप ने 1 दिसम्बर 1915 को काबुल, अफगानिस्तान में भारत की अस्थायी सरकार की स्थापना की, बरकतुल्ला को प्रधानमंत्री बनाया और स्वयं इसके अध्यक्ष (राष्ट्रपति) बने। उन्होंने जर्मनी और तुर्की के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने का फैसला किया। महेन्द्र प्रताप की गतिविधियों ने अंग्रेजों को परेशान कर दिया और विदेश में रहने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने 1920 से 1946 तक विदेशों में भ्रमण किया और विश्व मैत्री संघ की स्थापना की।

महेन्द्र प्रताप 1946 में भारत लौटे और स्वतंत्रता के बाद भी राजनीतिक गतिविधियों में शामिल रहे। उन्होंने मथुरा लोकसभा से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को चुनाव हराया। आपने 2 बार निर्दलीय सांसद के रूप में कार्य किया और विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक

Scanned with OKEN Scanner

कारणों के लिए लड़ते रहे। आपके गाँधी जी से बहुत मधुर संबंध थे। आप उनसे मिलने नेटाल द०अफ्रीका गए थे गाँधी जी भी भारत वापसी पर सबसे पहले राजा महेन्द्र प्रताप जी से ही मिले थे, लेकिन आपको कांग्रेस से मानसिक रूप से चिढ़ थी। आप बाल गंगाधर तिलक तथा विपिन चंद्र पॉल से वैचारिक साम्यता रखते थे। महेन्द्र प्रताप का निधन 29 अप्रैल 1979 को हुआ था। आपकी समाधि वृन्दावन में यमुना के किनारे है। उनकी मृत्यु के बाद, भारत सरकार ने उनकी स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया। देश का पहला पॉलिटेक्निक कॉलेज आपने मथुरा में खोला, मथुरा का प्रेम कॉलेज भी आपने ही बनवाया था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के लिए भी जमीन आपने ही प्रदान की थी।

यह देश का दुर्भाग्य है कि ए०एम०यू० में देश विभाजक जिन्ना की तस्वीर लगी है, लेकिन राजा महेन्द्र प्रताप की नहीं। हरियाणा के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने मांग की थी कि यूनिवर्सिटी का नाम राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के नाम पर होना चाहिए यही मांग राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के प्रतोत्र राजा गरुणध्वज ने की थी। आपको नोबेल पुरस्कार समिति ने नोबेल पुरस्कार के लिए दो बार नामित किया लेकिन गाँधी जी की तरह आपको भी कभी नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अधिंकाश लोग हाथरस को हास्य कवि काका हाथरसी के कारण जानते हैं, यहाँ तक कि इतनी बड़ी शख्सियत राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के साथ इतिहासकारों ने खूब अन्याय किया। सरदार पटेल की तरह राजा महेन्द्र प्रताप के साथ भी तत्कालीन सरकार के इतिहासकारों ने नाइंसाफी की। इस नाइंसाफी का सबसे बड़ा कारण वैचारिक धरातल पर कांग्रेस से पूर्णत: अलग विचारधारा का होना था। इस इंटरनेशनल क्रान्तिकारी का कद कई मायनों में गाँधी जी और नेताजी के समकक्ष है। आखिर कोई तो बात राजा महेन्द्र प्रताप में थी, जिसकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तारीफ की, वैसे तो राजा महेन्द्र प्रताप को वामपंथी विचारों वाला भी माना जाता है। राजा महेन्द्र प्रताप के क्रान्तिकारी विचारों से प्रभावित होकर उन्हें मिलने के लिए लेनिन ने भी रूस बुलाया था। अफगानिस्तान की संसद में प्रधानमंत्री ने कहा था सीमांत गांधी अब्दुल गफ्फार खान को जानने वाले आज लाखों मिल जाएंगे, लेकिन राजा महेन्द्र प्रताप का नाम कितने लोग जानते हैं। मोदी ने सीमांत गांधी के साथ राजा महेन्द्र प्रताप का नाम लिया और उनके और अफगानिस्तान के राजा के बीच की बातचीत को भाईचारे की भावना का प्रतीक बताया और अब सरकार के द्वारा राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के नाम पर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद में विश्वविद्यालय की स्थापना हो गई है। लेखक स्वयं को सौभाग्यशाली मानता है कि वह आपकी जन्मभूमि का निवासी है और आपके ही नाम से गुरूकुल नारसन हरिद्वार में स्थापित महाविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है और आपके प्रपौत्र राजा गरुड़ध्वज से पारिवारिक संबंध भी है। केवल मैं ही नहीं बल्कि इस देश के करोड़ों शुभचिंतक भारत सरकार से अपेक्षा जरूर रखते हैं कि राजा महेन्द्र प्रताप को देश के सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" से विभूषित कर यथोचित सम्मान प्रदान करेगी जिससे विलंबित ही सही लेकिन हमारे इस राष्ट्र गौरव के चरित्र के साथ कुछ हद तक न्याय हो सकेगा।

राजा महेन्द्र प्रताप की विरासत इतिहास में हमेशा अमर रहेगी। देश में आपका नाम हमेशा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण रणनीतिकार एवं सच्चे देशभक्त के रूप में लिया जाता रहेगा। उनकी कहानी पीढ़ियों से प्रेरणा का स्रोत रही हैं और आगे भी रहेगी।

जय हिन्द !

- डॉ० एस०के० श्रोती
असि०प्रोफेसर (शस्य विज्ञान)

Scanned with OKEN Scanner

हुनर

(गजल)

सब हुनर अपनी बुराई में दिखाई देंगें,
ऐब तो बस मेरे भाई में दिखाई देंगे ।
इसकी आँखों में नजर आएँगे इतने सूरज,
जितने पैबन्द रजाई में दिखाई देंगे ।
हमने अपनी कई सदियाँ यही दफनाई है,
हम जमीनों की खुदाई में दिखाई देगें ।
जिक्र रिश्तों के तहफ्फुज का जो निकलेगा,
तो हम राजपूतो की कलाई में दिखाई देंगे ।
और कुछ रोज है झीलों पर सुलगती हुई रेत,
सब्ज मंजर भी जुलाई में दिखाई देगें ।

जब जंगल में रहता था

अजाँ सुनता था लेकिन नींद के दलदल में रहता था।
मैं पहले भी मुसलमाँ था मगर बोतल में रहता था।
जिसे दे दी दुआ वो कीमती मखमल में रहता था।
मगर वो खुद एक फटे कम्बल में रहता था,
मुझे माजी की काली नागिनें डसने को आती थी।
मैं पुरखों की हवेली छोडकर होटल मे रहता था
वो दोहरी शहरियत रखता था कोई उससे क्या मिलता।
कभी दिल्ली में रहता था कभी चम्बल मे रहता था
धुएँ के रंग से शहरों की दिवारों पे लिक्खा है,
बहुत महफूज था इंसान जब जंगल मे रहता था।

शेर

घरों के धँसते हुए मंजरों में रक्खे हैं,
बहुत से लोग यहाँ मकबरों में रक्खे हैं ।
हमारे सर की फटी टोपियों पे तंज ना कर,
हमारे ताज आजायब घरों में रक्खे है ।

– अमनदीप सिंह
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

विज्ञान के दोहे

मटर उगा कर, खेत दिया विज्ञान।
अनुवांशिकी के पिता, मेंडल हुए महान।
दूर देश के मित्रों से बात कराता कौन।
ग्राहम बेल का शुक्रिया, दे गये टेलीफोन।
नीले तिलमस पत्र को, कर देते वह लाल।
कहते हम अम्ल उसे अग ना देना लाल।
किसी जीव का किस जगत में होता है स्थान।
ऐसा लीनियस ने दिया वर्गीकरण विज्ञान।
जिसको चाहे भेज दो अब तुम टेलीग्राम।
मार्कोनी का शुक्रिया उसको करो सलाम।
फिल्म देखने का जिसे सच मुच में है सौंक।
एडीसन ने पेश किया, उसको बाईस्कोप।
कैसी तारो की बत्ती या उनका अलोक।
गैलिलियों ने बता दिया, देकर टेलीस्कोप।
चाहे तुम सूट सिलाओ या सिलाओ जीन्स।
एलियास देकर गये, ऐसी सिलाई मशीन।

– खुशी
B.Sc. (CBZ) 3rd Sem.

राम मन्दिर

जिस पावन भूमि पर जन्मे थे श्री राम
उस भूमि को बारम्बार प्रणाम
जहाँ कर गये मुगलवंशी राज
वो भी कहते थे इसे अपना अभिमान
कितने संघर्षो के पश्चात्
हुआ देवभूमि पर फिर हमारा राज
न रहा आज वहाँ राम मन्दिर और हुए प्रभु विराजमान
बरसों पहले देखा था जो ख्वाब
आज हो रहा वो साकार
अब क्या सतयुग, क्या द्वापर, क्या त्रेता,
कलयुग में भी भजे राम का नाम
गाथाओं मे सबसे ऊँचा जिसका स्थान
राम की गाथा रामायण सबसे महान्।।

– दिव्यांशी सैनी
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

कर्मों का महत्व

संसार में कोई भी जीव अकर्मण्य नहीं है और ना ही कभी रह सकता है। इस संदर्भ में कहा गया है कि –

न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्।
कार्यते ह्यशः कर्म सर्व प्रकृतिजैर्गुणैः।।

अर्थात् "कोई भी व्यक्ति क्षण भर के लिए भी बिना कर्म किए नहीं रह सकता है। सभी प्राणी प्रकृति के अधीन है तथा प्रकृति अपने अनुसार ही प्रत्येक प्राणी से कर्म करवाती है व उसके परिणाम भी देती है।"

कर्म मनुष्य के लिए उस दर्पण के समान है जो उसे उसको वास्तविक सच्चाई दिखाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्म ही मनुष्य के जीवन के रथ के सच्चे सारथी होते हैं जो उसको जीवनभर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। विद्वानों ने कर्म को मुख्यतः तीन भागों में विभाजित किया है पहला 'क्रियमाण कर्म' जिसका फल तुरंत प्राप्त हो जाता है। दूसरा 'संचित कर्म' जिसका फल बाद में मिलता है और तीसरा होता है 'प्रारब्ध' अर्थात् जिसका फलभोग आरम्भ हो चुका हो। गीता में श्री कृष्ण जी अर्जुन से कहते है कि

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि।"

अर्थात् "तेरा अधिकार केवल कर्म पर ही है उसके फलों में कभी नहीं। इसलिए तू कर्म के फल के प्रति आसक्त न हो या कर्म न करने के लिए प्रेरित न हो।"

कर्म सिर्फ शरीर की क्रियाओं से ही सम्पन्न नहीं होता बल्कि आपके मन, विचारों एवं भावनाओं से भी सम्पन्न होता है।

"यत् कृतं स्याच्छुभं कर्म पापं वा यदि वाश्नुते।
तस्माच्छुभानि कर्माणि कुर्याद् वा बुद्धिकर्भिः।।"

अर्थात् "मनुष्य जो भी कर्म करता है उनका फल उसे भोगना पड़ता है। इसलिए सभी मनुष्यों को अपनी बुद्धि, मन तथा शरीर से सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए।"

कर्म के बारे में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि 'अपने विचारों पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वह तुम्हारा कर्म बन जाएंगे और अपने कर्मों पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वह तुम्हारा भाग्य बन जाएंगे। हम अपने कर्म के आधार पर ही अपने भाग्य को बनाते एवं बिगाड़ते हैं। आजकल के दौर में व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए या निज स्वार्थ के लिए अपने कर्म के महत्व को भूल गया है। कहानियों में सुना था कि प्राचीन काल में राजा महाराजा सदैव अपने आस–पास ऐसे लोगों को रखते थे जो उसका मनोबल बढ़ाने तथा उसके अहंकार को संतुष्ट करने के लिए अनावश्यक प्रशंसा एवं दूसरों की निंदा करते रहते थे। आज के युग में ऐसे व्यक्ति को 'निष्ठाहीन चापलूस' कहा जाता है जो किसी प्रभावशाली व्यक्ति की चापलूसी करके अनुग्रह प्राप्त करना चाहता है। मैंने अक्सर देखा है कि चापलूस व्यक्ति बहुत ही कम समय में पद और प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते हैं जबकि वे स्वयं जानते हैं कि वे उसके लायक नहीं है। इसके विपरीत कोई नेक और ईमानदार व्यक्ति जिसके पास चापलूसी करने का कोई हुनर न हो चाहे कितना भी मेहनती हो कभी उसकी बराबरी नहीं कर पाता। चापलूस व्यक्ति लम्बे समय तक अपनी कला से लोगों को भ्रमित नहीं कर सकता बल्कि कुछ ही समय बाद अपने कर्मों की चपेट में आकर केवल हंसी का पात्र बनकर रह जाता है। क्योंकि 'सर्वे कर्मवशा वयम्' अर्थात् सब कुछ कर्म के ही अधीन है। यह भी सत्य है कि "किसी सरल व्यक्ति के साथ किया गया छल हमारी बर्बादी के सारे रास्ते खोल देता है।" इसलिए व्यक्ति को अपने अन्दर सदैव अनुसरण करते रहना चाहिए तथा आलोचनाओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हमारा कर्म ही हमारे उत्थान और पतन का कारण है। कर्म ही हमारे जीवन की दिशा और दशा दोनों को तय करता है इसलिए हम सबको सदैव अच्छे कर्मों का चयन करना चाहिए।

– डॉ० एम०आर० सैनी
असि० प्रोफेसर (कीट विज्ञान)

Scanned with OKEN Scanner

बाबा हरभजन सिंह

एक सैनिक से बाबा बने हरभजन सिंह का पूरा नाम हरभजन सिंह ब्रसाई था। एक बहादुर भारतीय सेना के सिपाही थे। उनका जन्म 30 अगस्त 1946 को पाकिस्तान के गुजरांवाला जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। 20 की उम्र में हरभजन सिंह 9 फरवरी 1966 को भारतीय सेना के पंजाब रेजिमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हुए थे। महज दो साल बाद 4 अक्टूबर 1968 को एक हादसे में उनका देहांत हो गया।

घटना के वक्त उनकी टयूटी 23 वें पंजाब रेजिमेंट के साथ पूर्वी सिक्किम में थी। उस दिन हरभजन सिंह घोडों के एक काफिले को तुकु ला से डोंगचुई ला ले जा रहे थे। तभी अचानक नाथुला पास के समीप उनका पैर फिसल गया और नजदीकी नाले मे गिर गए । नाले में पानी का बहाव हरभजन सिंह के शरीर को घटना स्थल से दो किमी दूर तक ले गया।

हरभजन सिंह की मृत्यु के बाद कुछ ऐसे अजीाबोगरीब घटनाक्रम हुए जिसकी वजह से वह धीरे-धीरे मशहूर होने लगे। कहा जाता है कि हरभजन सिंह मृत्यु के बाद अपने एक साथी के सपने में आए और अपने गुम शरीर को उसके बारे में बताया। आश्चर्य की बात है कि भारतीय सेना को तीन दिन की खोजबीन के बाद उसी जगह पर उनका शव मिला। यही नहीं ये भी कहा जाता है कि हरभजन सिंह ने अपने साथी के सपने में आकर उनका समाधि स्थल बनाने का भी अनुरोध किया । इसके बाद यूनिट ने जेलेप दर्रे और नाथुला दर्रे के बीच 14 हजार फीट की ऊँचाई पर उनकी समाधि का निर्माण कर दिया। हरभजन सिंह का मंदिर सिक्किम की राजधानी गंगटोक के पास स्थित है। कहा जाता है कि यहाँ सिर्फ भारतीय सेना ही नही चीनी सेना के जवान भी उनके सम्मान में शीश झुकाने आते है।

- प्रिया
B.Sc. (PCM) 1st Sem.

दोस्ती को समर्पित

ना कभी इम्तिहान लेती है,
ना कभी इम्तिहान देती है ।
दोस्ती तो वो है जो बारिश में भीगे चहरे
पर भी आँसुओं को पहचान लेती हैं ।
आज रब से मुलाकात की
थोड़ी सी आपके बारे में बात की,
मैंने कहा क्या दोस्त है; क्या किस्मत पाई है;
रब ने कहा संभाल के रखना मेरी पंसद है,
जो तेरे हिस्से मे आई है।
दिन बीत जाते है सुहानी यादें बनकर,
बातें रह जाती हैं कहानी बनकर।
पर दोस्त, तो हमेशा दिल के करीब रहेंगे,
कभी मुस्कान, तो कभी आँखों का पानी बनकर....।

- तनु चौधरी
B.Sc. (CBZ) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

हम भी तो कुछ देना सीखें

देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।
सूरज हमें रोशनी देता
हवा नया जीवन देता है॥

भूख मिटाने को हम सबकी
धरती पर होती खेती है॥

औरों का भी हित हो जिसमें।
हम ऐसा कुछ करना सीखें॥
देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।
पथिकों को तपती दुपहर में।
पेड़ सदा देते हैं छाया॥

सुमन सुंगध सदा देते हैं
हम सबको फूलों की माला।

त्यागी तरुओं के जीवन से,
हम परहित कुछ करना सीखें।
देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें
जो अनपढ़ हैं उन्हें पढायें,
जो चुप है उनको वाणी दें।

पिछड़ गये जो उन्हे बढायें,
प्यासी धरती को पानी दें।

हम मेहनत के दीप जलाकर,
नया उजाला करना सीखें॥
देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें।

:: भाव बोध ::

इस कविता के माध्यम से भैया-बहिनों के अन्दर त्याग एवं सहयोग की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया है।

– खुशबू चौहान
B.Sc. (CBZ) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

POSITIVE APPROACH

Teary eyes and face with a frown
I was sitting alone at the beach
Looking at the sand light brown
Thinking about my life and breach

Looking at a boy running around,
Playing with his dog I found
Sitting beside me he said,
Your face so sad what made ?
Stupid situations of my life,
Feels like killing them with a knife

He said look around for a while
There is so much for you to smile
Look at the colourful balloon
They teach us something true
They say not ever-day is a bright boon
Grey days will one day get a sue

Waves tell you to never stop
Life is like a beautiful broach
One day you will reach the top
Just wear it with a positive approach.

- Avika
B.Sc. (Bio) 1st Year

माँ के लिए शायरी

मेरी तकदीर में कभी कोई गम नहीं होता।
अगर तकदीर लिखने का हक मेरी माँ को होता।

खुदा देखा चाँद देखा न जाने मैंने क्या क्या देखा,
पर इस दुनिया में माँ से खूबसूरत कुछ नहीं देखा।

चलती फिरती आँखों से अजा देखी है,
मैने जन्नत तो नहीं देखी लेकिन माँ देखी है।

किसी को घर मिला तो किस के हिस्से मे दौलत आयी।
मैं मेरी माँ की लाडली थी इसलिए मेरे हिस्से में माँ आयी।

माँ के बिना दुनिया की हर चीज कोरी है
दुनिया का सबसे सुन्दर संगीत माँ की लोरी हैं

माँ बेटी का रिश्ता दिल से दिल तक जुड़ी होती है।
क्योंकि एक बेटी माँ के दिल का दुकडा होती है।

- पंकज
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

Prions: The Mysterious Infectious Agent

In the 18th and 19th centuries, exportation of sheep from Spain was observed to coincide with a disease called scrapie. This disease caused the affected animals to "lie down, bite at their feet and legs, rub their backs against posts, fail to thrive, stop feeding and finally become lame". The disease was also observed to have the long incubation period that is a key characteristic of transmissible spongiform encephalopathies (TSEs).

In 1982, Stanley B. Prusiner of the University of California, San Francisco, announced that his team had purified an infectious protein, which did not appear to be present in healthy hosts. Prusiner was awarded the Nobel Prize in Physiology or Medicine in 1997 for his research into prions.

In addition to Scrapie, prions are responsible for Bovine Spongiform Encephalopathy (BSE or mad cow disease) and Kuru, Fatal familial insomnia, Gerstmann-Strassler-Scheinker Syndrome, Creutzfeldt-Jacob disease (CDJ) All results in progressive degeneration of brain and eventual disease. Mad cow disease in very familiar disease once spread in epidemic proportion in Great Britain in the 1990s and initially spread because cattle were fed meal made from all parts of cattle including brain tissues. It is evident that eating meat from cattle with BSE can cause a variant of Creutzfeldt-Jacob disease in humans (vCDJ). Variant CJD differ from CJD in origin only. People acquire vCJD by eating infected meat while CJD is an extremely rare condition caused by spontaneous mutation in gene that encodes prion protein. CJD and GSS are rare and cosmopolitan in distribution in middle aged people. The Kuru disease has been found in the Fore tribe of eastern New Guinea. This tribe had a custom of consuming dead kinsmen. Women and children were given less desirable body parts to eat, including the brain, and were thus infected. Cannibalisms was stopped many years ago and kuru has been eradicated.

A prion is a misfolded protein that induces misfolding in normal variants of the same protein, leading to cellular death. Prions are responsible for transmissible spongiform encephalopathy (TSEs), which are lethal and transmissible neurodegenerative diseases affecting both humans and other animals. These proteins can misfold sporadically, due to genetic mutations, or by exposure to an already misfolded protein, which lead to misfolding in other proteins in its three-dimensional structures. The term prion comes from "proteinaceous infectious particle". The very interesting thing associated with prion is that they do not contain nucleic acids (DNA or RNA) unlike other microorganisms. Prions are mainly twisted isoforms of the major prion protein (PrP).Prions are supposed to cause of various types of diseases includingTSEs, scrapie in sheep, chronic wasting disease (CWD) in deer, bovine spongiform encephalopathy (BSE) in cattle (mad cow disease), and Creutzfeldt–Jakob disease (CJD) in humans. All

Scanned with OKEN Scanner

known prion diseases in mammals affect the structure of the brain or other neural tissues. These diseases are progressive, have no known effective treatment, and are consistently fatal. Prions are also thought to be linked to other neurodegenerative diseases like Alzheimer's disease, Parkinson's disease, and amyotrophic lateral sclerosis (ALS), which are mainly proteins misfolding diseases. The intrinsically disordered protein of Prions continuously changes their conformation unless they bound to a specific partner, such as another protein. Once a prion binds to another protein in the same conformation, it stabilizes and can form a fibril, leading to abnormal protein aggregates called amyloids. These amyloids accumulate in infected tissue, causing damage and cell death. The structural stability of prions makes them resistant to denaturation by chemical or physical agents, complicating disposal and containment, and raising concerns about iatrogenic spread through medical instruments.

PRION PROTEIN STRUCTURE

Prions consist of a misfolded form of major prion protein (PrP), a protein that is a natural part of the bodies of humans and other animals. The PrP found in infectious prions has a different structure and is resistant to proteases, the enzymes in the body that can normally break down proteins. The normal form of the protein is called PrP^{C}, while the infectious form is called PrP^{Sc} – the C refers to 'cellular' PrP, while the Sc refers to 'scrapie', the prototypic prion disease, occurring in sheep. PrP can also be induced to fold into other more-or-less well-defined isoforms in vitro; although their relationships to the form(s) that are pathogenic in vivo is often unclear, high-resolution structural analyses have begun to reveal structural features that correlate with prion infectivity.

Further research are continued to see the possible role of prions in other infectious diseases in humans with inflammatory and infectious diseases such as tuberculosis, Crohn's disease, rheumatoid arthritis, and HIV/AIDS.

- Dr. Chandra Bali Patel
Assistant Professor
Department of Botany

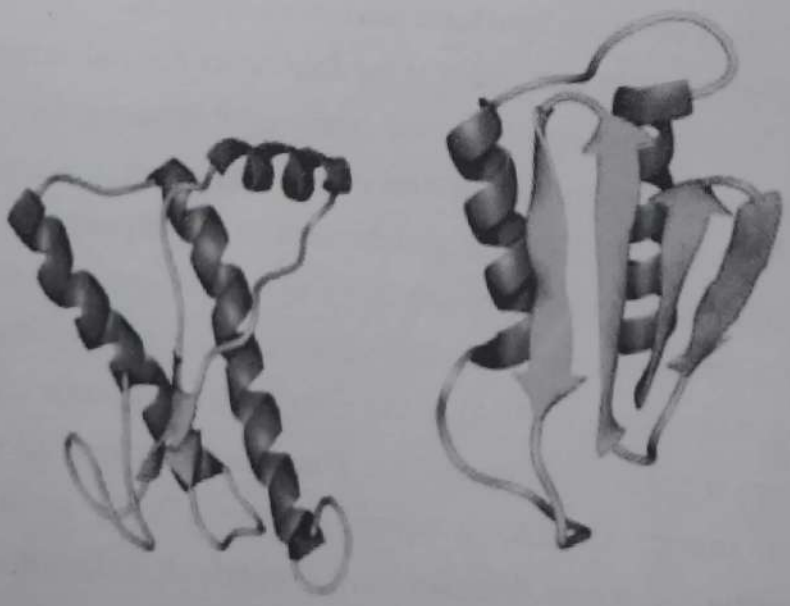

Scanned with OKEN Scanner

माँ

माँ और माँ का प्यार निराला,
उसने ही है मुझे सम्भाला ।
मेरी मम्मी बड़ी प्यारी,
मेरी मम्मी बड़ी निराली ।
क्या मैं उनकी बात बताऊँ,
सोचू ! उन्हे कैसे मैं जान पाऊँ ।
सुबह सवेरे मुझे उठाती,
राधा कहकर मुझे जगाती ।
जल्दी से तैयार मैं होती,
उसके कारण स्कूल जा पाती ।
स्कूल से आते ही खुश होती,
जब मम्मी का चेहरा देखती ।
पौष्टिक भोजन मुझे खिलाती,
गृह कार्य भी पूरा करवाती ।
माँ और माँ का प्यार निराला,
पर मैं करती गड़बड़ घोटाला ।
जब मैं करती कोई गलती,
समझाने की कोशिश करती ।
लुटाती मुझ पर अधिक प्यार,
करती मुझ से अधिक दुलार ।
मुझ पर गुस्सा जब है आता,
दो मिनट में उड भी जाता ।
मेरी मम्मी मेरी जान,
रखती मेरा पूरा ध्यान ।
माँ और माँ का प्यार निराला,
उसने ही है मुझे सम्भाला ।

– रिया
B.Com. 1st year

अन्तिम यात्रा

था मैं नींद में और मुझे
इतना सजाया जा रहा था,
बड़े प्यार से मुझे नहलाया
जा रहा था।

ना जाने था वो कौन सा
अजब खेल मेरे घर में,
बच्चों की तरह मुझे कंधो पर
उठाया जा रहा था।

था पास मेरे हर अपना उस वक्त,
फिर भी मैं हर किसी के
मन से भुलाया जा रहा था।

जो कभी देखते भी न थे
मोहब्बत की निगाहों से,
उनके दिल से भी प्यार मुझ पर लुटाया
जा रहा था।

मालूम नहीं क्यों हैरान था
हर कोई मुझे सोते देखकर,
जोर–जोर से रोकर मुझे जगाया
जा रहा था।

काँप उठी मेरी रूह वो मंजर
देख कर जहाँ मुझे हमेशा के
लिए सुलाया जा रहा था।

मोहब्बत की इन्तेहा थी जिन दिलों
मे मेरे लिए, उन्ही दिलों के हाथों
आज मैं जलाया जा रहा था।

इस दुनिया में कोई किसी का हमदर्द
नहीं होता, लाश को शमशान में
रखकर अपने लोग ही पूछते है, और
कितना वक्त लगेगा।

– राखी शर्मा
B.Sc. (CBZ) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

एक सवाल मेरा भी

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दिया है किसने ये नारा,
किससे बचाना बेटी को कौन दरिंदा कौन बेचारा।
घर वाले कहते है परिवार की इज्जत बेटी के हाथों में होती है,
जब नोंचता है कोई अपना तो जिस्म से ज्यादा रूप रोती है।
कहते है घर के लोग, नहीं करना किसी से हँसकर बात,
अरे खा जाते है एक नन्ही–सी जान को कई दरिंदे मिलकर एक साथ।।
कहाँ गाँवों की गलियों में चूडियों की खनक सुना देती थी,
और आज बन्द कमरों में उनकी चीख सुनाई देती है।
नही बचा पाती वो दानव से खुद को,
चीख–चीख कर मर जाती है।।

– सोना
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कहानी

1857 की जनक्रांन्ति जिसे हम औपनिवेशक शासन के विरूद्ध भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रथम चरण के रूप में भी जानते है, का भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान है। दरअसल भारतीय जनमानस का यह असंतोष अंग्रेजी शासन व्यवस्था की उन नीतियों के खिलाफ था जिसके तहत उसका जीना मुश्किल हो गया था। यही कारण है कि सिपाही विद्रोह के रूप में फूटी एक चिंगारी ने ऐसी अग्नि का रूप धारण कर लिया जिसने अंग्रेजी के छक्के छुड़ा दिये। दरअसल यह एक ऐसी क्रांन्ति थी जिसनें अंग्रेजी शासन व्यवस्था को लगभग उखाड़ कर फेंक ही दिया था। इसका स्वरूप निश्चित तौर पर अखिल भारतीय था और इसमें हिंदू मुस्लिम एकता के तहत अंग्रेजी को दिल्ली से खदेड़ कर बहादुर शाह जफर को दिल्ली का बादशाह तक घोषित कर दिया गया था। यह तो गोरी सरकार की कूटनीति, उनका अमानुषित अत्याचार और तत्कालीन भारतीय राजनीति में एक सशक्त नेतृत्व का अभाव था जिसके कारण इस जनांदोजन को दबा दिया गया, पर इस आंदोलन की आग पूरी तरह से बुझ नहीं पाई थी। अदंर ही अंदर सुलगती इस अग्नि से स्वाधीनता आंदोलन के दूसरे चरण में ऐसा तांडव मचाया जिसने ब्रिटिश सरकार को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

औपनिवेशक गुलामी के विरूद्ध भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इस पहले संघर्ष को हिन्दी कहानीकारों ने बडी संजीदगी के साथ उकेरा है।

– आर्य राणा
B.Com. 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024

प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण

एन०सी०सी० परेड

अतियियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिभागी

उच्च शिक्षा निदेशक का संदेश प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत

पत्रिका 'ज्ञान ज्योति 2023–24' का विमोचन

ओरिएन्टेशन प्रोग्राम 2024–25

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय सेवा योजना

आर०के० पी०जी० कॉलेज, शामली में एन०एस०एस० की तीन इकाईयाँ अनुमोदित हैं। प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० रोहित ... द्वितीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० एस०के० श्रोती तथा तृतीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री श्रीकांत वार्ष्णेय है। इन्होंने एक दिवसीय एवं सात दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो० सत्येन्द्र पाल द्वारा किया गया। जिसमें विभिन्न सामाजिक जागरूकता अभियान जैसे साफ–सफाई, वृक्षारोपण, नशा मुक्ति, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, मतदाता जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा आदि अभियान कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित किये गये।

First National Conference in the History of R. K. (P.G.) College Shamli

"Interdisciplinary Exploration in Science: From Basic to Advanced Research & Innovations"

The successful deliberations of the National Conference on **"Interdisciplinary Exploration in Science: From Basic to Advanced Research & Innovations"** at RK PG College, Shamli, on 13-14 November 2024, marks a significant milestone in our academic journey. This event was not merely a gathering of scholars and researchers; it was a confluence of ideas, perspectives, and aspirations that have the potential to shape future academic and professional landscapes.

The two-day conference was a dynamic forum for knowledge exchange, with enlightening keynote addresses, in-depth panel discussions, and innovative research presentations that underscored the importance of academic rigor and interdisciplinary collaboration. The event saw an overwhelming response, with participants from reputed institutions across the country, contributing their research insights and engaging in thought-provoking debates. The enthusiastic involvement of students and faculty members further enriched the discussions, making the conference a holistic learning experience. Conference Highlights

In this conference, the invited lecture were delivered in both, in-person and virtual. We have scheduled parallel sessions across two Halls (Auditorium + ICT Room), ensuring that a wide range of topics are covered simultaneously.

Here's a brief overview of what we did in the two days:There were 4 Plenary Lectures by distinguished experts. 25 Invited Lectures by renowned faculties and scholars. 20 Oral Presentations by emerging researchers and faculty members. 17 Poster Presentations by Research Scholars and PG students.

We have also arranged prizes and awards for the best oral and poster presentations to encourage young researchers. These awards aim to recognize the dedication and creativity of our participants. Beyond the academic sphere, the conference also served as a networking platform, fostering collaborations that will pave the way for future research endeavors. The exchange of ideas and methodologies among scholars from diverse backgrounds reinforced the importance of continuous learning and adaptation in a rapidly evolving world.

The success of this conference is a testament to the collective effort of our organizing committee, faculty, students, and all the distinguished speakers and participants who contributed to its grand success. It has reaffirmed our commitment to fostering academic excellence and research-driven growth at RK PG College, Shamli.

As we reflect on this achievement, we look forward to building on this momentum and continuing to host such intellectual congregations that inspire and educate. The knowledge gained and the connections made during this conference will undoubtedly have a lasting impact, encouraging further exploration and innovation in our respective fields.

We extend our heartfelt gratitude to everyone who made this event possible and look forward to even greater academic milestones in the future.

Convener (s)
Dr. Shashi Shekhar & Dr. Preetam Singh

Chairperson of the conference
Prof. Saytendra Pal

Participants, Delegates & Faculty members in the National Conference-I

Scanned with OKEN Scanner

Glimpses of National Conference - I

The historical movement for the college

Welcome of Ch. Maharaj Singh by Dr. Sanjeev Kumar & Dr. Preetam Singh

Welcome of Prof. Omkar Singh by Dr. C.B. Patel

Welcome of Prof. Sudhir Kumar by Principal & Dr. M.K. Jally

Welcome of Prof. Naresh Malik by Prof. P.K. Singh

Welcome address by Prof. Satyendra Pal (Principal)

Release of the Souvenir of National Conference-I

Convenors of National Conference-I Dr. Preetam Singh & Dr. S.S. Mishra

Scanned with OKEN Scanner

Glimpses of National Conference - I

Respected Audience in National Conference-I

Poster Presentation Session

Oral PPT Presentation in the Conference-I

Best Oral PPT Presentation Award to Mr. Ram Kumar

Best Poster Presentation Award to Ms. Manu Shyoral

Participants of Cultural Event with Chief Guest, Principal & Faculties

College Cultural Icon Mss. Priyanshi

Scanned with OKEN Scanner

गणतंत्र दिवस 2025

दिनांक 26 जनवरी 2025, भारत के 76वें गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय किसान कॉलेज, शामली परिसर में बहुत धूम–धाम से मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीया सांसद इकरा हसन जी एवं माननीय विधायक, प्रसन्न चौधरी जी उपस्थित थे। माननीया सांसद इकरा हसन जी के द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात प्राचार्य महोदय प्रो. सत्येन्द्र पाल जी द्वारा शिक्षा आयोग से प्राप्त संदेश को सबके सामने प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों के द्वारा महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ गजराज सिंह, डॉ संजीव कुमार, डॉ सी. बी. पटेल, डॉ रोहित राणा, डॉ दीपक तोमर एवं डॉ अजय कुमार सिंह को उनके उत्कृष्ठ शैक्षणिक योगदान के लिए व महाविद्यालय के कार्मिकों श्री अरविन्द कुमार एवं श्री नीरज कुमार को उनके विशेष उपलब्धि पर प्राचार्य पदक से सम्मानित किया गया साथ ही साथ इस अवसर पर शैक्षिक सत्र 2023द्24 में विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न पदकों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा देशभक्ति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें महाविद्यालय के प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष, अन्य सदस्य, महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं शहर के विशिष्ठ गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि माननीया सांसद इकरा चौधरी का स्वागत करते हुए प्राचार्य

मुख्य अतिथि के साथ प्राचार्य प्रो० सत्येन्द्र पाल एवं डॉ० गीता देवी

स्व० श्री विरेन्द्र वर्मा की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि द्वारा मार्ल्यपण

चौ० उदयवीर सिंह की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि द्वारा मार्ल्यपण

राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य

Scanned with OKEN Scanner

गणतंत्र दिवस 2025 : Achievers of the year in teaching, research & innovation

कार्यक्रम में उपस्थिति अतिथिगण

राष्ट्रगान करते हुए शिक्षक एवं अतिथिगण

डॉ० दीपक तोमर को शिक्षण एवं रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

डॉ० संजीव कुमार को शिक्षण एवं रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

डॉ० गजराम सिंह को शिक्षण एवं रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

डॉ० सी०बी० पटेल को शिक्षण एवं रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

डॉ० अजय कुमार सिंह को शिक्षण एवं रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

डॉ० रोहित राणा को शिक्षण एवं रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

Scanned with OKEN Scanner

गणतंत्र दिवस 2025

श्री अरविन्द कुमार को कार्यालय एवं वित्त प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य पदक सम्मान

यूनिवर्सिटी टॉपर प्रेरणा जैन को सम्मानित करते हुए विधायक श्री प्रसन्न चौधरी एवं प्राचार्य

मेधावी छात्रा को सम्मानित करते हुए विधायक श्री प्रसन्न चौधरी एवं प्राचार्य

सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कैडेट को सम्मानित करते हुए विधायक श्री प्रसन्न चौधरी एवं प्राचार्य

सर्वश्रेष्ठ एथिलीट को सम्मानित करते हुए विधायक श्री प्रसन्न चौधरी एवं प्राचार्य

महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के साथ विधायक श्री प्रसन्न चौधरी एवं प्राचार्य

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती छा

Scanned with OKEN Scanner

कॉलिज पत्रिका

कॉलिज पत्रिका के हम पाठक है,
करते है आपसे अनुरोध
अच्छी से अच्छी तुम छापना
बनाना इसे जीवन का प्रबोध।।
हम सबको यह है भाती
यह है सबकी बात सुनाती
बुरी बातों को नही है छुती
प्रेम भाव का पाठ पढाती।।
लेख, कविता और चुटकुले
सब इसमें छप जाते है
तुम भी लिख लो अपने अनुभव
जो सत्य पथ दर्शाते है।।
अभिनन्दन करती हूँ मैं इसका
यह सच्चे मन की भाषा है
शिक्षाप्रद हो हर पृष्ठ इसका
ऐसी सबकी आशा है।।

मेरे कॉलिज को बधाई

राष्ट्रीय किसान (पी०जी०) कॉलिज
तुझको आज बधाई।
तेरे जीवन के प्रकाश से,
धूम शहर में छाई।
तूने हमको ज्योति देकर,
अंधकार को दूर भगाया।
कर्तव्य मार्ग और सच्चाई पर,
हम सबको चलना सिखाया।
तुलसी के अनगिनत पुष्पों में,
तेरी महिमा दे दिखलाई।
राष्ट्रीय किसान (पी.जी.) कॉलिज,
तुझको आज बधाई।

– तनुजा
B.Sc. (PCM) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

भारत में प्रथम महिला

1. भारत के प्रथम महिला राष्ट्रपति	- श्रीमति प्रतिभा पाटिल
2. भारत में प्रथम महिला प्रधानमंत्री	- श्रीमति इंदिरा गाँधी
3. भारत में प्रथम महिला मुख्यमंत्री	- सुचेता कृपलानी (उ० प्र०)
4. भारत में प्रथम महिला राज्यपाल	- सरोजनी नायडू (उ० प्र०)
5. भारत में प्रथम महिला शासिका	- रजिया सुल्तान
6. सुप्रीम कोर्ट की प्रथम महिला मुख्य न्यायधीश	- ए० फातिमा बीबी
7. भारत में प्रथम महिला कॉंग्रेस अध्यक्ष	- डॉ० एनी बिसेन्ट
8. उच्च न्यायालय में प्रथम मुख्य न्यायधीश	- लीला सेठ (हि०प्र०)
9. भारत में प्रथम महिला लोक सभा अध्यक्ष	- मीरा कुमार
10. अशोक चक्र पाने वाली प्रथम महिला	- म्लेरिया बेरी
11. नोबेल पुरस्कार पाने वाली प्रथम महिला	- मदर टेरेसा
12. भारत रत्न से सम्मानित प्रथम महिला	- श्रीमति इन्दिरा गाँधी
13. अर्जुन पुरस्कार पाने वाली प्रथम महिला	- एनी लम्सडेन (हॉकी 1961 ई०)
14. 'मिस यूनिवर्स' बनने वाली प्रथम महिला	- सुष्मिता सेन
15. 'मिस वर्ल्ड' बनने वाली प्रथम महिला	- कुमारी रीता फारिया

:: ध्यान दें ::

अपने विचारों पर ध्यान दें, वे आपके शब्द बन जाते हैं,
अपने शब्दों पर ध्यान दें, वे अपकी क्रियाएँ बन जाती हैं,
अपनी क्रियाओं पर ध्यान दे, वे आपकी आदतें बन जाती हैं,
अपनी आदतों पर ध्यान दे, वे आपका चरित्र बन जाती हैं।

- तनुजा
B.Sc. (PCM) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

आधुनिक छात्र

दो पन्नों की कॉपी लेकर कॉलिज पढने जाते हैं।
रास्ते में मिल गया यार तो पिक्चर का मूड बनाते हैं।
इंटरवल में लगी तलब तो चौराहे पर जाते है।
मुँह में बढ़ियाँ पान दबाकर सिगरेट भी सुलगाते हैं।

क्या करे विवश है इम्तिहान से घबराते हैं।
परमीशन मिल गयी तो नकल में अक्ल भिड़ाते हैं।
पढ़ा लिखा खाक नही पास की आस लगाते हैं।
रिजल्ट आऊट होने पर घर छोड़ भाग जाते हैं।

तभी माँ-बाप दुखी होकर पेपर में छपवाते हैं।
हो जहाँ कही भी तुम आ जाओ हम तुम्हें बुलाते हैं।
पेपर में पढ़ लिया यार खुशी-खुशी घर आते हैं।
माता-पिता की चिन्ता क्या फिर जूते चमकाते हैं।

ठोकर लगकर सुधरे नहीं मंसूबे बहुत भिड़ाते हैं।
ये ठाठ है उनके जो मॉडर्न स्टूडैन्ट कहलाते हैं।
दो पन्नों की कॉपी लेकर कॉलिज पढ़ने जाते हैं।
रास्ते में मिल गया यार तो पिक्चर का मूड बनाते हैं।

- मनिता
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

दुःख झेलने वालों के लिए एक नसीहत

मैंने ईश्वर से शक्ति मांगी थी ताकि मैं कुछ हासिल कर सकूँ
उसने मुझे कमजोर बनाया, ताकि मैं दूसरों की सेवा अदब से करूँ।
मैंनें सेहत माँगी थी, ताकि मैं बड़े काम कर सकूँ
मुझे दुर्बलता मिली, ताकि मैं अच्छे काम कर सकूँ....
मैंनें धन-दौलत माँगी थी ताकि मैं खुश रह सकूँ
मुझे गरीबी मिली, ताकि मैं बुद्धिमान बन सकूँ
मैंने रूतबा माँगा था ताकि लोग मुझे सराहें,
मुझे असहाय बनाया, ताकि मैं ईश्वर की जरूरत महसूस करूँ
मैंनें सब चीजें माँगी थी ताकि मेरा जीवन खुशहाल हो
मुझे सिर्फ जीवन मिला, ताकि मैं हर चीज खुशी से पा सकूँ....
मैंनें जो भी माँगा नहीं मिला, मगर वह सब कुछ मिला जिसकी आशा की थी
मेरे ऐसा करने के बावजूद, मेरी अनकही प्रार्थनाएं सुनी गई,
मुझ पर सब इंसानों से ज्यादा कृपा हुई।

- समीता
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

WOMEN EMPOWERMENT AND VALUE EDUCATION

Women in India continue to face significant challenges due to deeply rooted traditional gender roles and socio-economic structures. Despite their crucial contributions to society, women are often marginalized and their roles undervalued, particularly when it comes to socio-economic development. Empowering women is essential for societal progress, and education is identified as the most effective tool to enable women to take control of their lives and overcome subordination.

In India, the status of women is influenced by gender norms and social stratification, which often place women in subordinate roles. Women's contributions are frequently overlooked or undervalued, especially in socio-economic planning. Education is the key to transforming this dynamic, empowering women by promoting awareness of their rights and encouraging them to follow role models who exemplify equality and empowerment.

Educational institutions need to play a far more effective role in the development of a new cultural ethos that can contribute to the realization of the goals of comprehensive human development. This requires that educational institutions internalize the concerns for the equality of women. With the main aim of value-based education, the ability to make moral judgments based on sound reasoning can be deliberately cultivated. Value education inspires and kindles the quest among students through examples of character and mastery of knowledge. By embodying values within themselves, educators can radiate values to their students. Value-oriented education should not be seen as a series of "dos" and "don'ts" but as a process of self-development. The values should be inculcated from within, and empowerment must come from within, socially, politically, and economically.

Value-based education is seen as a crucial tool for shaping individuals who can contribute to a more equitable society. It helps cultivate moral judgment and an understanding of what is good and just, enabling individuals to make sound decisions based on reasoning. Educational institutions must adopt a more effective role in promoting gender equality and addressing the challenges women face. This goes beyond academic knowledge, fostering an environment where individuals learn to make moral decisions that contribute to a more just society.

Value-oriented education should be about personal growth rather than a set of rules to follow. Values such as discipline, respect, patriotism, and cooperation should be taught from an early age to equip future generations to build a just society. Empowerment comes from within and cannot simply be imposed externally; the education system must cultivate a sense of self-worth and equality, allowing women to stand up for their rights.

Women in India have participated in key political movements and secured constitutional rights, including the right to vote and hold office. However, despite these rights, many women still face numerous challenges to achieving true gender equality. Violence, sexual harassment, and economic exploitation are just some of the barriers that continue to marginalize women. The patriarchal structure in Indian society perpetuates these inequalities, particularly in rural areas and lower socio-economic classes, where deeply ingrained biases continue to affect women's opportunities for education, employment, and public life.

The issue of gender inequality extends beyond legal rights and into the social and cultural fabric of India. While women are symbolically revered as figures like "Mother India" and "Bhumi Devi," they are still viewed as secondary to men in many aspects of life. These gender biases begin before birth and continue throughout a

Scanned with OKEN Scanner

woman's life, influencing their access to opportunities and the way they are treated in society.

Education is intimately connected with life and must be relevant to the experiences and challenges people face. For education to be meaningful, it must evolve with societal changes, promoting equality and social justice. Education should aim for the holistic development of individuals and society, providing opportunities for all, regardless of gender, to develop their potential and contribute to national progress.

The link between gender disparities and economic resources is also highlighted. Women, particularly those from disadvantaged socio-economic backgrounds, often face discrimination in access to food, healthcare, and economic resources. Poverty exacerbates these gender inequalities, as women in poor families are often neglected in favor of male family members. This economic disparity is one of the main causes of women's continued marginalization.

Empowerment is the process of enabling individuals, particularly women, to make decisions that shape their lives. It is not just about access to resources and opportunities but about transforming the power dynamics that shape society. Women must understand their rights and capabilities and have the freedom to act upon them. Empowerment also requires addressing structural inequalities that prevent women from realizing their full potential.

Women's empowerment benefits society as a whole, as they make up half of the population. When women are empowered, they contribute to the economic, social, and cultural development of the nation. Therefore, women's empowerment is not only a matter of achieving gender equality but also an essential part of national development.

Value-based education plays a key role in promoting gender equality. It helps individuals understand moral values, respect, and responsibility, both toward themselves and others. Such education fosters the understanding of gender equality and empowers students to challenge discriminatory practices. It is not only about academic knowledge but also about fostering an environment where respect for others is emphasized.

The National Policy on Education, 1986, marked an important step in promoting the empowerment of women through education. The policy emphasizes the need to integrate gender equality into the education system and remove gender biases. While progress has been made, women still face significant challenges in achieving equality in all spheres of life, including the workplace, at home, and in public spaces.

In conclusion, empowering women is essential because they are the beginning of the society. Education plays a critical role in this process, as it promotes values of equality, respect, and social justice. By addressing gender biases in education and society, India can work toward a future where women have equal opportunities and can fully realize their potential. Women's empowerment is not only a matter of gender equality but also a necessary condition for the overall progress and development of the nation.

- Dr. Rajni Rani
Professor
Department of Ag. Chemistry

Scanned with OKEN Scanner

हाय रे परीक्षा आई

जिसका नाम सुनते ही कांप जाता है हर बच्चा
वो है परीक्षा।
हाय रे परीक्षा आई - 2
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही,
इतना डर लगता है कि घर पर पिटना पक्का।
हाय रे परीक्षा आई - 2
3 घण्टे में करने होते हैं लगभग 40 सवाल
एक भी छूटा तो घर पर होता है बवाल
हाय रे परीक्षा आई - 2
रिजल्ट के दिन पहले रात को नींद नहीं आती।
रखते है भगवान का व्रत, अगर फेल हुए
तो लगता है ''डन्डे से डर''
हाय रे परीक्षा आई - 2
पास होने पर मिलता है शानदार इनाम,
और मुख से निकलता है ''थैंक्यू भगवान''
हाय रे परीक्षा आई - 2
फिर आती है अगली कक्षा, तब भी मुख से,
निकलता है ''हाय रे परीक्षा आई''

- मनिता
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

शिक्षक है भगवान

मन्दिर सा महाविद्यालय मेरा शिक्षक हैं भगवान
कर लो मन से पूजा इनकी यदि प्राप्त करना है ज्ञान।
बड़े–बड़े विद्वान बने, करके इनका ही ध्यान
मन में भरकर आदर इनका, अब दूर करो अज्ञान।
वही नरक का भागी है, जो करे इनका अपमान
बात हमेशा मानो इनकी, करो सदा इनका सम्मान।
डाँट इनकी ऐसी समझो, जैसे कि अमृतपान
शिक्षक की अपने कर सेवा, बन जाओ तुम गुणों की खान।
शिक्षा ले अध्यापक से, बनो एक आदर्श इन्सान
कर सके गर्व देखो जिस पर, अपना भारत देश महान।

'' रेत की जरूरत रेगिस्तान को होती है
सितारों की जरूरत आसमान को होती है
हमारा हमेशा इसी तरह मार्गदर्शन करना
क्योंकि आप जैसे अध्यापकों की जरूरत हर इंसान को होती है।। ''

- कु० साक्षी
B.Com. (1st Sem.)

Scanned with OKEN Scanner

पापा

मेरी हर उम्मीद की, आस है पापा,
परिवार की हिम्मत और घर की नाज है पापा,
कभी मान तो कभी अभिमान है पापा,
जन्म माँ तूने दिया, तो जग में मेरी पहचान है पापा
कभी प्रेम तो कभी खुशियों का संसार है पापा
जिम्मेदारी तले दबा इंसान है पापा
माँ ने जन्म दिया यह सब ने स्वीकारा,
पर पापा के परवरिश को कब किसने ललकारा,
कहते है, सब ऊपर वाला देता है
पर भगवान का दूसरा रूप है पापा।

– साक्षी प्रजापति
B.Sc. (3rd Sem.)

"समय बहुत ही मूल्यवान है"

चला गया जो समय लौटकर कभी नहीं आता
सदा समय को खाने वाला कर मल-मल पछताता।
जिसने इसे न माना उसको इसने भी ठुकराया
लाख यत्न करने पर भी हाथ न उसके आया
हो जाता है एक घड़ी के लिए जन्म भर रोना
समय बहुत ही मूल्यवान है व्यर्थ कभी मत खोना
रहती थी बापू की कटी में हरदम घड़ी लटकती
उन्हे एक क्षण की बरबादी थी अत्याधिक खटकती
बच्चों – तुम भी उसी की भाँति पल-2 से लाभ उठाओ
व्यर्थ न जाए एक क्षण ऐसा नियम बनाओ
गाँठ बांध लो नहीं पड़ेगा कभी तुम्हे दु:खी होना
समय बहुत ही मूल्यवान है व्यर्थ कभी मत खोना
" जिसे धीरज है और मेहनत से नही घबराता, कामयाबी उसकी दासी है।"
"कमान से निकल तीर वापस नहीं आता
हाथ से छूटा अवसर वापस नहीं आता
जो कल करना है वो आज ही कर लो,
क्योंकि गुजरा हुआ वक्त दोबारा नहीं आता।"

– कु० साक्षी
B.Com. (Ist Sem.)

Scanned with OKEN Scanner

कविता – माँ

माँ के लिए मैं क्या लिखूं,
माँ ने मुझे खुद लिखा है ।
माँ से छोटा कोई शब्द हो तो बताओ,
माँ से बड़ा भी कोई हो तो बताओ ।
लोग कहते हैं कि आज माँ का दिन है,
वो कौन-सा दिन है जो माँ के बिना है।
मौत के लिए तो हजारों रास्ते हैं,
पर जन्म देने के लिए केवल माँ ही है...
मंजिल दूर है और सफर बहुत है,
छोटी सी जिन्दगी की फिक्र बहुत है।
मार डालती ये दुनिया कब की हमें,
लेकिन माँ की दुआओं में असर बहुत है।
दवा न असर करे तो नजर उतारती है,
एक माँ ही है जनाब जो कभी हार नही मानती है।
जन्नत का हर लम्हा मैंने दीदार किया था,
गोद में उठाकर जब माँ ने मुझे प्यार किया था।
शायद गिनती नही आती मेरी माँ को यारों,
तभी तो मैं एक रोटी माँगू वो दो लाकर देती है।
माँ को देख मुस्कुरा लिया करो यारों,
क्या पता किस्मत में हज तीर्थ लिखा ही न हो।
माँ के लिए मैं क्या लिखूँ,
माँ ने तो खुद मुझे लिखा है।

"मेरी कलम से माँ शब्द का इतना सा सार है माँ मेरे लिए संसार है।"

- पलक मलिक
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

Road Safety & Traffic Rules

"Alert today alive tomorrow."

परिचय – सड़क यातायात सुरक्षा एक प्रकार का उपाय है, जिससे सड़क दुर्घटना मैं लोगो को चोट लगने और मौत होने आदि घटनाओं को कम करने का प्रयास किया जाता है। आज के लगातार बदलते यातायात परिवेश में सड़क उपयोगकर्ताओं को निरन्तर सतर्कता की आवश्यकता होती है।

"Better late than never."

महत्व – भारत में हर साल लगभग आठ हजार लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते है, जो पूरी दुनिया में होने वाली कुल मृत्यु का बारह प्रतिशत है। अधिकांश मामलो में दुर्घटनाएं या तो लापरवाही के कारण होती है या सड़क उपयोगकर्ता की सड़क सुरक्षा में जागरूकता की कमी के कारण होती है। इसलिए जीवित रहने, दुर्घटना से बचने के लिए अन्य बुनियादी कौशल की तरह सड़क सुरक्षा शिक्षा भी आवश्यक है।

"Fast drive could be last drive."

निष्कर्ष – सड़क नियमों का पालन करने से अत्याधिक गति से बचने से सामान्य जागरूकता में सुधार होता है, जिससे यातायात दुर्घटना के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

Traffic Rules :- भारत में यातायात के प्रमुख नियम निम्नलिखित है –

1. **हैलमेट का प्रयोग** – दो पहिया वाहनों को चलाते समय चलाने वाले और पीछे बैठने वाले दोनो सवारियों को हैलमेट का प्रयोग करना चाहिए।

2. **मोबाईल फोन** – वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग खतरनाक माना जाता है, क्योंकि इससे दुर्घटना की सम्भावना होती हैं।

3. **सीट बेल्ट बाँधना** – चार पहिया वाहन के चालक की सुरक्षा हेतु सीट बेल्ट बाँधने का नियम बनाया गया है।

4. **यातायात संकेत** – शहरों और कस्बो में ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं से बचने के लिए ट्रैफिक सिग्नल बनाए जाते है । ट्रैफिक सिग्नल में तीन रंगो की लाईट लगी होती है।

   (a) Red Light : Stop
   (b) Yellow Light : Wait
   (c) Green Light : Go

5. **गति-सीमा निर्धारण** – सड़क पर सुरक्षित यातायात के लिए वाहनों की गति सीमा निर्धारित की गई है।

– पलक मलिक
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

पिता

मेरा साहस मेरी इज्जत मेरा सम्मान है पिता,
मेरी ताकत मेरी पूँजी मेरी पहचान है पिता।
घर की इक-इक ईंट में शमिल उनका खून-पसीना,
सारे घर की रौनक उनसे सारे घर की शान पिता।
मेरी इज्जत मेरी शोहरत मेरा रुतबा मेरा मान है पिता,
मुझको हिम्मत देने वाले मेरा अभिमान है पिता।
सारे रिश्ते उनके दम से सारे नाते उनसे है,
सारे घर के दिल की धड़कन सारे घर की जान पिता।
शायद रब ने भेजा फल ये अच्छे कर्मो का,
उसकी रहमत उसकी नेअमत उसका वरदान है पिता।

सुनो द्रौपदी शस्त्र उठा लो अब गोविन्द न आएंगे

सुनो द्रोपदी शस्त्र उठा लो अब गोविन्द न आएंगे,
छोडो मेंहदी खडग संभालो, खुद ही अपना चीर बचा लो।
द्यूत बैठे शकुनि, मस्तक सब बिक जांएगे,
सुनो द्रोपदी शस्त्र उठा लो, अब गोविन्द ना आँएगे।
कब तक आस लगाओगी तुम बिके हुए अखबारो से,
कैसी रक्षा माँग रही हो दुशासन दरबारों से।
स्वंय जो लज्जाहीन पड़े है, वे क्या लाज बचायेगे,
सुनो द्रोपदी शस्त्र उठा लो, अब गोविन्द न आएंगे।
कल तक केवल अंधा राजा, अब गूंगा बहरा भी है,
होठ सी दिए है जनता के, कानों पर पहरा भी हैं।
तुम ही कहो ये अश्रु तुम्हारे किसको क्या समझायेंगे,
सुनो द्रोपदी शस्त्र उठा लो. अब गोविन्द ना आँएगे।

- तनु पुण्डीर
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

बचपन

एक बचपन का जमाना था।
जिसमें खुशियों का खजाना था।
चाहत चाँद को पाने की थी।
पर दिल तितली का दीवाना था।
खबर ना थी कुछ सुबह की।
ना शाम का ठिकाना था।
थक हार के आना स्कूल से।
पर खेलने भी जाना था।
परियों का फसाना था।
बारिश में कागज की कश्ती थी।
हर मौसम सुहाना था।
हर खेल में साथी थे।
हर रिश्ता निभाना था।
गम की जुबां ना थी।
ना जख्मों का पैमाना था।
रोने की वजह ना थी।
ना हसँने का बहाना था।
क्यूं हो गये हम इतने बड़े
इससे अच्छा तो वो 'बचपन' का जमाना था।

हमारी मातृभाषा : हिन्दी

अंग्रेजी में नम्बर थोड़े कम आते है, अंग्रेजी बोलने से भी घबराते है,
पर स्टाइल के लिए पूरी जान लगाते है क्योंकि हम हिन्दी बोलने से घबराते है।

एक वक्त था जब हमारे देश में हिन्दी का बोलबाला था,
माँ की आवाज में भी सुबह का उजाला था,
उस माँ को अब हम मॉम बुलाते है, क्योंकि हम हिन्दी बोलने से शर्माते हैं।

देश आगे बढ़ गया पर हिन्दी पीछे रह गई,
इस भाषा से अब हम नजर चुराते है क्योंकि हम हिन्दी बोलने में शर्माते है।

माना अंग्रेजी पूरी दुनिया को चलाती है,
पर हिन्दी भी तो हमारी पहचान दुनिया में कराती है,
क्यों ना अपनी मातृभाषा को फिर से सराखों पर बिठाएं,
आओ हम सब मिलकर हिन्दी को विकसित बनायें।

- तनु पुण्डीर
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

कार्बन उत्पाद एवं उनकी उपयोगिता

इसमें कोई संदेह नहीं कि कार्बन एक बहुमुखी और आश्चर्यजनक पदार्थ है। कार्बन के अनेक अद्भुत स्वरुप जैसे फुलरीन, ग्रेफाइट, ग्रेफीन, कार्बन नैनो ट्यूब तथा डायमंड आदि है। दुनिया में नैनोतकनिकी के क्षेत्र में ग्रेफीन और कार्बन नैनो ट्यूब आने से क्रांति आ गयी है। सूक्ष्म इलेकट्रोनिकी में सिलिकॉन पदार्थ के अपेक्षाकृत कार्बन नैनो ट्यूब और ग्रेफीन को बहुत ही उपयुक्त पदार्थ माना जा रहा है। कार्बन अपने विशिष्ट गुणों जैसे विद्युत चालकता, यांत्रिक गुण, इलेक्ट्रोनिकी संरचना और स्थिरता के कारण बहुत उपयोगों में लाया जाता है। कार्बन की बहुगुणी उपयोगिता का कारण उसके विलक्षण गुण जैसे निम्न घनत्व, जंग अवरोधक क्षमता, उच्च विद्युत प्रवाह, अति उच्च ताप पर भी कार्य करना, लचीलापन, और क्षमता अनुसार गुण बदलना है। कार्बन एक बहुपयोगी पदार्थ है जो शोध तथा विकास में बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शोध तथा नवाचार में कार्बन के आश्चर्यजनक रूप है जैसे ग्रेफीन, ग्रेफीन ऑक्साइड, ग्रेफीन नैनो रिबन, फ्यू लेयर्ड ग्रेफीन ऑक्साइड नैनो ट्यूब, रीड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड, एकल दिवारीय ग्रेफीन, ग्रेफीन क्वांटम डॉट्स, एकल दिवारीय कार्बन नैनोट्यूब, द्वी दिवारीय कार्बन नैनोट्यूब, बहु दिवारीय कार्बन नैनोट्यूब, नैनो डायमंड, कार्बन नैनो शीट, कार्बन नैनो फाइबर, नैनो क्रिस्टलाइन कार्बन थिन फिल्म, पोली क्रिस्टलाइन डायमंड थिन फिल्म, कार्बन क्वांटम डॉट्स, कार्बन–कार्बन सम्मिश्रण, कार्बन ब्लैक, कार्बन फोम, एक्टिवेटिड कार्बन, मैग्नेटिक एक्टिवेटिड कार्बन, डेटसीड एक्टिवेटिड कार्बन, पोरस कार्बन, मेसो पोरस कार्बन ऐरोजेल, मेसोपोरस कार्बन, टेम्पलटेड पोरस कार्बन, मेसो कार्बन माइक्रोबीड्स, कोल्तार पिच, मेसोफेज कार्बन पिच, नेचुरल ग्रेफाइट, ग्रेफाइट फ्लैक्स और अति उच्च तापमान वाले सिरेमिक पदार्थ जैसे – सिलिकॉन कार्बाइड, टाइटेनियम कार्बाइड एवं हाफनियम कार्बाइड आदि। नैनोतकनिकी में कार्बन नैनोट्यूब और ग्रेफीन इस शताब्दी के बहुमुखी पदार्थ माने जा रहे है। इसलिए मै इनके कुछ गुणों को साझा करना चाहूंगा।

कार्बन नैनोट्यूब एक बहुत ही आकर्षक अति सूक्ष्म पदार्थ है और यह नैनो तकनिकी में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह मुख्यतः तीन प्रकार की होती है एकल दिवारीय, द्वी दिवारीय तथा बहु दिवारीय कार्बन नैनोट्यूब। यदि तन्य शक्ति तथा उच्च लोचदार मापांक की दृष्टि से देखते है तो ये बहुत मजबूत होती है। इनकी तन्य शक्ति और लोचदार मापांक क्रमशः लगभग 100 गीगा पास्कल और 1–5 टेरा पास्कल होते है। यह स्टील से अपेक्षाकृत 100 गुणा अधिक मजबूत होती है। इसके अतिरिक्त ये कठोरता, गतिजता, वैद्युत चालकता और उष्मियता आदि गुणों को प्रदर्शित करती है। जैसे ये एक साथ 25 गीगा पास्कल दाब सहन कर सकती है। इनकी कठोरता डायमंड से भी अधिक होती है। अतः ये दुनिया का सबसे कठोरतम पदार्थ है। इन्ही गुणों के कारण ये नैनो तकनिकी, सूक्ष्म वैद्युतकी, औषधि निर्माण, सौर सेल, ऊर्जा संग्रहण, रासायनिकी, यान्त्रिकी तथा प्रकाशिकी में अतुलनीय योगदान कर रही है। वो दिन दूर नहीं जब कार्बन नैनोट्यूब निर्मित ट्रांज़िस्टर्स से सूक्ष्म वैद्युतकी में क्रांति होने वाली है जो वर्तमान में इस्तेमाल की जाने वाली सिलिकॉन पदार्थ से निर्मित इंटीग्रेटेड सर्किट्स (चिप) तकनीक को पूर्णतया प्रतिस्थापित कर देगी।

ग्रेफीन एक एकल परमाणु मोटा द्वीविमीय कार्बन आधारित बहुपयोगी पदार्थ है। ग्रेफीन वास्तव में बहुत ही असाधारण गुणों जैसे अनोखी यान्त्रिक नम्रता, अत्याधिक सतही क्षेत्रफल, रासायनिक निष्क्रियता, श्रेष्ठतम उष्मीय एवं वैद्युत चालकता प्रदर्शित करता है। इसके इन्ही गुणों ने नैनोतकनिकी में शोधविदों का अत्यंत ध्यान आकर्षित किया है। ग्रेफीन एक आशाजनक उम्मीदवार पदार्थ के रूप में प्रकट हुआ है जो की अनेकों संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिकी उपयोगों में लाया जाता

Scanned with OKEN Scanner

है। जैसे बहुलकों के लिए भरनेवाला पदार्थ, प्लास्टिक एवं पारदर्शी चालक इलेक्ट्रोड, नम्र नाव पैनल प्रदर्शनी आदि। ग्रेफीन में यह गुण आने का कारण एक तरह से इसका अतिउच्च यंग लोचदार मापांक लगभग (1000 गीगा पास्कल), अत्याधिक मजबूती लगभग (130 गीगा पास्कल) और कमरे के ताप पर अनोखी आंतरिक आवेश वाहक गतिशीलता आदि है। कार्बन के उपर्युक्त अनोखे गुणों को देखते हुये विभिन्न क्षेत्रो जैसे जल शुद्धिकरण और ऊर्जा संरक्षण, में इसकी उपयोगिताओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार किया जा सकता है।

जल शुद्धिकरण में कार्बनिक पदार्थों का बहुत अधिक उपयोग किया जा रहा है। पीने के पानी का अशुद्ध होना सीधे–सीधे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, इसमें फ्लूराइड की अधिक सांद्रता हड्डियों तथा दांतों के लिए बहुत हानिकारक है। मुख्य रूप से आर्सेनिक, लैड (2) आयन्स, मेथिलीन ब्लू डाई (आर्गेनिक) और अनायनिक डाइज पानी को दूषित करने वाले मुख्य कारक है। इन अशुद्धियों को दूर करने के लिए ज्यादातर कार्बन फोम, पोरस कार्बन ऑक्साइड, पोरस ग्रेफीन ऑक्साइड, टाईटेनिका एक्टिवेटिड कार्बन नैनो कम्पोजिट, टरनेरी मेटल्स ऑक्साइड, इम्प्रेग्नटेड कार्बन ब्लैक तथा पालीऐनेलीन–कार्बन नैनो ट्यूब आदि इस्तेमाल किया जाता है। और कार्बन नैनो पदार्थ जल शुद्धिकरण के लिए बहुत ही बहुमुखी पदार्थ है। ग्रेफीन क्वांटम डॉट्स जल के अंदर से आर्सेनिक पदार्थों को खोज निकलता है।

ऊर्जा संरक्षण में विशेष रूप से कार्बन का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिए उष्मीय भट्टी, परमाणु ऊर्जा, सौर ऊर्जा, ईंधन सेल, सुपर कैपिस्टर (संधारित्र) और लिथियम आयन बैटरी इत्यादि में किया जाता है। ईंधन सेल, सुपर कैपिस्टर और लिथियम आयन बैटरी की क्षमता कार्बन के अनुकूल इलेक्ट्रॉड पर निर्भर करती है। कार्बन पदार्थो का उपयोग हाइड्रोजन सम्भरण में करने से वैकल्पिक एवम स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा किया जाता है। कार्बन नैनोट्यूब तथा ग्रेफीन युक्त आधुनिक कार्बन पदार्थ द्वारा निर्मित फोटोकैथोड सोलर सेल में इस्तेमाल किया जा रहा है। अत्याधुनिक कार्बन आधारित पदार्थ जैसे – कार्बन नैनो ट्यूब और ग्रेफीन, सौर सेल के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इन पदार्थो में अच्छे उत्प्रेरक गुण होते है जो इन्हे सौर सेल में प्रयोग होने वाले फोटो कैथोड में इस्तेमाल करने की पेशकश करते है। कार्बोनियस पदार्थो का उपयोग जोर–शोर से लिथियम आयन बैटरी के इलेक्ट्रॉड विकसित करने में किया जा रहा है। जो इन पदार्थो के बहुमुखी गुणों जैसे अच्छी वैद्युत चालकता, यांत्रिक स्थिरता, अत्यधिक् सतही क्षेत्रफल और छिद्रिलता के फलस्वरूप इलेक्ट्रोड में अधिक शक्ति घनत्व और ऊर्जा घनत्व का संचार करता है। ग्रेफटाईज्ड कार्बन ज़ीरोजेल का इस्तेमाल लिथियम आयन बैटरी में एनोड पदार्थ के रूप में किया जाता है। नैनो संरचनात्मक कार्बन पदार्थ जैसे कार्बन नैनोट्यूब, कार्बन नैनो फाइबर्स और ग्रेफीन, लिथियम आयन बैटरी में इलेक्ट्रोड पदार्थ के रूप में अपने विशिष्ट गुणों जैसे – रासायनिक स्थायित्व, अच्छी चालकता, और अत्याधिक सतही क्षेत्रफल होने के कारण अपनी तरफ ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड को ऊर्जा संभरण के रूप में लिथियम आयन बैटरी में इस्तेमाल किया जाता है। विज्ञानं के अन्य क्षेत्रों में भी कार्बन की महत्पूर्ण उपयोगिता है। उक्त लेख के लेखक भारतीय कार्बन सोसाइटी के स्थायी सदस्य है।

– डॉ० संजीव कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
भौतिकी विभाग

Scanned with OKEN Scanner

माँ को सब पता होता है

माँ को सब पता होता है, हमारें दिल और दिमाग का नक्शा इनके जहन में छिपा होता है। शायद इसलिए हमारी खबर हम से ज्यादा इन्हें होती है। हाँ कभी खिट-पिट भी होती है और डांट भी पडती है। कभी खट्टा-मिठा तो कभी कड़वा भी बोल देती है। फिर गुस्सा हो जाओ तो सामने लाकर खाने की थाली रख देती है। इसकी डांट में भी प्यार छिपा होता है माँ को सब पता होता है। माँ हमारे सच्चे दोस्त एक नजर में पहचान लेती है, इस मतलबी दुनिया को बहुत अच्छे से जानती है। इसलिए तो हद से ज्यादा ख्याल रखती है, बुखार हमें होता है चिंता माँ को होती है। ठंड इन्हे ज्यादा लगती हे स्वेटर हमें दो पहनाती है। माँ अकसर खुद का ख्याल भुल जाती है, पर हमारी ख्वाहिशें इन्हे बिना बताये याद रहती है।

- मेहविश
B.Com. 1st Sem.

संस्कार

इंसान का व्यवहार उसके संस्कारों से निर्धारित होता है। संस्कार किसी किताब में नहीं मिलते ये सीखे जाते है अपने परिवार से और अपने घर के बुजुर्ग लोागों से। संस्कार विहीन व्यक्ति पशु के समान होता है। हमारे संस्कार ही हमें जीवन जीने का तरीका सिखाते है "शुद्धीकरण" अर्थात जो तन और मन को शुद्ध करे वह संस्कार है। किसी ने क्या खूब कहा है कि बोली बता देती है कि परिवार कैसा है।

1. बच्चा को उपहार ना दिया जाए तो वह कुछ ही समय रोयेगा, मगर संस्कार ना दिये जाएँ तो वह जीवन भर रोयेगा।
2. आपकी डिग्री महज एक कागज का टुकड़ा है, आपकी असली शिक्षा आपके व्यवहार से दिखती है।
3. किसी का सरल स्वभाव उसकी कमजोरी नहीं होती, बल्कि उसके माता-पिता के द्वारा दिए हुए संस्कार होते है।
4. अपनी अच्छाई पर इतना भरोसा रखो, जो भी तुम्हे खोएगा यकीनन रोएगा।
5. इत्र से कपड़ों को महकाना कोई बडी बात नहीं है, मजातो तब है जब आपके किरदार से खुशबु आये।
6. बात "संस्कार या आदर की है वर्ना जो सुन सकता है वो सुना भी सकता है।
7. संसार को अपने संस्कार से जीता जा सकता है।
8. संघर्ष पिता से सीखें, संस्कार माँ से सीखें, बाकी सब कुछ दुनिया सिखा देती है।
9. सब कुछ कॉपी हो सकता है लेकिन चरित्र, व्यवहार, संस्कार और ज्ञान नहीं।
10. आप पूरी दुनिया को जीत सकते हैं संस्कार से और जीता हुआ भी हार सकते है अहंकार से।

उपहार न पाने वाला बच्चा, कुछ दिन रोयेगा। संस्कार न पाने वाला बच्चा, जीवन भर रोयेगा।

- दीपा
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

मेरा हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान
इसकी अलग है एक पहचान
सारे जहाँ से ये है महान
मेरा दिल और मेरी जान
मेरा हिन्दुस्तान मेरा हिन्दुस्तान - 2
लाल किला है, ताजमहल है
झील में तेरी खिलता कमल
मेरे रब के दर में चल
मुश्किल तेरी होगी हल
तू है एक सोने की खान
तुझ सा नहीं कोई धनवान
मेरा दिल और मेरी जान
मेरा हिन्दुस्तान, मेरा हिन्दुस्तान
एक तका है अनमोल नीशा
हिन्दू, मुस्लिम तेरी जान
एक तिरंगे पर कुर्बान
फख्र करे है हिन्दूस्तान
देता है सबको तू सम्मान
गीता पढूँ या मैं कुरआन
मेरा दिल और मेरी जान
मेरा हिन्दुस्तान मेरा हिन्दुस्तान
तेरी मिटटी पर सजदा रबको मेरे भी भाया
अपनी लूटा दूँगा मैं जान तुझ पर है मेरा इमान
मेरा हिन्दुस्तान, मेरा हिन्दुस्तान

- गुलिस्ता
B.Sc. (Bio.) 1st Sem.

शिक्षक के लिए शायरी

क्या दूँ गुरू दक्षिणा
मन ही मन में सोचूं
चुका न पाऊँ ऋण मैं तेरा
अगर जीवन भी अपना दे दूँ।
जीने की कला सीखाते शिक्षक
ज्ञान की कीमत बताते शिक्षक
पुस्तकों के होने से कुछ नही होता
अगर मेहनत से नहीं पढाते शिक्षक।
मिट्टी से जिसने सोना बनाया
जिंदगी को सही तरीके से जीना सिखाया
प्रणाम है ऐसे गुरू को जिसने हमें
लक्ष्य को पाने का मार्ग दिखाया।
जो बनाए हमें इंसान
और दे सही गलत की पहचान
देश के उन शिक्षकों को
हम करते शत्-शत् प्रणाम।
गुमनामी के अंधेरे मे था
तुमने मुझे पहचान बना दिया
दुनिया के गम से मुझे
अनजान बना दिया।
उनकी ऐसी कृपा हुई
गुरू ने मुझे एक अच्छा
इंसान बना दिया।

- दीपा
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षक

कभी डाँटते है तो कभी प्यार जताते है,
सही रास्तो पर हमें चलना सीखाते है।
की कभी मारते है तो कभी प्यार जताते है,
सही रास्तों पर हमें चलना सीखाते है।
जिन्होने हमें जमीं से आसमां तक लियाया
कि जिन्होने हमें जमीं से आसमां तक लियाया
हम उन्हें अपना गुरू नहीं हम उन्हें अपना
भगवान मानते है के हम उन्हे अपना गुरू नही भगवान मानते है।
के गुस्सा होने पर मार भी देते हैं,
फिर हमें प्यार से समझा भी देते हैं।
के खून का रिस्ता तो नहीं हमारा
पर हमारे लिए जान भी दे देते हैं।
और एक माँ बाप के अलावा एक शिक्षक
ही होते है जो हमारे लिए सबकुछ करते है,
और हमें अपनी मंजिल तक पहुँचा देते है।

- मयाशा
B.Com.

पर्यावरण बचाओ

वनों की ऐसी कटाई दिखने लगी हैं,
कि प्रकृति भी उस पर चीखने लगी है।
मानव जाति ने ऐसा सर्वनाश किया,
कि अब तो ऑक्सीजन भी बिकने लगी हैं।
पेड़ पौधों का महत्व सबको बताना ही पड़ेगा,
सबको मिलकर एक पौधा तो लगाना ही पड़ेगा।
अगर चाहते हो सम्पूर्ण मानव जाति की भलाई,
तो सबको मिलकर आगे आना ही पड़ेगा।
शुद्ध वायु हवा प्रकृति का उपहार है,
इसके बिना अधूरा ये संसार है।
अगर विकास कर रहे हो वनों को काटकर
तो विकास ही बेकार है।
जहाँ-जहाँ से खत्म हो गई हरियाली,
वहाँ से वापस लौट चुकी है खुशहाली।
अगर ऐसे ही पर्यावरण से खिलवाड़ होता रहा,
तो कुछ दशकों बाद धरती भी हैं मरने वाली।
धरती भी हैं मरने वाली।।

- अंजु कुमारी
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

Second National Conference in the History of R.K. College, Shamli

CURRENT ISSUES AND CHALLENGES IN AGRI AND BIO SCIENCES

CICABS-2025

आर०के० पी०जी० कॉलेज शामली में कृषि एवं जीव विज्ञान में वर्तमान मुद्दे और चुनौतियों पर दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसके कन्वेनर डॉ० रोहित राणा रहे। कांफ्रेस का प्रारम्भ कॉलेज प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष चौ० महाराज सिंह, प्राचार्य प्रो० सत्येन्द्र पाल, प्रो० विजय कुमार ढ़ाका आदि ने दीप प्रज्वलन कर किया। पहले दिन 8 प्रदेशों से 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मिट्टी के स्वास्थ्य के सम्बन्ध चर्चा की गयी। जिसमें श्रीराम कॉलेज, मुजफ्फरनगर के निदेशक डॉ० अशोक कुमार ने छात्र–छात्राओं को मिट्टी से सम्बन्धित जानकारी दी तथा मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ाने के उपाय बताये। इस दौरान प्रो० ओंकार सिंह, प्रो० सुधीर कुमार और प्रो० विजय कुमार ढ़ाका आदि ने कृषि के सम्बन्ध में जानकारी दी। मेरठ के प्रो० गजे सिंह ने छात्र–छात्राओं को जैविक खेती और उसके लाभ बतायें। उन्होंने बताया कि केंचुए की खाद से भूमि के उपजाऊपन एवं जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है तथा जल प्रदूषण में कमी आती है। कचरे का [illegible] उपयोग होने से कचरा निस्तारण की समस्या का समाधान होता है तथा बीमारियों में कमी आती है। इसके अलावा प्रतिभाग करने वाले [illegible] छात्र–छात्राओं ने अपने शोध पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत किये।

द्वितीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारम्भ करते प्रो० सत्येन्द्र पाल (प्राचार्य) डॉ० रोहित राणा (कांफ्रेंस संयोजक) एवं विशिष्ट अतिथि गण

प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण

Participants, Delegates & Faculty members in the National Conference-II

Glimpses of National Conference : CICABS-2025

विशिष्ट अतिथियों द्वारा कांफ्रेंस पुस्तिका का विमोचन

कांफ्रेंस में उपस्थिति श्रोतागण

Oral PPT Presentation in the Conference

उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण के लिए प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए प्राचार्य

Prof. Satyendra Pal (Principal) in the Conference

Best Oral PPT Presentation Award to Dr. C.B. Patel

Vice Chancellor Young Scientists Award to Dr. Rohit Rana

Scanned with OKEN Scanner

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं

दिनांक 22 मार्च 2025 राष्ट्रीय किसान स्नातक महाविद्यालय में वार्षिक कीड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राजकीय महिला महाविद्यालय कांधला की पूर्व प्राचार्या प्रो० प्रमोद कुमारी एवं प्रोफेसर सत्येंद्र पाल प्राचार्य, राष्ट्रीय किसान पीजी कॉलेज शामली की अध्यक्षता में किया गया। 100 मी०, 200 मी०, 400 मी०, 800 मी०, 1500 मी० दौड़, बैडमिंटन, शॉट पुट, लॉन्ग जंप, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो में छात्र एवं छात्राओं के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ० प्रवीण अहमद एवं डॉ० पीके सिंह द्वारा निर्णायक मंडल का गठन किया गया जिसमें आकांक्षा चौधरी, अंजू विश्वकर्मा, नगमा, अपर्णा, पूनम एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक सम्मिलित रहे। 100 मीटर दौड़ में प्रियांशी प्रथम, नेहा द्वितीय एवं छाया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और लड़कों की 100 मीटर दौड़ में दीपक प्रथम, विशाल द्वितीय तथा अंशुल शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर की दौड़ में विशाल प्रथम, मोहम्मद अनस द्वितीय तथा आकाश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं लड़कियों में प्रथम नेहा, छाया द्वितीय एवं प्राची ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 400 मीटर दौड़ में प्रियांशी प्रथम, हिमांशी द्वितीय तथा रिया ने तृतीय स्थान ग्रहण किया तथा लड़कों में विशाल प्रथम, मोहम्मद अनस द्वितीय और आशीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ० प्रवीण अहमद, प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद द्वारा विभिन्न विजेता टीमों को बधाई दी गई। इस अवसर पर बेस्ट एथलीट छात्र 2025 विशाल को सम्मानित किया गया एवं बेस्ट एथलीट छात्र 2025 नेहा को विशिष्ट अतिथि एवं प्राचार्य राष्ट्रीय किसान पीजी कॉलेज द्वारा सम्मानित किया गया।

मशाल प्रज्जवलित कर वार्षिक खेलकूद उत्सव का शुभारम्भ

100 मीटर दौड में भाग लेती छात्राएं

खेल भावना की शपथ लेते छात्र-छात्राएँ

विजेता छात्र एवं छात्राएं

विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य

Scanned with OKEN Scanner

रोजगार मेला 2025

दिनांक 8 अप्रैल 2025 को आर०के० (पी०जी०) कॉलेज, शामली में जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वाधान में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की 19 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया और कुल 462 अभ्यर्थियों का प्लेसमेंट किया।

रोजगार मेले का शुभारम्भ **मुख्य अतिथि विधायक श्री प्रसन्न चौधरी** एवं सीडीओ श्री विनय कुमार तिवारी द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो० सत्येन्द्र पाल, जिला सेवायोजन अधिकारी श्री अजय कुमार एवं डॉ० मांगेराम (कॉलेज प्लेसमेंट इंचार्ज) ने रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाली विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों का संक्षिप्त परिचय कराया।

कार्यक्रम में उपस्थिति मुख्य अतिथि विधायक श्री प्रसन्न चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी
जिला सेवायोजन अधिकारी श्री अजय कुमार, प्राचार्य प्रो० सत्येन्द्र पाल एवं डॉ० मांगेराम (कॉलेज प्लेसमेंट इंचार्ज)

Chief Guest & Principal with
Star Manpower Solution Company

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि
श्री प्रसन्न चौधरी जी

रोजगार मेला 2025 में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

Scanned with OKEN Scanner

Annual Cultural Fest 'SPANDAN-2025'

दिनांक 8–9 अप्रैल 2025 को आर.के.पी.जी. कॉलेज शामली में कल्चरल फेस्ट (स्पंदन) का शुभारंभ पूर्व प्राचार्या राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांधला डॉक्टर प्रमोद कुमारी, महाविद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष चौधरी महाराज सिंह एवं सदस्य चौधरी यशपाल सिंह एवं प्राचार्य डॉ सत्येंद्र पाल द्वारा द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा पर दीप प्रज्वल एवं माल्यार्पण किया गया।

कल्चरल फेस्ट में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया इसके विजेता इस प्रकार हैं : प्रतियोगिता – रंगोली में प्रथम स्थान सरस्वती ग्रुप, द्वितीय स्थान पर मदर टेरेसा तथा तृतीय स्थान पर लक्ष्मी ग्रुप रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी गोयल, द्वितीय स्थान पर तनीषा तथा तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से सानिया और मोनू रहे। सोलो गायन में प्रथम स्थान प्रियांक्षी, द्वितीय स्थान पर मनीषा तथा तृतीय स्थान पर अनुष्का रहे। सोलो डांस में प्रथम स्थान पर तनुवंत, द्वितीय स्थान पर प्रियांशी तथा तृतीय स्थान पर तृषा रही। ग्रुप डांस में प्रथम स्थान पर खुशी निशा ग्रुप, द्वितीय स्थान पर प्रियांशी तनुवंत ग्रुप तथा तृतीय स्थान पर वंशिका प्राची ग्रुप रहा। सभी प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन वंशिका और कशिश शर्मा ने किया। कल्चरल फेस्ट का आयोजन महाविद्यालय की कल्चरल कमेटी के द्वारा किया गया। जिसमें कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर श्रीकांत वार्ष्णेय, डॉ० सौरव कुमार पांडे, डॉ० अजय कुमार, डॉ० गायत्री त्रिपाठी और डॉ० चारू गोयल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के ज्यूरी मेंबर में डॉ रजनी रानी, प्रो० आरपी सिंह, डॉ० संजीव कुमार, डॉ० गीता देवी, डॉ० सीबी पटेल आदि रहे।

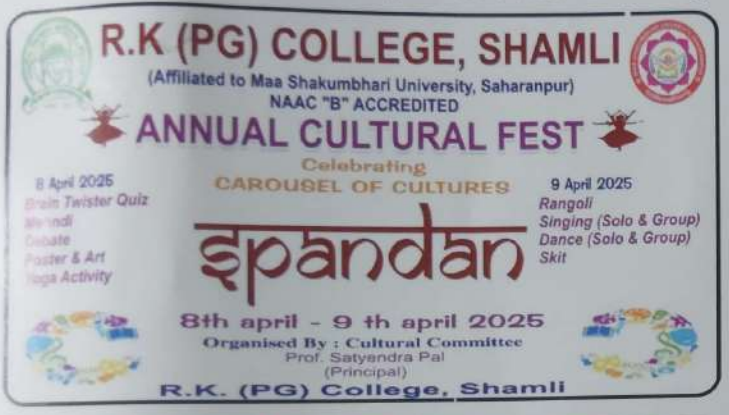

स्पंदन 2025 का शुभारम्भ करते मुख्य अतिथि विधायक श्री प्रसन्न चौधरी

मंच पर उपस्थिति मुख्य अतिथि, प्राचार्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति के सदस्य

पोस्टर प्रतियोगिता

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि

Scanned with OKEN Scanner

Glimpses of Annual Cultural Fest 'SPANDAN-2025'

कार्यक्रम में योग का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागी

मेहन्दी प्रतियोगिता

नृत्य प्रतियोगिता

रंगोली का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुति देती छात्राएं

कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्कृतिक समिति के सदस्यों को सम्मानित करते हुए

सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

फ्रेशर पार्टी – वनस्पति विज्ञान विभाग (एम.एससी.)

फेयरवेल पार्टी – मैथ ग्रुप

फेयरवेल पार्टी – बी.एससी. बायो ग्रुप

रोवर्स–रेंजर शिविर

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय द्वारा प्रतिभागित एवं आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

Gold Medal Winning Chess Team in
University Intercollegiate Tournament on 09-11-2024

Silver Medal Winning Badminton Team in
University Intercollegiate Tournament on 22-10-2024

Bronze Medal Winning Kabaddi Team in
University Intercollegiate Tournament on 07-10-2024

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (31-10-2024)

गांधी एवं शास्त्री जयंती (2nd October)

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती (14 April, 2025)

Scanned with OKEN Scanner

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती !

लहरों से डर कर नौका पार नही होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नही होती।
नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है॥

मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढकर गिरना गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती॥

डुबकियाँ समुद्र में गोताखोर लगाता है,
जा जाकर गहरे पानी में खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों कभी हार नहीं होती॥

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती॥

– अंजु कुमारी
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

साहसी मेंढ़क

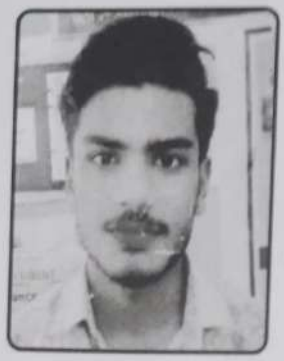

एक मेंढक पेड़ की चोटी पर चढ़ने का प्रयास करता है और आगे बढता है। बाकी के सारे मेंढक शोर मचाते है, ये असम्भव है। आज तक कोई नहीं चढा, ये असम्भव है नहीं चढ़ पाओगे। मगर मेंढक आखिर पेड़ की चोटी पर चढ़ ही जाता है। जानते हैं क्यों, क्योंकि वों मेंढक बहरा होता है और सारे मेंढकों को चिलाते देख सोचता है कि सारे उसका उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसलिए अगर आपको अपने लक्ष्य पर पहुँचना है तो **नकारात्मक लोगो से प्रति बहरे हो जाइए।**

- अरूण चौहान
B.Sc. (CBZ), Ist Sem.

फौजी

मत पूछो की वो फौजी,
क्या क्या छोड़ आए है.....
एक माँ की खातिर,
एक माँ छोड़ आए है।
सो सको तुम अपने घरों में सुकून से,
बस इसलिए वो अपना घर छोड़ आए हैं।
वो भाई का साथ, पिता का प्यार छोड़ आए हैं,
वो होली, दीपावली, रक्षाबंधन का त्यौहार छोड़ आए हैं।
मत पूछो की वो फौजी
क्या क्या छोड़ आए हैं....
किसी की आंखो में इंतजार छोड़ आए हैं,
दिल तो ले गए साथ मगर धड़कन छोड़ आए हैं।
वतन से मौहब्बत है इसलिए,
मौहब्बत छोड़ आए हैं।
मत पूछो की वो फौजी
क्या-क्या छोड़ आए हैं....

- प्रज्ञा मलिक
B.Sc. (Bio), Ist Sem.

Scanned with OKEN Scanner

महाकुम्भ

आस्था, विश्वास, सौहार्द एवं संस्कृतियों के मिलन का पर्व है "कुम्भ"। ज्ञान, चेतना और उसका परस्पर मंथन कुम्भ मेले का वो आयाम है जो आदि काल से ही हिन्दू धर्मावलम्बियों की जागृत चेतना को बिना किसी आमन्त्रण के खींच कर ले आता है। कुम्भ पर्व किसी इतिहास निर्माण के दृष्टिकोण से नहीं शुरू हुआ था अपितु इसका इतिहास समय के प्रवाह से साथ स्वयं ही बनता चला गया। वैसे भी धार्मिक परम्पराएं हमेशा आस्था एवं विश्वास के आधार पर टिकती हैं न कि इतिहास पर। यह कहा जा सकता है कि कुम्भ जैसा विशालतम् मेला संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए ही आयोजित होता है।

कुम्भ का शाब्दिक अर्थ कलश है। यहाँ 'कलश' का सम्बन्ध अमृत कलश से है। बात उस समय की है जब देवासुर संग्राम के बाद दोनों पक्ष समुद्र मंथन को राजी हुए थे। मथना था समुद्र तो मथनी और नेति भी उसी हिसाब की चाहिए थी। ऐसे में मंदराचल पर्वत मथनी बना और नागवासुकि उसकी नेति। मंथन से चौदह रत्नों की प्राप्ति हुई जिन्हें परस्पर बाँट लिया गया परन्तु जब धन्वन्तरि ने अमृत कलश देवताओं को दे दिया तो फिर युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई। तब भगवान् विष्णु ने स्वयं मोहिनी रूप धारण कर सबको अमृत–पान कराने की बात कही और अमृत कलश का दायित्व इंद्र–पुत्र जयंत को सौपा। अमृत–कलश को प्राप्त कर जब जयंत दानवों से अमृत की रक्षा हेतु भाग रहे थे तभी इसी क्रम में अमृत की बूंदे पृथ्वी पर चार स्थानों पर गिरी– हरिद्वार, नासिक, उज्जैन और प्रयागराज। चूँकि विष्णु की आज्ञा से सूर्य, चन्द्र, शनि एवं बृहस्पति भी अमृत कलश की रक्षा कर रहे थे और विभिन्न राशियों (सिंह, कुम्भ एवं मेष) में विचरण के कारण ये सभी कुम्भ पर्व के द्योतक बन गये। इस प्रकार ग्रहों एवं राशियों की सहभागिता के कारण कुम्भ पर्व ज्योतिष का पर्व भी बन गया। जयंत को अमृत कलश को स्वर्ग ले जाने में 12 दिन का समय लगा था और माना जाता है कि देवताओं का एक दिन पृथ्वी के एक वर्ष के बराबर होता है। यही कारण है कि कालान्तर में वर्णित स्थानों पर ही ग्रह–राशियों के विशेष संयोग पर 12 वर्षों में कुम्भ मेले का आयोजन होने लगा।

ज्योतिष गणना के क्रम में कुम्भ का आयोजन चार प्रकार से माना गया है :

बृहस्पति के कुम्भ राशि में तथा सूर्य के मेष राशि में प्रविष्ट होने पर हरिद्वार में गंगा–तट पर कुम्भ पर्व का आयोजन होता है।

बृहस्पति के मेष राशि चक्र में प्रविष्ट होने तथा सूर्य और चन्द्र के मकर राशि में आने पर अमावस्या के दिन प्रयागराज में त्रिवेणी संगम तट पर कुम्भ पर्व का आयोजन होता है।

आयोजन होता है।

पर्व का आयोजन होता है।

धार्मिकता एवं ग्रह–दशा के साथ–साथ कुम्भ पर्व को तत्त्वमीमांसा की कसौटी पर भी कसा जा सकता है, जिससे कुम्भ की उपयोगिता सिद्ध होती है। कुम्भ पर्व का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि यह पर्व प्रकृति एवं जीव तत्त्व में सामंजस्य स्थापित कर उनमें जीवनदायी शक्तियों को समाविष्ट करता है। प्रकृति ही जीवन एवं मृत्यु का आधार है, ऐसे में प्रकृति से सामंजस्य अति–आवश्यक हो जाता है। कहा भी गया है ष्यद् पिण्डे तद् ब्रह्माण्डेष् अर्थात् जो शरीर में है, वही ब्रह्माण्ड में है, इस लिए ब्रह्माण्ड की शक्तियों के साथ पिण्ड (शरीर) कैसे सामंजस्य स्थापित करे, उसे जीवनदायी शक्तियाँ कैसे मिले इसी रहस्य का पर्व है कुम्भ। विभिन्न मतों–अभिमतों–मतान्तरों के व्यावहारिक मंथन का पर्व है–श्कुम्भश, और इस मंथन से निकलने वाला ज्ञान–अमृत ही कुम्भ–पर्व का प्रसाद है।

महाकुम्भ का अर्थ :

महाकुम्भ मेला, एक पवित्र समागम है जो हर बारह वर्षों में होता है, यह लाखों लोगों का एक जनसमूह ही नहीं है बल्कि यह एक आध्यात्मिक यात्रा है, जो मानव अस्तित्व के मूल में उतरती है। प्राचीन हिंदू पौराणिक कथाओं में उल्लिखित, महाकुम्भ मेला एक गहन आंतरिक अर्थ रखता है, जो आत्मबोध, शुद्धीकरण और आध्यात्मिक प्रबोधन की शाश्वत खोज की प्रतीकात्मक यात्रा के रूप में अभिव्यक्त होता है।

कुम्भ का प्रतीकात्मक अर्थ :

महाकुम्भ मेले के केंद्र में एक प्रतीक है जो ब्रह्मांडीय महत्त्व से भरा हुआ हैकृष्कुम्भष् या पवित्र कलश। यह कलश, प्रतीकात्मकता से भरा हुआ, अपनी भौतिक रूपरेखा से परे जाकर मानव शरीर और आध्यात्मिक जागरण की खोज को मूर्त रूप देता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, कुम्भ उस दिव्य पात्र का प्रतीक है जो समुद्र मंथन के दौरान निकला था, जिसमें ष्अमृतष् नामक दिव्य पेय था। रूपक रूप में, महाकुम्भ मानव रूप का प्रतिनिधित्व करता है, और भीतर का अमृत प्रत्येक व्यक्ति की आध्यात्मिक सार का प्रतीक है। महाकुम्भ मेले की यात्रा, इसलिए, एक भौतिक यात्रा से अधिक है; यह आत्म–खोज की प्रतीकात्मक अन्वेषण है, प्रत्येक जीव में निहित चैतन्यता की मान्यता है।

Scanned with OKEN Scanner

पवित्र डुबकी : शुद्धीकरण और नवीनीकरण का एक अनुष्ठान

कुम्भ मेला अनुभव के केंद्र में पवित्र नदियों, विशेष रूप से गंगा, यमुना और सरस्वती में एक पवित्र डुबकी लेने का अनुष्ठानिक कार्य है। यह कार्य एक परम्परा से अधिक है, यह एक आध्यात्मिक शुद्धीकरण है, शरीर और आत्मा का प्रतीकात्मक निर्मलीकरण है। तीर्थयात्री मानते हैं कि इन पवित्र जल में स्नान से न केवल शारीरिक अशुद्धियाँ दूर होती हैं बल्कि मन को भी शुद्ध करता है और ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संबंध को नवीनीकृत करता है।पवित्र डुबकी जल की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण हैकृशुद्धता और जीवन का सार्वभौमिक प्रतीक। इस डुबकी में, तीर्थयात्री न केवल शारीरिक सफाई की तलाश करते हैं बल्कि आत्मा के गहन नवीनीकरण के साथ अपने भीतर दिव्य प्रकाश को फिर से प्रज्वलित करने की तलाश करते हैं। बहती नदियाँ, सदियों की परम्परा और आध्यात्मिक महत्त्व का भार लेकर, साधकों को उनकी आध्यात्मिक सार से फिर से जुड़ने के लिए एक माध्यम बन जाती हैं।

विविधता में एकता : आत्माओं का संगम

कुम्भ मेला एक अद्वितीय महापर्व है, जहाँ विभिन्न संस्कृतियाँ, भाषाओं और परम्पराओं के धागे सहजता से आपस में मिलते हैं। यह विविधता में एकता के सिद्धांत का प्रमाण है। तीर्थयात्री, अपनी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, आध्यात्मिकता के इस उत्सव में एक साथ आते हैं, जो समाज की सीमाओं से परे भाईचारे की भावना को बढ़ावा देती हैं।इस विविधतापूर्ण संसार में, कुम्भ मेला इस विचार का जीवंत प्रतीक है कि हमारी सांस्कृतिक भिन्नताओं से युक्त एवं आध्यात्मिकता की खोज में लगे हुए मनुष्य को एक सूत्र में पिरोता है। यह आत्माओं का संगम एवं एक ऐसा जमावड़ा है, जहाँ लाखों श्रद्धालुओं की सामूहिक ऊर्जा सार्वभौमिक सत्य और प्रबोधन की खोज में संलग्न होती है।

सांस्कृतिक महोत्सव : अनुष्ठानों और प्रथाओं से आगे

कुम्भ मेला केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक महोत्सव भी है। जैसे ही तीर्थयात्री अनुष्ठानों और प्रार्थनाओं में लीन होते हैं, वातावरण पारम्परिक संगीत की धुनों, सांस्कृतिक प्रदर्शनों के जीवंत रंगों और पवित्र नृत्यों की ताल से परिपूर्ण हो जाता है। यह कार्यक्रम एक जीवित कैनवास बन जाता है, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध गाथा को प्रदर्शित करता है।पारम्परिक संगीत, जो अक्सर भक्तिपूर्ण गीतों से भरा होता है, आध्यात्मिक अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाता है। देश के विभिन्न कोनों से आए शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं और महाकुम्भ मेला एक माध्यम बन जाता है, जहाँ सांस्कृतिक आदान–प्रदान फलता–फूलता है। यह तीर्थयात्रियों के लिए केवल धार्मिक प्रथाओं में संलग्न होने का अवसर नहीं है, बल्कि उस जीवंत संस्कृति को देखने और उसमें भाग लेने का भी मौका है, जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है।

वैश्विक तीर्थयात्रा : सीमाओं के पार आध्यात्मिक समरसता

वैश्वीकरण के युग में, महाकुम्भ मेला एक वैश्विक तीर्थयात्रा में विकसित हो गया है। दुनिया भर के तीर्थयात्री और आध्यात्मिक साधक भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार कर पवित्र स्थलों की यात्रा करते हैं। महाकुम्भ एक ऐसा केंद्र बन जाता है जहाँ विविध दृष्टिकोण एकत्र होकर विचारों के आदान–प्रदान और वैश्विक आध्यात्मिक समरसता को बढ़ावा देने वाला वातावरण बनाते महाकुम्भ मेले में वैश्विक भागीदारी इसके सार्वभौमिक आकर्षण को रेखांकित करती है। यह इस मान्यता का प्रतीक है कि पृथक मार्गों के अनुयायी होने के बावजूद लोगों में एक सामूहिक अभिलाषा होती है, जो प्रत्येक व्यक्ति की आध्यात्मिक यात्रा को अग्रसर करती है। इस अवसर पर विभिन्न राष्ट्रों के आगंतुकों का संगम इसे आध्यात्मिकता के वैश्विक उत्सव में बदल देता है।

आंतरिक यात्रा : आत्मा की तीर्थयात्रा

जैसे ही हम महाकुम्भ के गहन आंतरिक अर्थ में उतरते हैं, यह स्पष्ट हो जाता है कि यह समागम केवल एक जमावड़ा नहीं हैकृयह एक आंतरिक यात्रा है। यह आत्मा की एक खोज है, आत्मा का शुद्धीकरण है और हमारी साझा मानवता का उत्सव है। कुम्भ मेला रस्मों और समारोहों से परे एक आंतरिक तीर्थयात्रा है, जहाँ व्यक्ति विशाल समागम के बीच ईश्वर के साथ व्यक्तिगत संबंध की तलाश करते हैं।करोड़ो लोगों के इस सम्मलेन में हम केवल भौतिक शरीरों का एक समूह नहीं बल्कि आत्माओं का एक समन्वय खोज सकते हैं, जो सत्य और ज्ञान की शाश्वत खोज के साथ गुंजायमान रहता हो। महाकुम्भ मेला समय और स्थान की सीमाओं से परे जाने वाली पवित्र यात्रा की कालातीत खोज का प्रतीक है। महाकुम्भ–2025 के आध्यात्मिक समारोह में आपका स्वागत हैकृयह आत्मा की एक तीर्थयात्रा है जो उन सभी को आह्वान करती है, जो भीतर आत्मतत्त्व की खोज करते हैं।

महाकुंभ 2025 प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है, जो 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा । यह आयोजन हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसमें दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

महाकुंभ 2025 की कुछ महत्वपूर्ण तिथियाँ इस प्रकार हैं :– पौष पूर्णिमा का स्नान : 13 जनवरी 2025– मकर संक्रांति का स्नानः 14 जनवरी 2025– मौनी अमावस्या का स्नानः 29 जनवरी 2025– बसंत पंचमी का स्नानः 3 फरवरी 2025– माघी पूर्णिमा का स्नानः 12 फरवरी 2025– महाशिवरात्रि का स्नानः 26 फरवरी 2025 महाकुंभ मेले के दौरान, श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। इसके अलावा, वे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और आयोजनों में भाग लेते हैं, जिनमें पूजा–अर्चना, यज्ञ, और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं ।

(Source : https://kumbh-gov-in/)

— डॉ० सौरभ कुमार पाण्डेय
असि० प्रोफेसर
सांख्यिकी विभाग

Scanned with OKEN Scanner

लड़के कभी रोते नहीं

यह एक ऐसी कहावत है जो अक्सर हम कहते और सुनते है, लेकिन यह बात एक दम सच है ? क्या लड़के कभी रोते नहीं या समाज ने यह बात पुरूषों के दिमाग में डाल दी है कि रोना या भावुक होना कमजोर होने की निशानी है। जो एक तरह से देखी जाए तो गलत है। आइए इस विषय पर गहराई से विचार करते हैं।

यह माना जाता है कि लड़कों को मजबूत और साहसी होना चाहिए जो कि सही बात है पर साथ ही उन से यह उम्मीद की जाती है कि वे अपनी भावनाओं का दबाकर रखें और खुद को कभी रोने ना दें। लेकिन क्या यह सही है ? क्या लड़कों को रोने की अनुमति नहीं होनी चाहिए ? क्या उन्हे अपने दुख और दर्द को व्यक्त करने का अधिकार नहीं होना चाहिए ?

रोना एक स्वाभाविक मानवीय भावना है और यह किसी भी उम्र या लिंग का हक है। हर कोई अपनी भावनाओं को किसी भी रूप में प्रकट कर सकता है, परंतु समाज के दबाव में लड़कों को अक्सर अपना दुख और आंसु छिपाने पड़ते है। हम सब ने यह तो सुना ही होगा औरतें पुरूषों के मुकाबले ज्यादा जीती है। वह इस कारण कि महिलाएं अपनी भावानाएं किसी के भी सामने प्रकट कर देती पर पुरूष नहीं कर पाता। इसी कारण पुरूष अपनी भावनाओं को अपने अंदर दबा लेते है और अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं जिस कारण वे अंदर से बीमार होने लगते है। इसलिए पुरूष महिलाओं से कम जीते हैं।

आइए हम इस गलत धारणा को तोड़ दें कि लड़के कभी रोते नहीं। लड़के भी रोते है और यह बिल्कुल सामान्य है। आइए हम उन्हे अपने भावानाओं को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें और यकीन दिलाए कि रोना या भावुक होना कमजोरी का नहीं बल्कि साहस और ताकवर होने का प्रतीक है।

- कोमल
B.Com. 1st Sem.

बेटी क्या सन्तान नहीं ?

बेटे का सम्मान है जग में बेटी का कोई मान नहीं,
दुनिया वालों मुझको बता दो बेटी क्या संतान नहीं।

बेटा क्या यहाँ लेकर आया बेटी क्या नहीं लाइ है,
बिन बेटी के दुनिया वालों सुनी पड़ी कलाई हैं।
रक्षा बंधन भईया दूज का बिल्कुल तुमको ध्यान नहीं,
दुनिया वालों मुझको बता दो बेटी क्या संतान नहीं।

बेटा तारे एक कुल को बेटी तीन की तारती है,
माता-पिता नाना नानी के सपनों को ये सवारती है।
बिन बेटी के दुनिया वालों होती कन्यादान नहीं,
दुनिया वालों मुझको बता दो बेटी क्या संतान नहीं।

बेटा साथ छोड़ भी देगा बेटी साथ ना छोड़ेगी,
छोडेगी वो जिस दिन नाता दो रिश्तों को तोड़ेगी।
बेटी का दुकराने वाला वो इंसान इंसान नहीं,
दुनिया वालों मुझकों बता दो बेटी क्या इंसान नहीं ?

- प्रिन्सी वर्मा
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

जिंदगी

आहिस्ता चल ए-जिंदगी,
अभी कई कर्ज चुकाना बाकी है।
कुछ दर्द मिटाना बाकी है,
कुछ फर्ज निभाना बाकी है।

रफ्तार में तेरे चलने से कुछ रूठ गये,
कुछ छूट गये।
रूठों को मनाना बाकी है,
रोतों को हंसाना बाकी है।

कुछ हसरतें अभी अधूरी हैं,
कुछ काम भी और जरूरी है।
ख्वाइशें जो घुट गई इस दिल में
उनको दफनाना बाकी है।

कुछ रिश्ते बनकर टूट गये,
कुछ जुड़ते-जुड़ते छूट गये।
उन टूटे-छूटे रिश्तों के जख्मों को
मिटाना बाकी है।

तू आगे चल मैं आता हूँ,
क्या छोड़ तुझे जी पाऊगां ????

इन साँसों पर हक है जिनका,
उनको समझाना बाकी है।
आहिस्ता चल ए-जिंदगी,
अभी कई कर्ज चुकाना बाकी है।

- बोबी कुमार
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

पापा

पिता रोटी है कपड़ा है मकान है,
पिता नन्हे से परिंदे का बड़ा आसमान है,
पिता है तो घर में हर पल राग है,
पिता से माँ की चूड़ी, बिन्दी और सुहाग है।

पापा मेरी शान है,
पापा मेरी जान है,
उन पर मेरा सब
कुछ कुर्बान है।

मुझे छाँव में रखा और
खुद जलते रहे धूप में,
मैंने देखा है एक फरिश्ता,
मेरे पापा के रूप में।

जेब खाली हो फिर भी,
मना करते नहीं देखा,
मैंने मेरे पापा से अमीर
इंसान कभी नहीं देखा।

माँ अगर नाविक है तो,
पिता उनकी कश्ती है,
सब कुछ सहकर भी चुप रहे,
पिता वो हस्ती है।

पिता से ही बच्चों के,
ढेर सारे सपने है,
पिता है तो बाजार के,
सारे खिलौने अपने है।

हजारों गम हो फिर भी,
मैं खुशी से फूल जाती हूँ।
जब हंसते है मेरे पापा,
मैं हर गम भूल जाती हूँ।

पिता सुरक्षा है, सिर पर हाथ है,
पिता नहीं तो जीवन अनाथ है,
पिता का अपमान नहीं उन पर अभिमान करो,
उनका सदैव जीवन में सम्मान करो।

जीवन में समय चाहे जैसा भी हो,
परिवार के साथ रहो,
सुख हो तो बढ़ जाता है,
और दुख हो तो बँट जाता है।

क्योकि पापा की कमी कोई नही बाँट सकता,
ईश्वर भी उनके आशीर्वाद को नहीं काट सकता,
विश्व में किसी देवता का स्थान दूजा है,
माता-पिता ही सबसे बड़ी पूजा है।

- आयुषी
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

रख भरोसा खुद पर ...

- जब समय किसी का इंतजार नहीं करता, तो आप सही समय का इंतजार क्यों करते हो, जो समय अभी चल रहा है वही सबसे बेहतर है।
- जीत और हार आपकी सोच पर निर्भर करते है, यदि मान लोगे तो हर होगी और ठान लोगे तो जीत।
- बारिश की बूँदे भले ही छोटी होती है, लेकिन उनका लगातार बरसना बड़ी नदियों के बहाव का कारण बन जाता है, ठीक उसी तरह हमारे द्वारा निंरतर किए गए छोटे–छोटे प्रयास जिंदगी में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।
- घायल तो यहाँ हर पंरिदा है, मगर जो फिर से उड़ सका वही जिदां है।
- सीढियों की जरूरत उन्हे है जिन्हे छत तक जाना है, मेरी मंजिल तो आसमान है मुझे रास्ता खुद बनाना है।
- यूँ बैठ कर जमीन पर क्यों आसमान देखता है, अरे पंखों को खोल जमाना उड़ान देखता है।
- जो हो गया उसे सोचा नहीं करते, जो मिल गया उसे खोया नहीं करते, हासिल उन्हें होती है सफलता, जो वक्त और हालात पर रोया नहीं करते।
- नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल देते है और कामयाब लोग अपने फैसलों से दुनिया बदल देते है।
- भरोसा खुद पर रखो, तो ताकत बन जाती है, और दूसरों पर रखो तो कमजोरी बन जाती है।

पिता

"जेब खाली हो फिर भी मना करते नहीं देखा,
मैंने पिता से अमीर इंसान नहीं देखा।"

अपनी आंखों से कभी पर्दे हटाकर देखना,
पिता क्या है उनकी जगह आकर देखना।

किया कुर्बान अपने शौकों को तेरे खातिर,
अपनी जिम्मेदारी तुम भी निभाकर देखना।

की है पूरी जिदें तेरी छोटी हो या बड़ी,
तुम भी कोशिश करना कुछ लाकर देखना।

किया गोदी में बैठ कर तूने सैर सपाटा,
उनको भी एक बार कहीं घुमाके देखना।

जाते हो दूर-दूर लेने आशीर्वाद ईश्वर का,
कभी चरण अपने पिता के छूकर देखना।

– राखी शर्मा
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

Artificial Intelligence in Plants

Artificial intelligence (AI) has emerged as a transformative force across various domains, and its integration into the field of plant sciences is poised to revolutionize the way we understand, cultivate, and sustainably manage plant life. The utilization of AI in plant sciences including plant identification, disease diagnosis, yield prediction, phenotyping, and precision agriculture. Machine learning algorithms, coupled with image recognition techniques, have enabled rapid and accurate plant species identification, advancing ecological research as well as biodiversity conservation. AI-driven diagnostic tools empower plant pathologists and agronomists to early detection of diseases and pests, facilitating timely interventions that minimize crop losses. Contribution of AI in the field of plant breeding is particularly noteworthy, as it aids in the development of resilient and high-yielding crop varieties. AI models accelerate the selection of superior genetic traits by analyzing vast datasets which accelerates the breeding process. Furthermore, AI-based prediction models are leveraging climate and soil data that offer valuable insights into optimizing crop management practices and mitigating environmental impact. This, in turn, promotes sustainable agriculture and food security in a world struggling with climate change and growing population pressures.

In the realm of plant phenotyping, AI-driven technologies automate the measurement and analysis of plant characteristics which provides a deeper understanding of plant growth and adaptation mechanisms for scientists. The real-time monitoring of plant health and growth opens new avenues for innovative research and improved crop management practices.

Although the influence of AI on plant sciences is significant, ongoing research efforts are focused on enhancing AI models for robust and interpretable results. There is also increasing attention to ethical considerations regarding data privacy, algorithm biases, and the responsible use of AI in agriculture. In addition to these interdisciplinary collaboration among plant scientists, data scientists, and engineers is essential for optimizing the potential of AI in the agricultural field.

Uses And Applied on Various Fields...

- **Automated Plant Identification :**

One of the significant contributions of AI in botany is the development of automated plant identification systems. Traditional methods relied heavily on manual identification, which could be time-consuming and prone to errors. AI-powered tools, leveraging machine learning algorithms, now enable rapid and accurate identification of plant species through image recognition. This technology facilitates efficient cataloguing of plant diversity and aids researchers in biodiversity conservation efforts.

- **Precision Agriculture :**

AI has also found its way into agriculture, a domain closely related to botany. Precision agriculture utilizes AI to optimize farming practices, taking into account factors such as soil health, weather conditions, and plant growth patterns. AI algorithms analyze vast amounts of data to provide farmers with actionable insights, leading to improved crop yields, reduced resource usage, and enhanced sustainability.

- **Plant Disease Detection :**

Scanned with OKEN Scanner

Early detection of diseases is crucial in preserving crop health. AI, through the analysis of images and sensor data, can identify subtle signs of diseases or pest infestations that may not be easily discernible to the human eye. This proactive approach allows farmers to implement timely interventions, minimizing the impact of diseases and contributing to more resilient and sustainable agriculture.

- **Genetic Research and Breeding :**

AI accelerates genetic research by processing massive datasets related to plant genetics. Machine learning models can identify patterns and relationships within genetic information, aiding researchers in understanding the intricacies of plant genomes. This knowledge is instrumental in developing crops with desirable traits, such as resistance to diseases, tolerance to environmental stress, and improved nutritional content.

- **Climate Change Adaptation**
- **Ecological Monitoring and Conservation**

AI offers both advantages and disadvantages for plant sciences, including improved precision in breeding, disease detection, etc.

- **Advantages :**
  - ❖ Precision Breeding
  - ❖ Early disease detection
  - ❖ Optimized Resource management
  - ❖ Automation and efficiency
  - ❖ Predictive analytics
- **Disadvantages :**
  - ❖ Data Bias
  - ❖ Ethical concerns
  - ❖ Job displacement
  - ❖ High implementation costs
  - ❖ Lack of Transparency

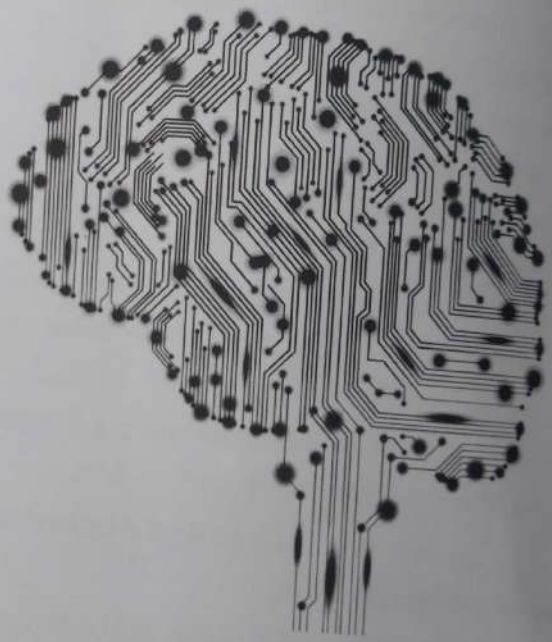

- Varsha Malik
B.Sc. (Bio.) VI Sem.

Scanned with OKEN Scanner

"एक बेटी का आवाज"

मैं हालात सबके सामने बयां कर रही हूँ....
मैं अब जीते जी धीरे-धीरे मर रही हूँ।
मेरी बर्बादी के जिम्मेदार वो हैवान है,
मेरी आबरू के कातिल काहे के बलवान है ?
एक बंद कमरे में आबरू की रूह आजाद है,
खून के निशा है फर्श पर सारे हालात नासाज है।
मुझे लडना है उनसे, जो मेरे साथ इंसाफ होने नहीं देंगे,
मेरे घावों को नोचेंगे, इन घावों को भरने नहीं देगे।

फटी हुई कुर्ती से झांकती उधड़ी हुई संवेदनाएं...
तुम लड़की नहीं हो ना, कैसे समझोगे मेरी वेदनाएं।
क्यों अंधेरों में खो जाती है तुम्हारी सारी इंसानियत,
पल-पल पग-पग पर जन्म ले रही है हैवानियत।
इंसाफ-इंसाफ चिल्लाते-चिल्लाते गला सूख चुका है...
लगता है अब मुझे सुनने वाला अखबार भी मर चुका है।
मजबूर हूँ मैं, कोई सहमा डरा दिल नहीं हूँ मैं...
तुम होगे बुजदिल बेशक, पर बुजदिल नहीं हूँ मैं।

नहीं थमती दासतां अब, जिस्म का शिकार करने की,
बाकी ही क्या रह गया अब हद पार कर दी दरिन्दगी की।
अंगारे दहके आज फिर चारों तरफ, कोई सीमा न रही नारी के अपमान की,
काट दो वो उंगलियाँ जो उठे तुम पर तुम्हारी इज्जत तार करने को,
वो बेटी थी किसकी मत पूछो मुझसे तुम अनजान बनकर,
हो जाओ तैयार तुम अब उन जालिमों के टुकड़े हजार करने को
आबरू रोज, न जाने कितनी, कुचली जाती है इस जहाँ में,
नोच लो वो गन्दी नजरें अब तुम, उठे जो तुम्हारी शान में
बचानी है तो बचा ले हे नारी अपनी आबरू इस जमाने से
जरूरत है अब तुम्हे, खुद के हाथों को अपने हथियार बनाने में
उठाओ शस्त्र और बचा लो तुम खुद को जालिम जमाने से
क्यों हो झिझक, आखिर क्यों हो डर, बेटियों की आँखों में
सुनो नारी उठाओ शस्त्र और बचा लो तुम खुद को इस जालिम जमाने से...

- मुस्कान चंद्रा
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

आखिर क्यों ?

माँ ने दिया जन्म, पिता ने दिखाया संसार,
माँ ने खिलाया गोद में, पिता ने घुमाया बाजार,
माँ ने दिया दुलार, पिता ने बहुत प्यार,
आखिर क्यों है बेटियों पर, फिर किसी अन्य का अधिकार ?

माँ ने की सखी की कमी पूरी, पिता ने की हर तमन्ना पूरी,
माँ बनी सुख–दुख में हमेशा बेटी की सलाहकार,
पिता ने कर दी खुशियों की बेशुमार बरसात,
आखिर क्यों करके लाड़–दुलार, सौंप दिया दूसरे के हाथ ?

जिस आंगन में खेली भाई–बहन संग की ठिठकोली,
उस आँगन में भी ना रहा, एक बेटी का अधिकार,
जिस घर में रहता था, उसका एक घर–परिवार,
उस घर की भी बनी वह मेहमान, आखिर क्यों है ये कन्यादान ?

होकर विदा बाबूल के घर से, प्यारी बेटी चली ससुराल,
छूट गया वो माँ का आज सुहाना आँचल,
हाँ... छूट गया वो पिता का आज प्यारा आँगन,
रो–रोकर बेटी ने फिर लगाई पुकार आखिर क्यों है...
बाबा ये कन्यादान ?

- मुस्कान चंद्रा
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

क्यों माँ ?

माँ जब मैं निकलती हूँ
घर से बाहर क्यों काँप जाती हूँ
मेरी यह मैं क्यो लगता है
रास्ते में क्यों लगता है
कोई साया है मेरे पीछे माँ
क्यों कभी-कभी न
अपने ही साए में सहम जाती हूँ
पड़ोस में रहने वाले अंकल
हमेशा मेरी तरफ मुस्कुराते है
माँ आजकल बस वाले भैया भी
क्यों हाथ पकड़कर चलाते है।

मुझे अब अकेलापन से भी लगता हैं डर
माँ क्यों अब टयूशन वाले
सर भी मुझे देखा करते हैं
जब भी बाजार जाती हूँ,
क्यों लोग ताकते रहते हैं
माँ क्यों अपने ही पराए लगते है
अखिर क्यों लडकी होना
क्या इतना बडा गुनाह है कि
हमें चारदीवारी मैं रखा जाता है
आखिर क्यों माँ क्यों ?

- प्रिन्सी वर्मा
B.Sc. (Bio) 3rd Sem.

Scanned with OKEN Scanner

मैं मोबाइल हूँ

मै मोबाईल हूँ !

मैं ज्ञान का भंडार हूँ मगर मेरा उपयोग सावधानी से करना। मैं नींद चुरा लेता हूँ, मैं चैन चुरा लेता हूँमैं आँखों की रोशनी मिटा देता हूँ।

मैं मोबाईल हूँ !

मैं बडे काम की चीज हूँ। आज मैं हर इंसान की जरूरत हूँ, आज दुनिया में मुझसे ताकतवर कोई नहीं है। जानते हो क्यों कैसे हुआ मैं इतना मजबूत और ताकतवर ?

मैं मोबाईल हूँ !

मैं बच्चों का बचपन खा गया। मैं जवानों की जवानी खा गया। नहीं मिटी भूख मेरी मैं दादा-दादी, नाना-नानी की कहानी खा गया।

मैं मोबाईल हूँ !

मैं रेडिया खा गया, मैं घडी को खा गया, मैं टी.वी. को भी खा गया। मैं कम्प्यूटर को खा गया। मैं चिट्ठियों को भी खा गया।

मैं मोबाईल हूँ !

मैं टॉर्च को खा गया, मैं कैमरे को खा गया, मैंने गली नुक्कड़ के सारे खेल निगल लिये। टैप रिकार्डर को भी खा गया। अब बच्चों का बचपन खाकर और मजबूत होता जा रहा हूँ।

मैं मोबाईल हूँ !

अब न पढ़ने के
ढूँढ़ रहे बहाने।
बच्चे हो गये
मोबाईल के दीवाने

मोबाईल के नशे में
इस कदर चूर बैठे है,
एक कमरे में होकर भी
सब दूर-दूर बैठे है।

बोया पेड़ बबूल का
तो आम कहाँ से आए,
चिपके रहोगे मोबाईल से
तो काम कहाँ से आए।

- महरीन
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

FREE ONLINE EDUCATION
swayam
शिक्षित भारत, उन्नत भारत

SWAYAM stands for **Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds.** It's an online learning platform launched by the Government of India in 2017 to **provide free courses to students.**

SWAYAM is a programme initiated by Government of India and designed to achieve the three cardinal principles of Education Policy viz., access, equity and quality. The objective of this effort is to take the best teaching learning resources to all, including the most disadvantaged. SWAYAM seeks to bridge the digital divide for students who have hitherto remained untouched by the digital revolution and have not been able to join the mainstream of the knowledge economy.

This is done through a platform that facilitates hosting of all the courses, taught in classrooms from Class 9 till post-graduation to be accessed by anyone, anywhere at any time. All the courses are interactive, prepared by the best teachers in the country and are available, free of cost to any learner. More than 1,000 specially chosen faculty and teachers from across the country have participated in preparing these courses.

The courses hosted on SWAYAM are in 4 quadrants – (1) video lecture, (2) specially prepared reading material that can be downloaded/printed (3) self-assessment tests through tests and quizzes and (4) an online discussion forum for clearing the doubts. Steps have been taken to enrich the learning experience by using audio-video and multi-media and state of the art pedagogy / technology.

In order to ensure that best quality content is produced and delivered, nine National Coordinators have been appointed. They are :

AICTE (All India Council for Technical Education) for self-paced and international courses
NPTEL (National Programme on Technology Enhanced Learning) for Engineering
UGC (University Grants Commission) for non-technical post-graduation education
CEC (Consortium for Educational Communication) for under-graduate education
NCERT (National Council of Educational Research and Training) for school education
NIOS (National Institute of Open Schooling) for school education
IGNOU (Indira Gandhi National Open University) for out-of-school students
IIMB (Indian Institute of Management, Bangalore) for management studies
NITTTR (National Institute of Technical Teachers Training and Research) for Teacher Training programme

Courses delivered through SWAYAM are available free of cost to the learners, however learners wanting a SWAYAM certificate should register for the final proctored exams that come at a fee and attend in-person at designated centres on specified dates. Eligibility for the certificate will be announced on the course page and learners will get certificates only if this criteria is matched. Universities/colleges approving credit transfer for these courses can use the marks/certificate obtained in these courses for the same.

Under-Graduate Education	**NPTEL**	**AICTE**	**CEC**	**IIMB**
Post-Graduate Education	**NPTEL**	**AICTE**	**CEC**	**IIMB**

UGC has already issued the UGC (Credit Framework for online learning courses through SWAYAM) Regulation 2016 advising the Universities to identify courses where credits can be transferred on to the academic record of the students for courses done on SWAYAM. AICTE has also put out gazette notification in 2016 and subsequently for adoption of these courses for credit transfer. You can indicate your grievances related to Credit Transfer at your parent university by submitting them in this form.

The current SWAYAM platform is developed by Ministry of Education and NPTEL, IIT Madras with the help of Google Inc. and Persistent Systems Ltd.

Source: https://**swayam.gov.in**

- *Dr. S.K. Pandey*
Assistant Professor
Department of Statistics

Scanned with OKEN Scanner

किताब का पन्ना ही फाड़ दिया

सुनहरी सी तकदीर किस्मत से किया वादा सच्चा लगता था।
एक लड़की थी जिसे पढ़ना लिखना बहुत अच्छा लगता था।
ख्वाबों की लडाई में कई सारी मुश्किले झेलती थी।
बचपन में अपनी एयरफोन लेकर डॉक्टर-डॉक्टर खेलती थी।
मौसम था सुहाना बहारों की कलियाँ खिल गई
आखिर हुनर ही ऐसा था कि एक दिन सीट मिल गई।
डॉक्टर बन चुकी थी....
वो सपनों की खूबसूरत से फूल सजाकर निकल पडी अपनी तकदीर बनाने।
पर हवाएं आज खामोश होकर कुछ समझाना चाहती थी।
घर चली जा घर चली जा कहकर कुछ बताना चाहती थी।
सुबह के 4 बजे लगा कोई पैर दबा रहा है,
नींद गहरी थी तो लगा सपना आ रहा है।
पर जब दास्तां बढ़ी तो नींद उड़ी और आँखें खुली तो
सामने उसके चश्मे के शीशे उसकी आँखों में गड़े थे
और अगले ही पल उसके कपड़े फाड़ दिये।
वो चीखी चिल्लाई पर लोग सुन नहीं पा रही थे
काला परदा है इस सच्चाई पर कि
न जाने कितने लोग उसका सीना दबा रहे थे।
कई सारे राज छुपाकर किताब का वो पन्ना ही फाड़ दिया।
डॉक्टर बनने चली थी तो जान से ही मार दिया।

शायरी

लुटेरा है अगर आजाद तो अपमान सबका है,
लुटी है एक बेटी तो लुटा सम्मान सबका है।
बनो इंसान पहले छोड़ कर तुम बात मजहब की,
लड़ों मिलकर दरिन्दों से ये हिन्दुस्तान सबका है।

- महरीन
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

साँपों की सभा (व्यंग्य)

'तुम में जहर नहीं है, इसलिए तुम कमजोर हो।' साँप ने चूहे से कहा। 'जिसके अन्दर जहर होता है दुनिया उसकी इज्जत करती है, उनका सिक्का चलता है।' चूहा ध्यान से सब सुनता रहा। 'जब तुम्हारे पास जहर होगा तभी तुमसे लोग डरेंगे।' साँप शान्त स्वर में बोला। चूहे को बात समझ में आयी। 'फिर मुझे क्या करना चाहिए ?' चूहे ने पूछा। 'सीधी-सी बात है तुम्हे अपने अन्दर जहर पैदा करना चाहिए।' 'वह सब तो ठीक है मगर अपने अन्दर जहर कैसे पैदा करूँ ?'

स्पष्ट था की चूहा हर हाल में समाधान चाहता था। 'तुम चाहो तो मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ।' साँप ने मदद की पेशकश की। कैसे ? चाहो तो मुझसे जहर ले लो। ताकत की चाह में चूहे ने फौरन हामी भर दी। साँप मुस्कुराया। फिर क्या था मौका मिलते ही साँप ने अपना जहर चूहे में उतार दिया। रगों में लहू के साथ जहर मिलते ही चूहे का बदन नीला पड गया। चूहा हमेशा के लिए शान्त हो गया। चूहे की डेडबॉडी लेकर साँप अपनों की सभा में पहुँचा जहाँ उसका अभूतपूर्व स्वागत हुआ। चूहे की डेड बॉडी देखकर सभी साँप उत्साह से भर उठे। वे जोर-जोर से फसुफुसाते हुए नारे लगाने लगे। सभा शुरू हुई।

'दोस्तो, मेरे प्यारे दोस्तो।' साँप बोला। साथी साँप गौर से सुनने लगे। वहाँ शन्ति छा गयी। 'दोस्तो जैसा कि मैंने आपसे कहा था वह मैंने कर दिखाया। रिजल्ट आपके सामने है। चूहे की डेडबॉडी को दिखाते हुए वह बोला।'

सभी साँपों ने हिश-हिश करके उसका समर्थन किया। वह आगे बोला 'हम पहले से ही बहुत बदनाम है अब हमें और बदनाम नहीं होना है। अब देखिए साथियों मैनें यह काम लोकतांत्रिक ढंग से किया है अब हम पर कोई हिंसा का इल्जाम नहीं लगा सकता। इस चूहे ने हमसे खुद जहर माँगा।' यह कहते हुए साँप का फन तन गया। सभी साँपों ने हिश-हिश कर कॉफी देर तक अपनी खुशी जाहिर की।

साथियों आप पहले दिलों में जहर भरिए। वह जहन में खुद व खुद आ जाएगा और सब्जेक्ट अपने रगों मे उतारने के लिए बैचेन हो जायेगा। सब्जेक्ट शब्द सुनकर साँपों के बदन में सुरसरी सी दौड़ गयी वह धारा प्रवाह बोलता रहा बस हमें सपने और भय दोनों साथ-साथ दिखाने होगें। अच्छे-अच्छे शब्दों के चयन पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उसने चूहे की डेड बॉडी पर एक नजर मारी फिर बोला देखिए। कैसे हमारे रंग में रंगने के लिए तैयार हो गया। सभी साँप चूहे के नीले बदन को देखने लगे और अजब रोमांच से भर उठे। वह आगे बोला जहर भरिए खूब भरिए मगर उपेदश की शक्ल में। आप देखेंगे कि उपदेश स्वत: उन्माद मे बदलता जाएगा। बस फैलकर हर जगह हमें अपना काम करना है। क्या समझे ?

एक बूढ़ा साँप जोश में बोला, 'समझ गये ! हमें लोकतंत्र को लोकतांत्रिक ढंग से खत्म करना है।' बिल्कुल सही! साँप गर्व से बोला। ये चूहा तो फँस गया मगर क्या गारंटी है कि सभी फँसेगे। दुविधा से भरे एक साँप ने सवाल किया। साँप यह बोलकर थोडी देर के लिए चुप हो गया। फिर फुसफुसाता हुआ बोला जब तक लोगो में वर्चस्व की भावना प्रबल रहेगी, तक तक मुझे कोई दिक्कत नहीं दीखती। यह सुनते ही सभी साँपों में हर्ष की लहर दौड़ गयी। बस वर्चस्व को उत्कर्ष की शक्ल मे बेचो। उसने बुलन्द आवाज में यह बात कही। पल भर में सभा जोशीले नारों से गूँज उठी और साँप की सभा ने एकमत एकसाथ एक स्वर मे बोलते हुए उसे अपना नेता चुन लिया। नये नवेले नेता ने बहुत प्यार से कहा 'आइए अब हम प्रार्थना शुरू करते है।' सभी साँप समवेत स्वर में प्रार्थना करने लगे।

प्रार्थना :-

'लोकतंत्र खुद को डसवाकर, हमको दूध पिलाता है,
जो जितना जहरीला है, वह उतना पूजा जाता है।

चूहे की डेड बॉडी पड़ी हुई थी। अभी न जाने और कितनी बॉडी आने वाली थी।

– अमनदीप सिंह
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

CRYPTOGRAPHY

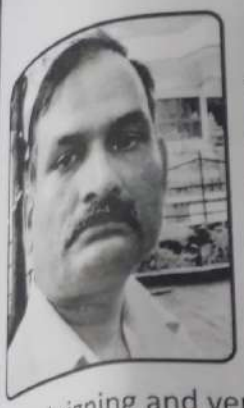

Cryptography is a technique of securing information and communications through the use of codes so that only those persons for whom the information is intended can understand and process it. Thus preventing unauthorized access to information. The prefix "crypt" means "hidden" and the suffix "graphy" means "writing". In Cryptography, the techniques that are used to protect information are obtained from mathematical concepts and a set of rule-based calculations known as algorithms to convert messages in ways that make it hard to decode them, These algorithms are used for cryptographic key generation, digital signing and verification to protect data privacy, web browsing on the internet and to protect confidential transactions such as credit card and debit card transactions.

FEATURES OF CRYPTOGRAPHY :

- **Confidentiality :** Information can only be accessed by the person for whom it is intended and no other person except him can access it.
- **Integrity :** Information cannot be modified in storage or transition between sender and intended receiver without any addition to information being detected.
- **Non-repudiation :** The creator/sender of information cannot deny his intention to send information at a later stage.
- **Authentication :** The identities of the sender and receiver are confirmed. As well destination/origin of the information is confirmed.
- **Interoperability :** Cryptography allows for secure communication between different systems and platforms.
- **Adaptability :** Cryptography continuously evolves to stay ahead of security threats and technological advancements.

ADVANTAGES OF CRYPTOGRAPHY :

- **Access Control :** Cryptography can be used for access control to ensure that only parties with the proper permissions hove access to a resource. Only those with the correct decryption key can access the resource thanks to encryption.
- **Secure Communication :** For secure online communication, cryptography are crucial. It offers secure mechanisms for transmitting private information like passwords, bank account numbers. and ctoer sensitive data over the Internet.
- **Protection against attacks :** Cryptography aids in the defense against various types of assaults, including replay and man-in-the -middle attacks . It offers strategies for spotting and stopping these assaults
- **Compliance with legal requirements :** Cryptography can assist firms in meeting a variety of legal requirements, including data protection and privacy legislation.

TYPE OF CRYPTOGRAPHY :

Secret Key Cryptography

The secret key cryptography is used to encrypt the plaintext message using a series of bits called the secret key. It often uses the same key to decipher the corresponding ciphertext message and to retrieve the initial plain

Scanned with OKEN Scanner

text because both encrypting and decrypting data is achieved with the same key, a secret key is often called as a symmetric key.

The secret key in cryptography is also an input for encryption algorithm as this is the initial intelligible message or data that is fed into the algorithm as input. The main is an algorithm value independent from the plaintext. Depending on the particular key used the algorithm outputs a different result. The algorithm relies on the key to exact substitution and transformation.

This is the scrambled message that has been generated as production. It depends on the plain text and on the secret key. Two different keys can generate two different ciphertexts for a given letter. The ciphertext is an almost random stream of data which as it stands. Decryption algorithm is basically a reverse-run encryption algorithm. it takes the ciphertext and the secret key, and it generates the original plain text. In this type of cryptography, it is clear that both the sender and the receiver must know the key, that it is in effect, the password. The main distribution, of course, is the greatest challenge with this method.

PUBLIC KEY CRYPTOGRAPHY :

Public Key Cryptography is also known as asymmetric cryptography. It is an encryption technique or a framework that uses a pair of keys (public and private key) for secure data communication.

These keys are related, but not identical keys. Each key performs a unique function, i.e., the public key is used to encrypt, and the private key is used to decrypt. The sender uses the recipient's public key to encrypt a message, and the recipient uses the private key to decrypt this message the use of two keys enables PKC to solve challenges faced in other cryptographic techniques.

PKC is different from the symmetric key algorithm, which uses only one key to both encrypt and decrypt. The two types of PKC algorithms are RSA (Rivest. Shamir, and Adelman) and Digital Signature Algorithm (DSA). PKC encryption evolved to meet the growing need for secure communication in multiple sectors such as the military, government offices, etc. This type of cryptography has become an important element of modern computer security and a critical component of the cryptocurrency system.

We can say that Cryptography is essential for protecting data and communications by converting plain text into ciphertext using various techniques. It maintains confidentiality, integrity, authenticity, and non-repudiation. Cryptography encompasses both symmetric and asymmetric key systems, as well as hash functions, and is essential in applications such as computer security, digital currencies, safe online browsing, and electronic signatures. It provides strong protection against unauthorized access and attacks, while constantly developing to address new security risks and advances in technology.

- Dr. Manoj Kumar
Professor
Department of Mathematics

Scanned with OKEN Scanner

कहानी : जैसे को तैसा

बहुत समय पहले की बात है एक नगर मे कुदंनलाल नाम का सेठ रहता था। वह अवसर अपने नौकरों के काम में बिना वजह गलतियाँ ढूँढता रहता था, ताकि वह उनकी पगार में से पैसे काट सके। सेठ की तिजोरी सोने चाँदी से भरी हुई थी, फिर भी वह हमेशा और ज्यादा अमीर होने के सपने देखता रहता था। नंदू सेठ का नौकर था, वह घर में झाड़ू पोछा का काम करता था। वह सेठ को खुश करने के लिए कभी-कभी फालतू काम भी कर देता था। नंदू इतना साफ कम करता था कि सेठ उसके काम में गलती नहीं निकाल पाता था। इस तरह नंदू सेठ से बोला, सेठजी आप का घर शहर के सब घरों सें सुदंर है। मैं बहुत खुश हूँ जो मुझे यहाँ नौकरी करने का मौका मिला। आपके फर्श की जब मैं सफाई करता हूँ तो अपनी सब थकान भूल जाता हूँ। जून के महीने में यह इतना ठंडा रहता है कि मुझे गर्मी का अहसास ही नहीं होता। सच कहूँ सरकार आपका घर जन्नत से कम नहीं है। नंदू ने अपने दोस्त भोला से सुना था कि मालिक या उनकी चीजो की तारीफ की जाय तो वे बहुत खुश होते है। कभी-कभी खुश होकर इनाम भी देते है। बस इसी आशा से नंदू ने सेठ के घर की तारीफों के पुल बांध लिए। लेकिन जैसे भोले-भाले नंदू ने सोचा था वैसा न हुआ। इनाम तो दूर की बात नदूं को तो अपनी पगार से भी हाथ धोना पड़ा। महीना खत्म होने पर जब नंदू सेठ से पगार लेने पहुँचा तो सेठ बोला कि नंदू पगार तो तुम्हे दे दूँ, लेकिन पहले तुम्हे मेरा किराया चुकाना है। नंदू को कुछ समझ न आया, उसने बोला किस चीज का किराया सरकार। इतनी जल्दी भूल गए उस दिन तुमने ही तो मुझे बातया था कि तुम्हे मेरा घर जन्नत जैसा लगता है। वहाँ काम करने पर तुम्हे थकान और गर्मी का अहसास भी नहीं होता। भाई मुझे नहीं लगता कि धरती पर ऐसी कोई दूसरी जगह होगी। अब मेरे घर की चीजों का सेवन दिन रात करते रहे। उसका कर तो मैं वसूल करके ही रहूँगा। कर काटने के बाद तुम्हारी पगार में सिर्फ चार आने बचते है यह रख लो। मक्कार सेठ के आगे नदूं कुछ न बोल पाया, बेचारा चार आने ले घर लौट आया। जब उसके भाई हीरा को पूरी बात पता चली तो उसे सेठ की मक्कारी समझ आ गई। हीरा नदूं की तरह भोला न था वह तेज और चालाक था। उसने सेठ को सबक सिखाने की ठान ली। अगले दिन हीरा एक अमीर व्यापारी का रूप धारण कर सेठ के घर जा पहुँचा। सेठ के खूब सारे बगीचे थे उनमें ढेरों फल-फूल उगते थे। इन्हे बेचने से सेठ को काफी आमदनी होती थी। हीरा कुदंनलाल से बोला मैं दूर का व्यापारी हूँ। तीन दिन में मेरी बेटी की शादी है। शादी में सजावट के लिए मुझे ढेरों फूल चाहिए। मैंने सुना है कि तुम्हारे बहुत से बगीचे है। अत: मैं तुम्हारे सभी बगीचे के फूल खरीदना चाहता हूँ। सेठ ने सोचा यह व्यापारी तो बहुत मालदार लगता है। फूल तो मैं रोज बेचता हूँ, लेकिन एक साथ इतनी खदीदारी किसी ने नहीं की। इसको खूब खतिरदारी करनी चाहिए। अत: उसने व्यापारी के ठहरने की व्यवस्था अपने ही घर में कर दी। सेठ ने अब नौकरों को व्यापारी के लिए फूल तोड़ने के काम में लगा दिया। दो-तीन घण्टों में काम पूरा हो गया। जब हीरा को इस बात की खबर मिली तो वह बोला सेठ जी मैं शाम को अपने देश के लिए रवाना हो जाऊँगा। तभी पैसे का भुगतान करते समय हीरा बोला, सेठ जी आज पूरा दिन मेरे फूल आपके पास रहे यदि इनकी वजह से आपको कोई तकलीफ हुई तो मुझे क्षमा करे। सेठ बोला, कैसी बात करते है आप फूलों से भी भला किसी को तकलीफ होती है। पूरा दिन यह फूल मेरे घर की शोभा बढ़ा रहे थे। फूलों की खुशबू से मेरा पूरा घर महक रहा था। चारों ओर सजावट देखकर मुझे लग रहा था कि मैं अपने घर में नहीं जन्नत में हूँ। बस व्यापारी बना हीरा इसी घड़ी का इन्तजार कर रहा था। बोला सेठ जी मेरे इन फूलों के कारण ही आप धरती पर रहकर ही जन्नत की सैर कर आये अब यह सैर आप मुफ्त में तो नहीं कर सकते, आपको इसका किराया तो चुकाना ही होगा। इन फूलों का किराया काटकर आपके हिस्से में चार आने ही आते हैं।

- सुधाकर
B.Sc. (Bio) 1st Sem.

Scanned with OKEN Scanner

Principal's Medal

26 January 2025

Dr. Ajay Kumar Singh

Dr. Rohit Rana

Dr. Gajram Singh

Dr. Sanjeev Kumar

Dr. C. B. Patel

Dr. Deepak Tomar

Arvind Kumar

Neeraj Kumar

Ms. Priyanshi Bhardwaj

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय अखबारों की सुर्खियों में

आरके पीजी कालेज के शिविर का किया शुभारंभ

- कॉलेजमें सात दिवसीय विशेष का हुआ प्रारंभ
- शुभारंभ प्राचार्य सत्येंद्रपाल ने किया

शामली, संवाददाता। शहर के आरके पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम दिन का शुभारंभ बुधवार को प्राचार्य प्रोफेसर सत्येंद्र पाल के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अगले चरण में स्वयं सेविकाओं द्वारा एनएसएस गान गाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डा. रोहित राणा, डा. एसके श्रोती एवं श्रीकांत वार्ष्णेय उपस्थित रहे। प्रथम इकाई ने अपने सेवा कार्यों के लिए स्वयं सेवकों ने गांव लिलौन को चुना। द्वितीय एवं तृतीय इकाई ने छोटी मुंडेट कला गांव को चुना। प्राचार्य प्रोफेसर सत्येंद्र पाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएसएस न केवल युवाओं में सामाजिक जागरूकता उत्पन्न करता है, कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वयंसेवकों को शिविर की रूपरेखा एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा.. रोहित राणा व डा. एसके श्रोती ने बताया कि यह विशेष शिविर न केवल ग्रामीण विकास में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आरके कालेज की छात्रा गरिमा और प्रेरणा यूनिवर्सिटी टॉपर

कालेज के 15 छात्र-छात्राओं का मेरिट में स्थान

शामली (पीपीजे न्यूज)।शहर के आरके पीजी कालेज की छात्राओं गरिमा तथा प्रेरणा जैन ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद और कालेज का नाम सहारनपुर मंडल में रोशन किया है।

मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय सहारनपुर ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय स्तर पर छात्र-छात्राओं की श्रेष्ठता सूची जारी है। जिसमें शहर के आरके पीजी कालेज के १५ होनहार छात्र-छात्राओं ने स्थान हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। कालेज के प्राचार्य प्रो. सत्येन्द्रपाल ने बताया कि एमएससी रसायन विज्ञान में गरिमा प्रथम, प्राची चौधरी दशम, एमएससी भौतिक विज्ञान में प्रेरणा जैन प्रथम, तान्या अग्रवाल तृतीय, निकिता सरोत्रा षष्टम, एमएससी वनस्पति विज्ञान अपूर्वा गोयल षष्टम, दीपाली नवम्, एमएससी एग्रोनोमी विज्ञान सपना देवी द्वितीय, दीपांशु चतुर्थ, राजकुमार षष्टम, निकिता चौहान सप्तम, शिवानी रानी नवम्, एमएससी उद्यान विज्ञान ओमप्रकाश शर्मा पंचम, सुनील अष्टम तथा बीकॉम में दिव्यांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय में जनपद और कॉलेज का नाम रोशन किया। प्राचार्य ने विश्वविद्यालय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी है।

छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये

आरके कालेज में छात्राओं को आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण देते हुए। छाया पीपीजे न्यूज

शामली (पीपीजे न्यूज)।आरकेपीजी कॉलेज महाविद्यालय में मिशन शक्ति पांचवा चरण के अंतर्गत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये गए।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना गान से की गई। एनएसएस की तृतीय इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को डॉ. परवीन कुमार विशेषज्ञ स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन ने छात्राओं को किकिंग, पंचिंग, गोशी, हाई ब्रो तोशी आदि कलाओं का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रीकांत वार्ष्णेय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि हमारे जीवन में अपनी आत्मरक्षा, सुरक्षा बहुत ही जरूरी है अगर हमें कुछ आत्मरक्षक संबंधी कलाओं की जानकारी होगी तो हम अपनी रक्षा स्वयं कर सकते है।

शेयर मार्किट, म्युचुअल फंड की जानकारी दी

शामली (पीपीजे न्यूज)। आरके पीजी कालेज में कार्यशाला के दूसरे दिन छात्र-छात्राओं को शेयर मार्किट, म्युचुअल फंड की उपयोगिता व आय के अवसरों की जानकारी दी गयी।

मंगलवार को कालेज में कार्यशाला के दूसरे दिन का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. सत्येन्द्र पाल व सेबी ट्रेनर राजीव जैन ने संयुक्त रूप से किया। विभागाध्यक्ष डा. रवि कुमार बंसल ने छात्र-छात्राओं को शेयर मार्किट, म्युचुअल फंड की उपयोगिता एवं इनसे आय के साधन के अवसरों को समझाया। मुख्य वक्ता राजीव जैन व जलज जैन ने डीमेट खाता खोलना, ट्रेडिंग कैसी करनी चाहिए, क्या सावधानी बरतनी चाहिए आदि के संबंध में जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. सत्येन्द्र पाल ने मुख्य वक्ताओं को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन निधि व कोमल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में डा. मनोज, डा. संजीव, डा. चारु, डा. रुपिन, आयुषि, मायशा, मानविश, खुशी, लव, वंशिका मौजूद रहे।

मेरठ में आयोजित किसान मेले में शामित होने पहुंचे छात्र। • हिन्दुस्तान

छात्राओं ने किया किसान मेले का भ्रमण

शामली। शहर के आरके पीजी कॉलेज के कृषि संकाय के बीएससी एग्रीकल्चर के फाइनल ईयर तथा एमएससी एग्रीकल्चर के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित किसान मेला में भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान असिस्टेंट प्रोफेशर कीट विज्ञान डा. रोहित राणा और असिस्टेंट प्रोफेसर कृषि अभियांत्रिकी डा. सुरेन्द्र पाल ने छात्र-छात्राओं को मार्ग दर्शन कराया।

स्वयं सेवकों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

शामली। शहर के आरके पीजी कालेज में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिनमें विभिन्न प्रकार की राफ्टिंग, बबू राफ्ट, लाइफ बोआ, लाइफ जैकेट, भूकंप आदि से बचाव,डक कवर एंड होल्ड तकनीकी, ब्लीडिंग कंट्रोल तकनीक, मोडिफाइड स्ट्रक्चर तकनीक तथा सीपीआर आदि का प्रशिक्षण शामिल रहा। सडक सुरक्षा पखवाडा को लेकर सडक सुरक्षा क्यों है जरूरी पर एक निबंध प्रतियोगिता

का भी आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आरती प्रथम, तनीषा द्वितीय तथा सावंत तृतीय स्थान पर रहे।

Scanned with OKEN Scanner

R.K. COLLEGE, SHAMLI

Medals Awarded to College/University Topper Students (2023-24)

S.No.	Name of Medals	Awarded to	Student Name	Father Name
1.	**Kisan Medal** In memory of known/unknown Donors Annadata Kissan, (Sponsored by the College)	Topper B.Sc. (Ag.)	Lara Tomer	Sujeet Tomer
2.	**Ch. Udey Veer Singh Medal** (Sponsored by Ch. Udey Veer Singh Family)	Topper M.Sc. (Agronomy)	Sapna Devi	Satish Kumar
3.	**Ch. Udey Veer Singh Medal** (Sponsored by Ch. Udey Veer Singh Family)	Topper M.Sc. (Horticulture)	Omprakash Sharma	Madan Lal Sharma
4.	**Ch. Virendra Verma Medal** (Sponsored by Verma Family)	Topper Commerce Faculty	Diwanshi	Raj Kumar
5.	**Mahendri Devi Medal** (Sponsored by Prof. Satyendra Pal)	Topper M.Sc. (Physics)	Prerna Jain	Deepak Kumar
6.	**Mahendri Devi Medal** (Sponsored by Prof. Satyendra Pal)	Topper M.Sc. (Chemistry)	Garima	Vimal Kishore
7.	**Mahendri Devi Medal** (Sponsored by Prof. Satyendra Pal)	Topper M.Sc. (Botany)	Apoorva Goel	Ravi Kumar Goel
8.	**Mahendri Devi Medal** (Sponsored by Prof. Satyendra Pal)	Topper B.Sc.	Sejal Choudhary	Surendra Singh
9.	**Prateek Medal** (Sponsored by Prof. Satyendra Singh Arya)	Best N.C.C. Cadet (Boy)	Vashu Bhal	Parshant Bhal
10.	**Prateek Medal** (Sponsored by Prof. Satyendra Singh Arya)	Best N.C.C. Cadet (Girl)	Tanu Chauhan	Ajay Chauhan
11.	**Alumni Medal** (Sponsored by Alumni Association of the College)	Best Athlete (Boy)	Abhinav	Dharmendra
12.	**Alumni Medal** (Sponsored by Alumni Association of the College)	Best Athlete (Girl)	Yashvi	Amit Kumar
13.	**Youth Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	Best NSS Volunteer (Boy)	Himanshu	Yogendra

Scanned with OKEN Scanner

S. No.	Name of Medals	Awarded to	Student Name	Father Name
14.	**Youth Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	Best NSS Volunteer (Girl)	Vanshika Verma	
15.	**Rover Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	Best Rover (Boy)	Anshul Sharma	Ashok Sharma
16.	**Ranger Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	Best Ranger (Girl)	Anjali Maurya	Gangaram Maurya

Principal Medals to the recipient for their outstanding contribution

S.No.	Name of Medals	Awarded to
1.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	College Cultural ICON **Priyanshi Bhardwaj D/o Rajesh Kumar** (One of the best in all cultural activities)
2.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Dr. Ajay Kumar Singh** (Assistant Professor, Ag. Botany) For Excellent Contribution in Teaching & Research
3.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Dr. Rohit Rana** (Assistant Professor, Entomology) For Excellent Contribution in Teaching, Research & Innovation
4.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Dr. Chandra Bali Patel** (Assistant Professor, Botany) For Excellent Contribution in Teaching & Research
5.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Dr. Deepak Tomar** (Assistant Professor, Chemistry) For Excellent Contribution in Teaching & Research
6.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Dr. Sanjeev Kumar** (Associate Professor, Physics) For Excellent Contribution in Teaching & Research
7.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Dr. Gajram Singh** (Assistant Professor, Dairy Science & Technology) For Excellent Contribution in Teaching & Research
8.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Mr. Arvind Kumar** (Accountant) For Excellent Contribution in Office & Finance Management
9.	**Principal's Medal** (Sponsored by R.K. PG College)	**Mr. Neeraj Kumar** (Supporting Staff) For Excellent Contribution as Supporting Staff

Scanned with OKEN Scanner

Alumni Association of R.K. College, Shamli

1. **Sh. D.P.Singh** – A notable Professor (retired). Department of Physics, R.K. College, Shamli, B.Sc. (PCM).
2. **Sh. Bishan Singh** – Lecturer (retired), Department of History. R.K.I. College, Shamli, B.Sc. (PCM) – 1962.
3. **Sh. Harpal Singh** – Lecturer (retired), Department of English, R.K. College, Shamli, B.Sc. (PCM).
4. **Sh. V.P.S. Panwar** – DIG, CRPF (RAF), near Hiyath Hotel, Delhi – 1969.
5. **Dr. Sudhir Kumar** – Professor, Department of Zoology, Lucknow University, Lucknow.
6. **Dr. Naresh Malik**, Principal, C.C.R. (P.G.) College, Muzaffarnagar, B.Sc.(Biology) -1980, 9412637436.
7. **Dr. D.S. Malik**, Principla Scientist, Division of Plant Physiology, CPRI, Modipuram, B.Sc. (Bio.) 1980.
8. **Dr. Satendra Singh** – a notable professor, Department of Agricultural Extension, R.K. College, Shamli, B.Sc. (Ag.) – 1981, 9411033226.
9. **Sh. Surendra Kumar**, Assistant Director, Horticulture, Ministry of Agriculture, (Gurgaon), B.Sc. (Ag.) – 1981.
10. **Sh. Ombir Singh**, Mandi Inspector, Mandi, Samittee, Shamli, B.Sc. (Ag.) – 1981.
11. **Sh. Ashwani Kumar**, Deputy Director (horticulture), CPWQ, New Delhi, B.Sc. (Ag.) – 1981.
12. **Sh. Rajendra Kumar**, Extension Training Centre (U.P.), B.Sc. (Ag.) -1981, 9411813481.
13. **Sh. Sahdev Singh**, Fruit Preservation Department, Rishikesh (U.K.), B.Sc. (Ag.) – 1981.
14. **Sh. Yogendra Pal Singh**, District Sports Officer, U.P. Government, B.Sc. (Ag.) -1983, 9045449119.
15. **Sh. Narendra Kumar**, Lecturer (Agriculture), Senior Secondary School, Almorha, B.Sc. (Ag.) – 1983.
16. **Sh. Virendra Kumar**, Senior Post Master, Post Office, U.P. Government, B.Sc. (Ag.) – 1990.
17. **Sh. Virendra Kumar**, Assistant Superintendent, Post Office, Tishazari Court, Delhi, B.Sc. (Ag.), 1992, 9868447482.
18. **Sh. Jitendra Kumar**, Khadi Gram Udyog (U.P.), B.Sc. (Ag.) – 1992.
19. **Dr. Vipin Kumar**, Assistant Director (Horticulture) Directorate of Research, SVBPUAT, Modinagar, B.Sc. (Ag.) – 1992, 9410683648.
20. **Dr. Sachin Kumar**, Asst.Prof. (SFS), Department of Agronomy, R.K. College, Shamli, B.Sc. (Ag.) – 1992, 8445304050.
21. **Dr. Akhlesh Dubey**, Training Organizer, Krishi Vigya Kendra (KVK), IIVR, Varanasi, B.Sc. (Ag.) – 1994, 9984457457.
22. **Dr. Kadam Singh**, Manager (Production) Private Limited (Agriculture), Bahalgarh (HR), B.Sc. (Ag.) – 1994, 9415973984.
23. **Sh. Amarpal**, Technical Assistant, NDRI, Karnal, B.Sc. (Ag.) – 1994.
24. **Dr. Ghasita Singh**, Associate Professor, Department of Plant Breeding, P.G. College Ghazipur, B.Sc. (Ag.) – 1994, 9415973984.
25. **Dr. S.K. Mishra**, Research Officer, Directorate of Research, G.B. Pant University of Agriculture and Technology, B.Sc. (Ag.) – 1994, 9410405616.
26. **Dr. Nand Kumar**, Assistant Professor, department of Biotechnology, MNRNIT, Allahabad, B.Sc. (Ag.) – 1994, 9794049630.
27. **Uday Kumar**, SMS, KVK, Birsa Agril University, Ranchi.

Scanned with OKEN Scanner

Dr. **Amit Kumar**, Professor, Department of livestock Production and Management, SVBPUAT, Modipuram, B.Sc. (Ag.) -1995, 9410792908.

Dr. **Mukesh Kumar**, Associate Director, (Research), SVBPUAT, Modi Puram, B.Sc.(Ag.) – 1995, 9412536766.

Sh. **Lokesh Kumar**, Lecturer, Deptt. Of Physics, Senior Secondary School, Delhi, B.Sc. (PCM), 9968472046.

Sh. **Vikas Kumar**, Manager, Syndicate Bank, Soop (Bulandshahar), B.Sc. (Ag.).

Sh. **Rajeev Kumar**, Sub Inspector (Crime Branch), Delhi Police, B.Sc. (Ag.) – 1996, 9811699790.

Dr. **Charan Singh**, Scientist, Division of Plant Breeding, IIWBR, Karnal, B.Sc. (Ag.) – 1996.

Dr. **Pardeep Kumar**, Rice Breeder, Syngenta, Hyderabad,(A.P.) B.Sc. (Ag.) 1996, 7702984807.

Sh. **Dharmendra Kumar**, Pesticides Pvt. Ltd., Haryana, B.Sc. (Ag.) – 1996, 9812253252.

Dr. **Vinod Kumar**, SMS (Agronomy), Krishi Vigyan Kendra (KVK) mandi, Dhanora, B.Sc. (Ag.).

Sh. **Suraj Singh**, Manager Thermax EO. Ltd. Pune, B.Sc. (Ag.) – 1996, 9719991127.

Sh. **Vipin Kumar**, Senior Manager, Triveni Engg. Ltd., Rani Nagar, Moradabad, B.Sc. (Ag.)- 1996.

Dr. **Aditya Pratap Garg**, Principal Scientist, Division of crop Physiology, IIPR, Kanpur, B.Sc. (Ag.) – 1997.

Dr. **Parveen Kumar**, Owned Business of Nursery Production, Delhi, B.Sc. (Ag.) – 1997, 9312358575.

Dr. **Vinesh Choudhary**, Principal, M.M.M. Inter College, Muzaffarnagar.

Sh. **Pardeep Kumar**, Constable, Delhi Police, B.Sc. (PCM) – 1997, 9910576270.

Dr. **Amit Kumar Sharma**, Senior Scientist (Plant Breeding), IIWBR, Karnal, B.Sc. (Ag.) –1998, 9678622622.

Dr. **Rajveer Singh**, Associate Professor, Deptt. of Plant Pathology, Gochar Maha Vidhalaya, Rampur Maniharan (U.P.) B.Sc. (Ag.) 1998, 9456613374 .

Dr. **Rahul Arya**, Lecturer (Chemistry), R.K. College, Shamli, M.Sc. (Chem.), 1998, 9837220059.

Dr. **Uttam Kumar**, Scientist,Borlough Institute for South Asia, Punjab Agriculture University, Ludhiyana, B.Sc. (Ag.) -1999, 9780336810 .

Sh. **Pankaj Kumar**, Teacher, Junior High School, Oon Block , Shamli B.Sc. (Ag.) – 1999, 9837730100 .

Sh. **Ashok Kumar**, Lab Chemist, Sugar Mill, Shamli, M.Sc. (Chemistry) -1999, 9411276140.

Sh. **Sudhir Kumar**, Cane Officer, Rohana Sugar Mill, Muzaffarnagar, B.Sc. (Ag.) – 1999, 8477000471.

Sh. **Kuldeep Singh**, Junior High School, Kairana Block, Shamli, B.Sc. (Ag.) – 2000.

Dr. **Vinod Kumar** (Gold Medalist), Breeder, Crop, Lal Cauliflow Maha Pvt. Ltd., Shalimar Bagh, Delhi, B.Sc. (Ag.) – 2001, 8295188771.

Dr. **Vikas Kumar**, SMS, Plant Breeding, K.V.K., Shamli, under SVBPUAT, Modipuran, B.Sc. (Ag.) – 2001, 9411448544.

Sh. **Amit Kumar**, Territory Executive, Nagarjuna Agrichem Ltd., Bareily, B.Sc. (Ag.) – 2002, 7080811526.

Sh. **Kuldeep Kumar**, Senior Executive, Organic India Pvt. Ltd. Rath (Hamirpur) B.Sc. (Ag.) – 2002, 8756133311.

Sh. **Shiv Om**, Programme Officer, Manjari Foundation, Udaipur, B.Sc. (Ag.) – 2002, 9993163108.

Sh. **Rajeev Kumar**, Assistant Manager, Indian Overseas Bank, Lucknow, B.Sc. (Ag.) - 2002, 9411030698.

Sh. **Sachin Kumar**, Head Constable, Delhi Police, B.Sc. (Ag.) – 2002, 9536449090.

Sh. **Pardeep Kumar**, Branch Manager, Union Bank of India, Behat, Saharanpur, B.Sc. (Ag.) – 2002, 8607318666.

Scanned with OKEN Scanner

59. **Sh. Bharat Kumar**, Deputy Cane Manager, Dhampur Sugar Mill Asmoli (Sambhal), B.Sc. (Ag.)–2004, 7055225551.
60. **Sh. Raj Kumar**, Teacher, BSA Office, Shamli, Block, Shamli,B.Sc.(Ag.)–2004, 9058514406
61. **Sh. Krishanpal** (Gold Medilist), Teacher, Junior High School, Charthawal Block, Muzaffar nagar, B.Sc. (Ag.)–2004, 9548180224 .
62. **Sh. Navrang Pal**, Technical Assistant, Baraut (Baghpat), B.Sc. (Ag.)–2004, 9453218676.
63. **Sh. Surendra Kumar**, Teacher, Junior High School, Thanabhawan, Shamli, B.Sc. (Ag.)–2004 9640808495.
64. **Dr. Ravindra Kumar**, Scientist, Division of Plant Pathology, Regional Station Of IARI, Karnal, B.Sc. (Ag.) – 2005, 8053689793.
65. **Sh. Pravindra Kumar**, Branch Manager, Bank of Baroda, Bareily, B.Sc. (Ag.)–2005, 9536265136.
66. **Sh. Manoj Kumar**, Cane Development Inspector, Cooperative Sugar Mill, Sonipat, (HR), B.Sc. (Ag.) – 2006, 9355127135.
67. **Sh. Vickee**, Field Officer, State Bank of India, Jansath (Muzaffarnagar), B.Sc. (Ag.)–2006.
68. **Dr. Sunil Kumar**, Subject Matter Specialist (SMS), KVK, Gurdaspur, PAU, Ludhiana, B.Sc. (Ag.)–2006, 7508800127.
69. **Dr. Adesh Kumar**, Associate Professor & Head, Deptt. of Plant Pathology, Lovely Professional University, Jallandhar, B.Sc. (Ag.)–2006.
70. **Dr. Vikas Sharma**, Technical Assistant, Department of Agriculture, Ganeshwari Block, Amroha, B.Sc. (Ag.) – 2007, 9467219707.
71. **Dr. Vikas Rathi**, Technical Assistant, Department of Agriculture, Baghpat Block, Baghpat, B.Sc. (Ag.)–2007.
72. **Sh. Rahul Sharma**, Manager, Research and Development, Private Seed Limited, Karnal, B.Sc. (Ag.) – 2007, 9501431623.
73. **Sh. Anurag**, Marketing Officer, Directorate of Marketing, Ministry of Agriculture, Chandigarh, B.Sc. (Ag.) – 2007, 9675045600.
74. **Sh. Pankaj Kumar**, Constable, Delhi Police, B.Sc. (Ag.), 2007, 9873797344.
75. **Sh. Deep Chand**, Clerk, State Bank of India, Shamli, B.Sc. (Ag.)–2007, 7457096005.
76. **Sh. Sachin Kumar**, Technical Assistant, Block Kanrihar (Allahabad), B.Sc. (Ag.)–2008, 9634136572.
77. **Sh. Jaidev**, Technical Assistant, Block Ganeshwari (Amroha), B.Sc. (Ag.)-2009, 9761886386
78. **Dr. Gajendra Singh**, Assistant Professor, Department of Zoology, Govt. Raza P.G. College, Rampur, B.Sc. (Bio)-2005, 9582484754.
79. **Sh. Vikas Kumar**, Assistant Professor, Department of Agronomy, R.K. P.G. College, Shamli, B.Sc. (Ag.), 7983126668

- Dr. M.K. Jally
Professor (Ag. Economics)
Co-ordinator, Alumni Association

Scanned with OKEN Scanner

College Administration (Academic Year 2024-25)

Dean

Student Welfare (DSW)	Capt. Krishan Pal

Academic Management Committee

Co-ordinator	Prof. Rajani Rani
Member	Prof. M.K. Jally
Member	Dr. C.B. Patel
Member	Dr. Deepak Tomar

Proctorial Board & Grievance Cell

Chief Proctor	Prof. Manoj Kumar (Math)
Proctor	Prof. P.K. Singh
Proctor	Dr. M.R. Saini
Proctor	Dr. C.B. Patel
Proctor	Dr. Charu Goel
Proctor	Dr. Sachin Kumar

Editorial Board of Magazine & Prospectus

Chief Editor	Dr. C.B. Patel
Editor	Dr. Geeta Devi
Editor	Dr. Ajay Kumar Singh
Student Representatives	Ajay Kumar (B.Sc.III,Bio)
	Km. Ritika (M.Sc. Ist Yr.,Botany)

Sports Committee

Sports Officer	Prof. Parveen Ahmad
Member	Mr. Rajguru
Member	Dr. Sneha Singh
Member	Dr. Ajay Kumar Singh
Student Representative	

Women Cell

President	Prof. Rajni Rani
Member	Dr. Geeta Devi
Member	Dr. Binita Kumari
Member	Dr. Sneha Singh
Member	Ms. Gaytri Tripathi
Student Representative	

Library Committee

Librarian Incharge	Mr. Rishi Kumar
Member	Dr. S.K. Pandey
Member	Dr. Mange Ram
Member	Mr. S.K. Varshney
Student Representative	

Eco Restoration Club

Incharge	Mr. S.K. Varshney
Member	Mr. Rajguru
Member	Dr. Rani Mishra
Member	Ms. Gaytri Tripathi
Student Representative	

Industry - Academia Integration & Skill Development (NEP)

Co-ordinator	Dr. Rohit Rana
Member	Dr. Deepak Tomar
Member	Dr. Surendra Pal
Member	Dr. S.K. Shroti
Member	Dr. Binita Kumari
Member	Dr. Preetam Singh
Member	Dr. Shashi Shekher

Incubation Centre

Co-ordinator	Prof. P.K. Singh
Member	Dr. Mange Ram
Member	Dr. S.K. Shroti

Online Education & LMS Cell (NEP)

Co-ordinator	Dr. Rohit Rana
Member	Mr. S.K. Varshney
Member	Dr. Preetam Singh
Member	Dr. Surendra Pal

Teacher Reskilling Cell (NEP)

Co-ordinator	Prof. A.K. Gupta
Member	Prof. P.K. Singh
Member	Prof. Rajni Rani
Member	Prof. M.K. Jally

Scanned with OKEN Scanner

Cell for differently abled students SEDGs & Medical Cell

Co-ordinator	Prof. Parveen Ahmad
Member	Dr. Sanjeev Kumar
Member	Mr. Vikas Kumar

Research Promotion & UGC Committee

Co-ordinator	Dr. Sanjeev Kumar
Member	Dr. C.B. Patel
Member	Dr. Rohit Rana
Member	Dr. Shashi Shekhar
Member	Dr. Preetam Singh
Member	Dr. Ajay Kumar Singh

Institutional Development Plan (IDP) Cell

Co-ordinator	Dr. S.K. Pandey
Member	Dr. Geeta Devi
Member	Dr. Deepak Tomar
Member	Dr. Binita Kumari
Member	Dr. Rani Mishra
Member	Dr. Surendra Pal

Cultural & Activity Club

Co-ordinator	Mr. S.K. Varshney
Member	Dr. Geeta Devi
Member	Dr. S.K. Pandey
Member	Dr. Charu Goel
Member	Dr. Binita Kumari
Member	Dr. Ajay Kumar Singh
Member	Ms. Gaytri Tripathi

Mentoring and Counselling Cell

Co-ordinator	Prof. Rajni Rani
Member	Prof. Manoj Kumar
Member	Dr. Sanjeev Kumar
Member	Dr. M.R. Saini
Member	Mr. S.K. Varshney
	Dr. Ravi Kumar Bansal

Campus Beautification

In-charge	Dr. Rohit Rana
Member	Dr. C.B. Patel
Member	Dr. S.K. Shroti
Member	Dr. Sanjeev Kajla

NSS Programme Officer

Unit I	Dr. Rohit Rana
Unit II	Dr. S.K. Shroti
Unit III	Mr. S.K. Varshney

NCC Officer

Boys Unit	Capt. Krishan Pal
Girls Unit	Dr. Geeta Devi

Rovers & Rangers

Incharge	Dr. Surendra Pal
Incharge	Dr. Sneha Singh

NEP Incharge

Convenor	Prof. Manoj Kumar
Member	Dr. Saurabh Kumar Pandey
Member	Mr. S.K. Varshney
Member	Dr. Charu Goel
Member	Dr. Darshana Singh

Media Committee

Incharge	Dr. Saurabh Kumar Pandey
Member	Dr. Surendra Pal
Member	Dr. Ajay Kumar Singh
Member	Sh. S.K. Sharma

Building Committee

Convener	Capt.Krishan Pal
Member	Prof. P.K. Singh
Member	Dr. Surendra Pal
Member	Sh. Yogesh Kumar (Phy.)

Teaching & Learning Committee

Convener	Prof. M.K. Jally
Member	Prof. Manoj Kumar
Member	Dr. Sachin Kumar
Member	Dr. Manoj Kumar

Central Purchasing & Disposal Committee

Convener	Prof. P.K. Singh
Member	Capt. Krishan Pal
Member	Dr. Geeta Devi
Member	Sh. Deepak Tomar
Member	Dr. Darshna Singh

Scanned with OKEN Scanner

Student Welfare and Poor Boys Fund

Convener	Prof. P.K. Singh
Member	Prof. Rajni Rani
Member	Dr. Deepak Tomar

Scholarship & APAAR ID Committee

Convener	Prof.Manoj Kumar
Member	Dr. M.R. Saini
Member	Dr. S.K. Shroti
Member	Sh. Shiv Kumar

Placement Cell

Convener	Dr. M.R. Saini
Member	Dr. Saurabh Kumar Pandey
Member	Dr. S.K. Shroti

Indian Culture, Language & Art Cell (NEP)

Co-ordinator	Dr. S.K. Pandey
Member	Dr. A.K. Gupta
Member	Dr. Ajay Kumar Singh
Member	Dr. Sneha Singh
Member	Dr. Rani Mishra

International Students Cell (NEP)

Co-ordinator	Dr. Gajram Singh
Member	Dr. Ravi Kumar Bansal
Member	Mr. Rishi Kumar

ICAR Accrediation & Faculty Management Committee

Co-ordinator & Signaturing Authority (Agriculture)	Prof. Rajni Rani
Member & Signaturing Authority (Agriculture)	Dr. Geeta Devi
Member	Dr. Rohit Rana
Member	Dr. Binita Kumari
Member	Dr. Sneha Singh
Member	Dr. Surendra Pal
Member	Dr. Ajay Kumar Singh

Water Supply Incharge	Dr. S.K. Shroti
Furniture Incharge	Dr. M.R. Saini
Solar Power Plant Incharge	Mr. Rishi Kumar

Scanned with OKEN Scanner

Regular College Staff (Teaching Staff)

Prof. Satyendra Pal	Principal	Ph.D., D.Sc.	rkpgcollegeshamli090@gmail.com	9953044654
Dr. A.K. Gupta	Professor (Dairy Science & Technology)	Ph.D.	ganilk96@gmail.com	9927759988
Dr. M.K. Jally	Professor (Ag. Economics)	Ph.D.	mkjally5@gmail.com	9837525668
Mr. Lokesh Kumar	Asso.Professor (Physics)	M.Phil	lokeshmalik2001@gmail.com	9997089381
Capt. Krishana Pal	Asso.Professor (Mathematics)	M.Phil	Krishanpal316@gmail.com	9411033679
Dr. Rajni Rani	Professor (Ag. Chemistry)	Ph.D.	rkpg.rajni@gmail.com	9457573075
Dr. P.K. Singh	Professor (Agronomy)	Ph.D.	singh.pk1971@gmail.com	9456457250
Dr. Manoj Kumar	Professor (Mathematics)	Ph.D.	yamu_balyan@yahoo.com	9548753852
Dr. Parveen Ahmed	Professor (Physical Education)	Ph.D.	ahmedparveen77@rediffmail.com	7906140159
Dr. Sanjeev Kumar	Asso. Professor (Physics)	Ph.D.	sanjeev_ccsu@yahoo.com	8979424981
Dr. Geeta devi	Asstt. Professor (Plant Pathology)	Ph.D.	ujjwal2810@gmail.com	9410365456
Dr. S. K. Pandey	Asstt. Professor (Statistics)	Ph.D., M.B.A.	skp22222@gmail.com	9451982070
Dr. C. B. Patel	Asstt.Professor (Botany)	Ph.D.	patelcb1@gmail.com	9889319639
Dr. Mange Ram	Asstt. Professor (Entomology)	Ph.D.	mrsaini1513@gmail.com	9319354197
Dr. Gajram Singh	Asstt. Professor (Superannuated) (Dairy Science & Technology)	Ph.D.	singhgajram62@gmail.com	9411073244
Mr. Rishi Kumar	Asstt. Professor (Physics)	M.Phil	rishirex@gmail.com	9412524411
Mr. S. K. Varshney	Asstt. Professor (Zoology)	M.Phil.	shrikantshrikant_2007 @rediffmail.com	8923025599
Mr. Rajguru	Asstt.Professor (Physics)	M.Sc.	rajgur.hep@gmail.com	9629591062
Dr. Deepak Kumar	Asstt. Professor (Chemistry)	Ph.D.	deepaktomar537@gmail.com	7053235085
Dr. Rohit Rana	Asstt. Professor (Entomology)	Ph.D.	rohitrana.ent@gmail.com	9045409045

Scanned with OKEN Scanner

Dr. Binita Kumari	Asstt. Professor (Ag.Economics)	Ph.D.	b.binitakumari@gmail.com	8950169196
Dr. Rani Mishra	Asstt.Professor (Botany)	Ph.D.	ranimisraau87@gmail.com	8707549063
Dr. S. K. Shroti	Asstt.Professor (Agronomy)	Ph.D.	shrotiagro77@gmail.com	8279935960
Dr. Sneha Singh	Asstt.Professor (Agriculture Extension)	Ph.D.	sneha30688@gmail.com	8005183832
Dr. Surendra Pal	Asstt.Professor (Agriculture Engineering)	Ph.D.	surendrapal774@gmail.com	8081245327
Dr. Ajay Kumar Singh	Asstt.Professor (Agriculture Botany)	Ph.D.	ajaysingh13bhu@gmail.com	9807836946
Dr. Darshana Singh	Asstt.Professor (Zoology)	M.Sc., Ph.D.	darshanasingh07@gmail.com	8368080245
Ms. Gayatri Tripathi	Asstt.Professor (Zoology)	M.Sc.	gayatri.tripathi1993@gmail.com	8874622109
Mr. Akash Kumar	Asstt.Professor (Chemistry)	M.Sc.	ak76383@gmail.com	8882123463
Dr. Preetam Singh	Asstt.Professor (Physics)	Ph.D.	prisin204@gmail.com	9026729490
Dr. Shashi Shekhar	Asstt.Professor (Chemistry)	Ph.D.	shashishekhar.nature@gmail.com	9171501800

Scanned with OKEN Scanner

Teaching Staff - Self Finance Scheme (Approved by University)

Dr. Manoj Kumar	Asstt. Professor(Horticulture)	Ph.D.	manojkumar@gmai.com	9410620429
Dr. Sanjeev Kajla	Asstt. Professor(Horticulture)	Ph.D.	sanjeevkajal@gmail.com	9412830223
Dr. Sachin Kumar	Asstt. Professor(Agronomy)	Ph.D.	Sachink1422@gmail.com	8445304050
Dr. Ravi Kr. Bansal	Asstt. Professor(Commerce)	Ph.D.	drravibansal@gmail.com	9412841418
Dr. Charu Goel	Asstt. Professor(Commerce)	Ph.D,	charugoel1975@gmail.com	9837447273
Dr. Roopin	Asstt. Professor(Commerce)	Ph.D.	dr.roopin@gmail.com	9456887199
Mr. Vikas Kumar	Asstt. Professor(Agronomy)	M.Sc.	vikaskasana56@gmail.com	7983126668

Non Teaching Staff

Sh. Satendra Kumar Sharma	Office Superintendent	9319453115	satendrashamli@gmail.com
Sh. Arvind Kumar	Accountant.	9411030109	arvindtarar7@gmail.com
Sh. Yashovardhan Verma	Senior Assistant	9027283339	yashovardahanverma196@gmail.com
Sh. Shiv Kr. Sharma	Junior Assistant	8445820007	shivkumarsharma26152@gmail.com
Sh. Vinayak Malik	Junior Assistant	9105115440	vmalik2611@gmail.com
Sh. Yogesh Kumar	Lab Assistant	9760107185	sangwanashmit@gmail.com
Sh. Rupesh Kumar	Library Clerk	8171316358	rupeshnayak670@gmail.com
Sh. Rampal Singh	Sweeper	9457041478	
Sh. Rambir Singh	Gardner	9520596029	
Sh. Jagbir Singh	Office Attendant	9758239246	jagbir9758239246@gmail.com
Sh. Chandki Ram	Lab Boy	9627228425	
Sh. Ramesh Chand	Watchman	9756266750	
Sh. Shamshad	Lab Boy	9639949476	
Sh. Sanjay Kumar	Lab Boy	9456081081	
Sh. Vijay Kumar	Lab Boy	7668694312	
Sh. Sanjeev Kumar I	Lab Boy	7302025269	
Sh. Sanjeev Kumar II	Lab Boy	8923409004	binad007@gmail.com
Sh. Sunil	Library Attendant	7456969208	
Sh. Deshpal Singh	Lab Boy	8923652486	
Sh. Neeraj Kumar	Sweeper	9012875446	

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

उ.प्र. सरकार द्वारा प्रायोजित मोबाईल वितरण कार्यक्रम
(09-07-2024)

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2024)

हर घर तिरंगा कार्यक्रम (13 अगस्त 2024)

महाविद्यालय की एन.सी.सी. द्वारा परेड

Scanned with OKEN Scanner

Scan OR Code (Using Google Lens) and find various activities conducted during academic session 2024-25

AKAM 1st Q 2025

AKAM 3rd Q 2024

AKAM 4th Q 2024

R. K. (PG) College, Shamli

(Govt. Aided & Co-education College)

(Affiliated to Maa Shakumbhari University, Saharanpur)

District - Shamli, Uttar Pradesh - 247776

www.rkcollege.in

7417572324

rkpgcollegeshamli090@gmail.com

rkpgcollege1@yahoo.com

Scanned with OKEN Scanner